हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

बिलासपुर, सोमवार 27 अप्रैल 2026

- 53 ब्लॉकों में फूड पार्क बनाने ली थी 15 सौ एकड़ जमीन
- फल-सब्जी प्रसंस्करण इकाइयों के नहीं आने से योजना अटकी

फूड पार्क में कंपनियों की रुचि नहीं, सिर्फ 14 इकाइयां लग सकीं, 9 में राइस मिल और दूसरे उद्योगों को भी जमीन !

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ के हर ब्लॉक में फूड पार्क स्थापित करने की योजना का बुरा हाल है। पूर्व सरकार ने इसके लिए राज्य के 22 जिलों के 53 ब्लॉकों में उद्योग विभाग के माध्यम से 1500 एकड़ जमीन अधिग्रहित की थी, इनमें से 18 स्थानों पर फूड पार्क स्थापना के लिए 132 करोड़ रुपए की प्रशासकीय स्वीकृति दी गई थी। 18 में से 14 स्थानों पर फूड पार्क स्थापित हो गए हैं और यहां फल-सब्जी प्रसंस्करण इकाइयों ने उत्पादन भी शुरू कर दिया है, लेकिन ज्यादातर स्थानों पर फूड पार्क का काम शुरू ही नहीं हो पाया है। फूड पार्क के लिए पर्याप्त संख्या में प्रसंस्करण इकाइयों के नहीं आने से उद्योग विभाग और सीएसआईडीसी ने 9 फूड पार्क में राइस मिल, दाल मिल जैसे दूसरे उद्योग स्थापित करने का निर्णय लिया है। संबंधित जिलों के कलेक्टरों ने इसके लिए अनुमति भी दे दी है। 5 ब्लॉकों में प्रस्तावित फूडपार्क में दूसरे उद्योगों के लिए जमीनों का आबंटन भी शुरू हो गया है।

▶▶|शेष पेज 6 पर

हर ब्लॉक में फूड पार्क की योजना का बुरा हाल

किसानों को नहीं मिलते उत्पादों के उचित दाम

छत्तीसगढ़ में टमाटर, मिर्च, सब्जियों और फलों के उत्पादक किसानों को उनके उत्पाद के उचित दाम नहीं मिलने की समस्या लंबे समय से बनी हुई है। हर साल किसानों को दाम नहीं मिलने के कारण अपने उत्पाद नष्ट तक करने पड़ते हैं। इसके कारण कई बार उन्हें घाटा उठाना पड़ता है। किसानों की इस समस्या को देखते हुए ही पूर्व सरकार ने राज्य के हर ब्लॉक में फूडपार्क स्थापित करने का निर्णय लिया था। इसके लिए उद्योग विभाग के माध्यम से बड़ी कार्ययोजना भी तैयार की गई। 53 ब्लॉकों में इसके लिए जमीन भी खरीद ली और एक तिहाई ▶▶|शेष पेज 6 पर

9 फूडपार्क में दूसरे उद्योगों को जमीन की अनुमति

9 फूडपार्क में पर्याप्त संख्या में फल-सब्जी प्रसंस्करण इकाइयों के नहीं आने के कारण वहां दूसरे छोटे उद्योग स्थापित करने की अनुमति देने का निर्णय उद्योग विभाग ने लिया है। इन फूडपार्कों के पास करीब 248 एकड़ जमीन है। संबंधित जिलों के कलेक्टरों ने इसके लिए अनुमति भी जारी कर दी है। धमतरी जिले के बागोद, सरगुजा के रिखी, रायपुर के खपरीखुर्द और मुंगेली के बिरबिरा में फ्लोर मिल, राइसब्रान, आइल साल्वेंट प्लांट, फोर्टिफाइड राइस मिल, दालमिल और दूसरी इकाइयां स्थापित करने के लिए जमीन आबंटित भी कर दी गई है। पांच अन्य फूड पार्क में भी जमीन आबंटन की प्रक्रिया जारी है।

दर्जनों ब्लॉकों में करोड़ों की जमीन फंसी

फूड पार्क के नाम पर दर्जनों ब्लॉकों में अधिग्रहित करोड़ों रुपए की सैकड़ों एकड़ जमीन बिना किसी उपयोग के पड़ी है। पर्याप्त संख्या में प्रसंस्करण इकाइयों के नहीं आने के कारण वहां फूड पार्क स्थापित करने की प्रक्रिया भी अटक गई है। उद्योग विभाग जमीन का दूसरा उपयोग करने पर भी विचार कर सकता है।

आनंद का सच्चा भाव®

18 कैरेट रेट (75.00%) = ₹103903/-

22 कैरेट रेट (91.60%) = ₹126900/-

24 कैरेट रेट (99.99%) = ₹138523/-

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

ANAND Jewels

Pandri, Raipur

*Conditions apply

खबर संक्षेप

ईरान युद्ध के बीच ट्रंप-मोदी की मुलाकात के आसार

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट की जंग और होर्मुज स्ट्रेट की टेंशन के

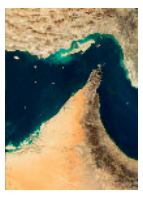

बीच प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मीटिंग होने के आसार हैं। जी हां, फ्रांस में जून महीने में जी-7 समिट होने वाला है, जिसमें दोनों राष्ट्राध्यक्ष मिल सकते हैं। दोनों के बीच ईरान युद्ध, मिडिल ईस्ट के हालात पर चर्चा के साथ द्विपक्षीय वार्ता भी हो सकती है।

20 अवैध प्रवासियों को भेजा गया बांग्लादेश

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने रविवार को कहा कि राज्य में 20 विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार करके वापस बांग्लादेश भेज दिया गया है। शर्मा ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'कुछ लोगों के साथ सख्ती से पेश आना जरूरी होता है।..खुद नहीं जाने वाले घुसपैठियों को जब हम असम से बाहर निकालते हैं तो यह पंक्ति याद रखते हैं। इसी तरह हमने 20 अवैध बांग्लादेशियों को वापस भेजा।' हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि ये लोग कहां पकड़े गए थे या उनकी राष्ट्रीयता क्या थी।

ऑल वेदर तकनीक से लैस होगी वंदे भारत

पठानकोट। वंदे भारत ट्रेन में पहली बार ऐसी विंटराइजेशन (शीतकालीन) तकनीक का

उपयोग किया गया है जो इसे माइनस डिग्री तापमान में भी सुचारू रूप से चलाने में सक्षम बनाएगी। रेलवे ने जम्मू-कश्मीर के बर्फीले और ठंडे मौसम के लिए विशेष रूप से डिजाइन की गई वंदे भारत ट्रेन लॉन्च की है, जो 30 अप्रैल से जम्मू से श्रीनगर तक चलेगी। यह महज 6 घंटे में यह सुहाना सफर पूरा करेगी।

चीन ने पाकिस्तानी उपग्रह का किया प्रक्षेपण

बीजिंग। चीन ने उत्तरी शांक्शी प्रांत में स्थित ताइयुआन उपग्रह प्रक्षेपण केंद्र से शनिवार रात एक पाकिस्तानी उपग्रह का प्रक्षेपण किया। चीन की सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' की खबर के अनुसार पीआरएससी-ईओ3 नामक इस उपग्रह को रात 8:15 बजे (बीजिंग समयानुसार) लॉन्ग मार्च-7 रॉकेट के जरिये प्रक्षेपित किया गया और यह सफलतापूर्वक निर्धारित कक्षा में पहुंच गया। पिछले साल से अब तक चीन द्वारा प्रक्षेपित किया गया पाकिस्तान का यह चौथा उपग्रह है।

2600 लोगों ने छिपकर बचाई जान, मची अफरातफरी, कई टेबल के नीचे छिपे

ट्रंप की डिनर पार्टी में नासा के फेलो ने किया 'अटैक', सीक्रेट सर्विस ने सुरक्षित बाहर निकाला

- हमलावर ने होटल में ही हथियार असेंबल करके 7 राउंड की फायरिंग
- एक अधिकारी को लगी गोली, पकड़ा गया आरोपी
- 1981 में पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति रीगन पर भी इसी होटल के बाहर हुआ था हमला

एजेंसी ▶▶| वाशिंगटन

अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में ये घटना 25 अप्रैल की रात करीब 8:40 बजे हुई, जब होटल के सिक्योरिटी एरिया के पास बंदूक और चाकुओं से लैस एक व्यक्ति सुरक्षा घेरा तोड़कर उस क्षेत्र में घुस आया और गोलीबारी चालू कर दी। वहां करीब 2600 लोग मौजूद थे। गोली चलने की आवाज सुनते ही वहां मौजूद लोगों में भगदड़ मच गई और कई लोग टेबल के नीचे छिप गए। घटना के तुरंत बाद अमेरिकी सीक्रेट सर्विस हरकत में आई, राष्ट्रपति ट्रंप को भी सुरक्षा बलों ने किसी तरह की मेज के नीचे छुपाया और उनकी पत्नी समेत सभी को सुरक्षित बाहर निकाला। एक गोली एक अधिकारी को लगी ▶▶|शेष पेज 6 पर

अमेरिका में शनिवार रात को हाई-प्रोफाइल कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा में बड़ी चूक सामने आई है। यहां व्हाइट हाउस कॉरेस्पोंडेंट्स एसोसिएशन के सालाना डिनर के दौरान एक बंदूकधारी ने गोलीबारी कर दी। इस गोलीबारी में एक अधिकारी घायल हो गया। इस कार्यक्रम में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, उनकी पत्नी मेलेनिया, उपराष्ट्रपति जेडी वैंस समेत कई बड़ी हस्तियां मौजूद थीं। फायरिंग होते ही घबराकर सैकड़ों मेहमान मेजों के नीचे छिप गए। लोगों के चीखने की आवाज आने लगी। सीक्रेट सर्विस ने राष्ट्रपति ट्रंप और उनकी पत्नी को तुरंत कार्यक्रम स्थल से सुरक्षित बाहर ले गए। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। घटना के सटीक कारणों का पता नहीं चल सका है। कार्यक्रम को रद्द कर दिया गया। ' इस घटना को अमेरिकी राष्ट्रपति की सुरक्षा में एक बड़ी सेंधमारी के रूप में देखा जा रहा है। इससे पहले भी ट्रंप पर फायरिंग की कोशिश हो चुकी है। चुनाव प्रचार के दौरान भी उन पर जानलेवा हमले की कोशिश हुई थी।

हमला होते ही लड़खड़ा कर गिरे ट्रंप

वायरल वीडियो में दिखाई दे रहा है कि जैसे ही फायरिंग की आवाज आती है, हाल में बैठे लोग टेबल के नीचे छिपने लगे। इसी दौरान एक सुरक्षाकर्मी ट्रंप के पास आता है और उनको तुरंत जानकारी देता है। इसके बाद कुछ और सीक्रेट सर्विस के एजेंट्स आते हैं और ट्रंप के आसपास घेरा बनाते हैं और उन्हें पीछे की तरफ लेकर जाते हैं। जैसे ही ट्रंप कुर्सी से उठकर आगे बढ़ते हैं, वह लड़खड़ा जाते हैं जिसके बाद एजेंट उन्हें पकड़कर सुरक्षित बाहर निकाल लेते हैं।

मैं ही निशाने पर था : ट्रंप

हमले के बाद संवाददाता को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा कि हमलावर का मुख्य निशाना वो ही हो सकते हैं। उन्होंने कहा, 'एक व्यक्ति कई हथियारों से लैस होकर सुरक्षा चौकी पर हमला करने के लिए आगे बढ़ा, लेकिन सीक्रेट सर्विस ने उसे काबू कर लिया। इसके साथ उन्होंने अमेरिकियों से अपील की कि वे अपने आपसी मतभेदों को शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाएं।

उच्च शिक्षित है हमलावर

नासा इस मामले में गिरफ्तार आरोपी की पहचान 31 वर्षीय कोल थोमस एलेन के रूप में हुई है। कोल थॉमस एलेन टोरेंस, कैलिफोर्निया का रहने वाला तकनीकी क्षेत्र से जुड़ा एक पढ़ा-लिखा शख्स है। उसने अमेरिका के प्रतिष्ठित मैकेनिकल इंजीनियरिंग में पढ़ाई की है। वो एक मैकेनिकल इंजीनियर होने के साथ-साथ कंप्यूटर साइंटिस्ट और इंडी गेम डेवलपर के तौर पर भी काम कर चुका है।

राहत की बात है कि ट्रंप ठीकः मोदी

ट्रंप, फर्स्ट लेडी मेलानिया ट्रंप और उपराष्ट्रपति

के सुरक्षित और पूरी तरह से स्वस्थ होने की जानकारी सामने आने पर भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राहत व्यक्त की है। उन्होंने कहा, यह जानकर संतोष हुआ है कि सभी नेता सुरक्षित हैं और किसी को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। लोकतंत्र में हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं है और इसकी स्पष्ट रूप से निंदा की जानी चाहिए।

दोपहर में उड़ान भरेगा मुंबई का चौथा नियमित विमान, किराया 7 हजार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

दो साल इंतजार के बाद रायपुर-मुंबई के बीच यात्रा करने वालों को चौथी फ्लाइट का विकल्प मिलने वाला है। एक मई से यह नियमित फ्लाइट भरी दोपहरी यानी 2.55 बजे टेकऑफ होगी। इस विमान का प्रारंभिक किराया 7 हजार के करीब है और टिकटों की बुकिंग शुरू हो गई है। पहले मुंबई-रायपुर-विशाखापट्नम को जोड़ने एयर इंडिया की फ्लाइट चलती थी, जो फरवरी 2023 में ग्राउंड हो गई थी।

मुंबई-रायपुर-मुंबई के बीच यात्रा करने वालों की संख्या बहुत अधिक है। वहां फिल्म सिटी, कारोबार, इलाज, रिश्तेदारी के अलावा घूमने-फिरने भी काफी लोग जाते हैं। इसकी वजह से सुबह और शाम के ▶▶|शेष पेज 6 पर

हरिभूमि फॉलोअप

बढ़ेगी करीब डेढ़ सौ सीटें

इस फ्लाइट से आवाजाही करने वाले यात्रियों के लिए करीब डेढ़-डेढ़ सौ सीटों का इजाफा हो जाएगा। वर्तमान में संचालित होने वाली फ्लाइट में साढ़े चार सौ सीटें होती हैं, जो एक मई से बढ़कर 6 सौ करीब हो जाएंगी। सीटों की संख्या बढ़ने से ज्यादा यात्री सफर कर पाएंगे, जिन्हें किराए में भी थोड़ी राहत मिलेगी। वर्तमान में दिल्ली के बाद दूसरे नंबर पर 4-4 फ्लाइट के साथ मुंबई और हैदराबाद शहर शामिल है।

बंद हो चुकी फ्लाइट के शुरू होने का इंतजार

टेक्निकल कारणों का हवाला देकर करीब दो साल पहले बंद हुई रायपुर-प्रयागराज की नियमित फ्लाइट के शुरू होने का इंतजार किया जा रहा है। इस फ्लाइट के माध्यम से गंगा में डुबकी लगाने और रामलला के दर्शन के लिए अयोध्या जाने वालों को राहत मिलेगी। कोरोना महामारी की चपेट में आई रायपुर जयपुर की सीधी उड़ान अब तक उड़ान नहीं भर पाई है। इसके लिए हर प्रस्ताव बनाया जाता है, मगर कोई विमानन कंपनी दिलचस्पी नहीं दिखा रही।

छत्तीसगढ़ में 200 काले हिरण पीएम ने सराहा, 'मन की बात' में मिली राष्ट्रीय पहचान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने 'मन की बात' में छत्तीसगढ़ के काले हिरण के संरक्षण प्रयासों का उल्लेख करते हुए सराहना की। इससे राज्य की पर्यावरणीय पहल राष्ट्रीय स्तर पर प्रमुखता से सामने आई हैं और बारनवापारा अभयारण्य को नई पहचान मिली है। एक समय ऐसा था जब यह अभयारण्य अपने प्रमुख वन्यजीव काले हिरण से लगभग खाली हो चुका था, लेकिन अब यही क्षेत्र करीब 200 काले हिरणों का सुरक्षित आवास बन गया है।

बारनवापारा के खुले घास के मैदानों में काले हिरणों की सक्रिय मौजूदगी इस बात का प्रमाण है कि लंबे समय बाद भी किसी प्रजाति को उसके प्राकृतिक परिवेश में पुनर्स्थापित किया जा सकता है। जो क्षेत्र कभी सूना हो गया था, वह अब पुनर्जीवन की एक सशक्त कहानी प्रस्तुत कर रहा है। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ के बलौदाबाजार-भाटापारा जिले में स्थित, लगभग 245 वर्ग किलोमीटर में ▶▶|शेष पेज 6 पर

छत्तीसगढ़ का बरनवापारा अभयारण्य बना काले हिरणों के पुनर्जीवन का मजबूत उदाहरण

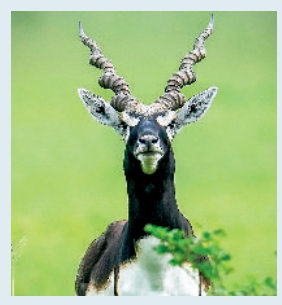

प्रधानमंत्री ने बढ़ाया प्रदेश का मान - साय

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा "मन की बात" में छत्तीसगढ़ में काले हिरण के संरक्षण के प्रयासों का उल्लेख किए जाने पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने इसे प्रदेश के लिए गौरवपूर्ण क्षण बताया है। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय मंच पर छत्तीसगढ़ की उपलब्धियों का लगातार जिक्र होना न केवल राज्य की पहचान को सुदृढ़ करता है, बल्कि प्रदेशवासियों के मनोबल को भी नई ऊंचाई प्रदान करता है। मुख्यमंत्री ने राजधानी रायपुर के भाठागांव स्थित विनायक सिटी में इसकी 133वीं कड़ी सुनी।

सुप्रीम कोर्ट की अहम टिप्पणी

जमानत भले खारिज करें, पर सरेंडर का आदेश नहीं दे सकतीं अदालतें

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

देश की सर्वोच्च अदालत ने अग्रिम जमानत और अदालती क्षेत्राधिकार को लेकर महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि किसी भी आरोपी की अग्रिम जमानत याचिका को खारिज करना अदालत का अधिकार है। हालांकि, याचिका खारिज करते समय अदालत के पास यह शक्ति नहीं है कि वह आरोपी को संबंधित ट्रायल कोर्ट के सामने आत्मसमर्पण करने का निर्देश दे। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस उज्ज्वल भुइयां की खंडपीठ ने एक मामले की सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की।

यह लगाई गई थी धारा

रिपोर्ट के अनुसार, मजिस्ट्रेट के समक्ष शिकायत दर्ज कराई गई थी। इसमें आरोपी पर भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत आरोप लगाए गए थे। इनमें धारा 323 यानी स्वेच्छा से चोट पहुंचाना, 420-धोखाधड़ी, 468 यानी धोखाधड़ी के उद्देश्य से जालसाजी और 471-जाली दस्तावेज का उपयोग शामिल हैं।

टेकऑफ के दौरान प्लेन में आग 6 यात्री घायल, 232 यात्री थे सवार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

दिल्ली एयरपोर्ट पर उस समय एक बड़ा हादसा टल गया जब स्विस एयर की दिल्ली से ज्यूरिख जाने वाली फ्लाइट एसडब्लूआर146 में टेकऑफ के दौरान अचानक तकनीकी खराबी आ गई। बताया गया कि उड़ान भरते समय विमान का इंजन फेल हो गया, जिसके बाद हालात गंभीर हो गए। चश्मदीदों के अनुसार, विमान के बाएं हिस्से से धुआं निकलता देखा गया, जबकि दाईं तरफ लैंडिंग गियर के पास आग लगने की खबर सामने आई। हालात को देखते हुए तुरंत फुल इमरजेंसी घोषित कर दी गई।

दिल्ली एयरपोर्ट की घटना, टला बड़ा हादसा

घटना की हो रही है जांच

विमान के एक इंजन में तकनीकी खराबी आ गई थी। एयरपोर्ट पर मौजूद फायर ब्रिगेड और सुरक्षा टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर स्थिति को काबू में किया और आग को फैलने से रोक लिया। फिलहाल इस घटना की जांच की जा रही है ताकि यह पता लगाया जा सके कि इंजन फेल होने की असली वजह क्या थी।

सुरक्षा पर उठे सवाल

हाल ही में दिल्ली एयरपोर्ट पर एक और घटना सामने आई थी, जब अकासा एयर और स्पाइसजेट के दो विमानों के पंख आपस में टकरा गए थे। लगातार सामने आ रही ऐसी घटनाओं ने एयरपोर्ट सुरक्षा और विमानन व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बाबा केदार के दरबार में उमड़ पड़े हैं श्रद्धालु

आस्था का सैलाब, चार दिन में 1.24 लाख ने किए दर्शन

एजेंसी ▶▶| देहरादून

उत्तराखंड के केदारनाथ धाम के कपाट खुलने के बाद शुरुआती चार दिन में 1.24 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किए हैं, जो 2026 की यात्रा के लिए अच्छी शुरुआत मानी जा रही है, जिसकी जानकारी अधिकारियों ने शनिवार को दी। जिला सूचना कार्यालय के अनुसार 22 अप्रैल को कपाट खुलने के बाद से अब तक कुल 1,24,782 श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना की। शनिवार को शाम पांच बजे तक 31,160 श्रद्धालु मंदिर पहुंचे, जिनमें 21,035 पुरुष और 9,993 महिलाएं थीं। रुद्रप्रयाग के जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने बताया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशों के तहत यात्रा सुचारु रूप से जारी है। विशाल मिश्रा ने बताया कि हेलीपैड और पैदल मार्ग पर प्रशासन व पुलिस के जवान तैनात हैं, ताकि यातायात और भीड़ को नियंत्रित किया जा सके। उन्होंने कहा, 'श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए सभी टीम पूरी मेहनत से काम कर रही हैं।'

- 22 अप्रैल को केदारनाथ धाम का खोला गया है कपाट

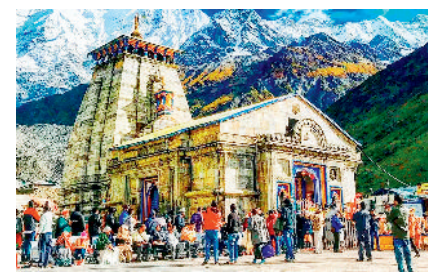

सांयकालीन आरती का शुभारंभ

रुद्रप्रयाग जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने बताया कि पिछले 4 दिनों से यात्रा सफलतापूर्वक संचालित की जा रही है और सभी व्यवस्थाएं पूरी तरह व्यवस्थित हैं। उन्होंने कहा कि श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो, इसके लिए सभी टीमें मुस्तैदी से कार्य कर रही हैं। साथ ही भैरवनाथ जी के कपाट खुलने के साथ ही केदारनाथ धाम में सांयकालीन आरती का शुभारंभ हो गया है।

'भ्रामक और झूठी खबरों' पर ध्यान न देने की अपील

केदार सभा के अध्यक्ष राजकुमार तिवारी ने अव्यवस्था की खबरों को खारिज करते हुए कहा कि मंदिर की छवि खराब करने की कोशिश 'निंदनीय' है। उन्होंने कहा कि वर्तमान व्यवस्था में हर श्रद्धालु को दर्शन करने का अवसर मिल रहा है। केदार सभा के वरिष्ठ सदस्य उमेश चंद्र पोस्ती ने तीर्थयात्रियों से सोशल मीडिया पर फैल रही 'भ्रामक और झूठी खबरों' पर ध्यान न देने की अपील की।

श्रद्धालुओं के लिए की गई है विशेष व्यवस्था

केदार सभा के एक अन्य सदस्य संजय तिवारी ने बताया कि स्थानीय निवासी और प्रशासन मिलकर श्रद्धालुओं के लिए रहने और खाने की पर्याप्त व्यवस्था कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि किसी भी आपात स्थिति में तुरंत कार्रवाई के लिए जिला प्रशासन पूरे यात्रा मार्ग की निगरानी एक विशेष नियंत्रण कक्ष के जरिए कर रहा है।

खरीफ के लिए सहकारी सोसाइटियों में खाद का भंडारण, अभी भी किसानों के हाथ खाली

हरिभूमि न्यूज: रायपुर

सहकारी समितियों में 4.83 लाख टन भंडारण, खाद की उपलब्धता कम

खरीफ सीजन के लिए खेती किसानी की तैयारी में लगे किसानों को ऋण लेने के साथ ही खाद का वितरण कर दिया जाता है। अप्रैल से सहकारी समितियों में किसान ऋण के लिए पहुंचने लगे हैं। किसानों को अब ऋण का 60 प्रतिशत नकद और 40 प्रतिशत वस्तु (खाद-बीज) के रूप में देने का फरमान जारी किया गया है। पहले यह अनुपात 70-30 प्रतिशत का था। अब नकद का लिमिट घटा दिया गया है। वहीं खाद के संबंध में यह कहा जा रहा है कि एक साफ्टवेयर तैयार किया जा रहा है, जो एग्रीस्टैक से जुड़ा होगा। किसानों के पंजीकृत रकबे के अनुसार टोकन की तरह खाद की मात्रा तय की जाएगी। उसी के अनुरूप किसानों को खाद का वितरण होगा।

बताया गया है कि सहकारी सोसाइटियों में खाद का भंडारण किए जाने के बाद किसानों को खाद नहीं मिल पा रही है। विभाग के अनुसार यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि किसानों को उनकी खेती के रकबे के आधार पर ही उर्वरक की बिक्री हो, इसके लिए नई ऑनलाइन व्यवस्था पर काम किया जा रहा है। नई प्रणाली में एकीकृत किसान पोर्टल, राजस्व विभाग का भुइंया और एग्रीस्टैक पोर्टल को इंटीग्रेट किया जाएगा। केंद्र सरकार ने एनपीके की कीमत 180 रुपए प्रति बोरी और पोटास की कीमतों में 300 रुपए प्रति बोरी की वृद्धि की है। सहकारी समितियों में खाद की कमी, मूल्य वृद्धि और वितरण के तरीके में बदलाव से परिणाम आने वाले दिनों में देखने को मिलेगा।

चालू खरीफ में उर्वरक की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के राज्य, केंद्र सरकार से समन्वय कर रही है। इस वर्ष खरीफ के लिए 15.55 लाख टन उर्वरक मांग का आंकलन किया गया है तथा अब तक 8.72 लाख टन लगभग 56 प्रतिशत का भंडारण करा लिया गया है। सहकारी समितियों से ऋण लेकर खेती करने वाले किसानों को प्राथमिकता से उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए सहकारी क्षेत्र में 4.83 लाख टन का भंडारण कर लिया गया है।

सरकार के अनुसार आगामी खरीफ सीजन में 15 लाख 55 हजार मीट्रिक टन खाद की आवश्यकता अनुमानित है, पर इस सरकार की तैयारी आधी भी नहीं है। कम खाद की उपलब्धता पर सहकारी समिति को प्राथमिकता देना चाहिए। पिछले खरीफ सीजन में सहकारी सोसाइटियों को कम खाद दिया और निजी दुकानदारों को अधिक जिसके चलते जमकर ओवर रेट और कालाबाजारी हुई।

अनियमित वितरण रोकने किए जा रहे उपाय

मार्कफेड के अधिकारियों के अनुसार 2026-27 के खरीफ सीजन से सहकारी समितियों में खाद वितरण की व्यवस्था को पारदर्शी बनाने शासन ने फार्मर आईडी अनिवार्य कर दी है। जिन किसानों की फॉर्मर आईडी होगी, उन्हें ही समितियों से यूरिया समेत अन्य खाद मिल सकेगी। नई व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य सही किसानों तक सही मात्रा में खाद पहुंचाना है, ताकि अनियमित वितरण और कालाबाजारी को रोका जा सके।

खबर संक्षेप

मुख्यमंत्री साय से केटीयू के कुलपति प्रो. दयाल ने की मुलाकात

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय से कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनोज दयाल ने शनिवार को सौजन्य मुलाकात की। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पत्रकारिता विश्वविद्यालय की उन्नति और प्रगति पर प्रसन्नता जताई और कुलपति प्रो. दयाल को शुभकामना दी। विश्वविद्यालय के संख्यात्मक व गुणात्मक विकास पर वृहद व व्यापक चर्चा हुई। कुलपति प्रो. मनोज दयाल ने प्रशासनिक एवं अकादमिक कार्यों की नियमित समीक्षा प्रारंभ की है। शोध एवं अनुसंधान के क्षेत्र में भी शोधकर्ताओं को समय सीमा में शोध कार्य के लिए प्रेरित किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि विगत 22 वर्षों में देश-प्रदेश के मीडिया संस्थानों और विविध क्षेत्रों में यहां से दीक्षित-प्रशिक्षित छात्र-छात्राओं ने अपनी योग्यता और प्रतिभा के बलबूते पर अपनी प्रतिष्ठा अर्जित की और छत्तीसगढ़ का नाम रौशन किया। अध्ययन शाला और संबद्ध महाविद्यालयों में संचालित स्नातक, स्नातकोत्तर और डिप्लोमा कोर्स में छत्तीसगढ़ के सुदूर अंचल के अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़ा वर्ग सहित सभी वर्गों के विद्यार्थियों को न्यूनतम शुल्क में बेहतरीन शिक्षा मिल रही है।

तापमान 44 के पार, राहत के फिलहाल नहीं हैं आसार

रायपुर। राजधानी रायपुर समेत प्रदेश में दूसरे दिन भी गर्मी ने अपना प्रचंड रूप दिखाया। अधिकतम तापमान 44 डिग्री के पार रहा, जिससे फिलहाल बड़ी राहत मिलने की संभावना नहीं है। शनिवार को रायपुर में गर्मी ने अपने पिछले 15 साल का रिकार्ड तोड़ा था। रविवार को बिलासपुर प्रदेश में सबसे गर्म रहा और पारा 44.4 तक पहुंचा। अप्रैल के अंतिम दिनों में गर्मी रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग संभाग में अपना जोरदार असर दिखा रही है। शनिवार को तो नांदगांव की गर्मी 45 डिग्री की रही, वहीं रायपुर में तेवर 44.6 का रहा। रविवार यानी दूसरे दिन भी इसके मिजाज में कोई खास फर्क नहीं दिखा और दोपहर को तेज धूप के साथ गर्म हवा के थपेड़े सहने पड़े। शहर में गर्मी सुबह दस बजने के बाद ही अपना असर दिखाना शुरू कर रही है। इस दौरान तापमान 38-39 डिग्री होकर दोपहर से दो से तीन बजे तक अपनी चरम स्थिति पर पहुंच रहा है। रविवार को सूरज के तेज प्रभाव ने रायपुर के बजाए बिलासपुर पर अपना असर दिखाया और वहां का तापमान सर्वाधिक 44.4 रिकार्ड किया गया। शहर में पिछले दस दिन से गर्मी अपना व्यापक असर दिखा रही है इसकी वजह से लोग दोपहर होने के बाद अधिक आवजाही से परहेज करने लगे हैं। दोपहर होने के बद शहर की सड़कों पर आवाजाही भी कम हो जाती है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक दक्षिणी भाग (बस्तर) में बंगाल की खाड़ी से नमीयुक्त हवाओं का आगमन प्रारंभ हो चुका है। सोमवार 27 अप्रैल को एक बस्तर में दो स्थानों पर हल्की वर्षा होने अथवा गरज चमक के साथ छींटे पड़ने की संभावना है।

इससे प्रदेश के अधिकतम तापमान में हल्की गिरावट आने की संभावना है मगर मध्य इलाके के ग्रीष्म लहर पर इसका कोई खास असर नहीं होगा। अभी एक ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती घेरा पूर्वी उत्तर प्रदेश, दूसरा ऊपरी हवा का चक्रीय चक्रवाती घेरा उत्तर पूर्व झारखंड, तीसरा परिसंचरण मध्य प्रदेश के मध्य भाग में मौजूद है।

जल वितरण में खामी, निगम की कार्यप्रणाली पर सवाल

जल विभाग ने अमृत मिशन और रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड पर फोड़ा ठीकरा

हरिभूमि न्यूज : रायपुर।

नगर निगम के 10 जोन के 70 वार्ड में जल विभाग 43 पानी टंकियों के माध्यम से आमतौर पर 240 एमएलडी पानी की आपूर्ति करता है, पर गर्मी के सीजन में फिल्टर प्लांट से इसकी मात्रा बढ़कर प्रतिदिन 300 एमएलडी पानी की खपत तक जा पहुंची है। यानी सामान्य दिनों की तुलना में 60 एमएलडी ज्यादा पानी की आपूर्ति हो रही है। इसके बाद भी जलसंकट कम होने का नाम नहीं ले रहा है। आमासिवनी, कचना, सड्डू, लभांडी, दलदलसिवनी, खम्हारडीह, भनपुरी, चंगोराभाठा सहित अन्य रहवासी इलाके ऐसे हैं, जहां पेयजल संकट दूर करने नगर निगम विभागीय टैंकर के अलावा किराए के पानी टैंकर भेज रहा है।

जल बोर्ड और नगर निगम के जल विभाग ने हाल ही में पेयजल संकट की धरातल पर स्थिति जानने संयुक्त रूप से सर्वे किया, जिसमें यह पता चला कि दस जोन में से 3 जोन ऐसे हैं, जहां के वार्डों में नई व पुरानी पाइप लाइन दोनों से जल आपूर्ति की जा रही है। जोन 4, जोन 5 और जोन 6 में ऐसे वार्ड हैं, जहां अमृत मिशन और रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के 24 घंटे जल आपूर्ति योजना के तहत करोड़ों रुपए खर्च कर नई पाइप लाइन बिछाई गई है, पर विडंबना ये है कि पुरानी पाइप लाइन से लोगों को भरपूर पानी मिल रहा है, जबकि नई पाइप लाइन से नलों में प्रेशर कम आने, अंतिम छोर तक पानी नहीं पहुंचने की शिकायत आ रही है। जल वितरण में व्याप्त इस खामी को दूर करने की जरूरत है। जल बोर्ड के सदस्य और जल विभाग के कार्यपालन अभियंता नरसिंग फरेंद्र का कहना है, हमने डयूल लाइन वाले एरिया को चिन्हांकित कर लिया है, गर्मी सीजन के बाद इस पर काम किया जाएगा।

0 चिन्हांकित एरिया इस तरह

नगर निगम जोन 4 - ब्राम्हणपारा, पुरानी बस्ती वाला क्षेत्र, धोबी गली, लिली चौक, पुरानी बस्ती थाना के पास कंकाली पारा एरिया, अवधिया पारा एरिया।

जोन 5 - रामकी जानकी मंदिर के पास ढीमरपारा।

जोन 6 - टैगोर नगर, आरएमएस कालोनी मोतीबाग पानी टंकी वाला कमांड क्षेत्र है, जहां दो लाइन में पानी जा रहा है।

जल संकट की वजह ये भी

0 पानी टंकी कैचमेंट का दायरा आमतौर पर 2 किलोमीटर क्षेत्र निर्धारित है, पर बसाहट बढ़ने से कैचमेंट एरिया से 4 किलोमीटर दूरी तक पाइप लाइन बिछाकर घनी बसाहट में पानी आपूर्ति की जा रही है।

0 वाल्व के साथ छेड़छाड़ भी रहवासी इलाकों में पानी की किल्लत एक बड़ा कारण है। अमृत मिशन में ब्राम्हणपारा, पुरानी बस्ती, लिली चौक, कुकरीपारा, महापौर निवास के पास नई पाइप लाइन बिछाई गई, जहां पुरानी पाइप लाइन से पहले से पानी आपूर्ति हो रही है। उस पुरानी पाइप लाइन को डिसकनेक्ट करना था, पर अभी भी पुरानी लाइन चालू है।

0 जेएनआरयूएम में राइजिंग लाइन कैपिसिटी 500 एमएम डाया का है, जिसका एक्टेंशन सड्डू तक है। इस क्षेत्र तक फिल्टर प्लांट से भरपूर पानी की आपूर्ति का सिस्टम बना हुआ है, पर अमृत मिशन मेंआमासिवनी और कचना में नई टंकी को इसमें अतिरिक्त जोड़ा है। इसके साथ ही परसुलीडीह की हाउसिंग बोर्ड कालोनी, दलदल सिवनी बीएसयूपी आवासीय परिसर, लभांडी का आवासीय परिसर इसमें अतिरिक्त रूप से जोड़ा गया है। यही वजह है कि आमासिवनी और कचना की पानी टंकी को क्षमता अनुरूप नहीं भरा जा रहा है। टंकी कम भरने से अंतिम छोर तक पानी नहीं पहुंच रहा।

कांकेर सांसद नाग को हाईकोर्ट से राहत मिली

बिलासपुर। कांकेर से निर्वाचित सांसद भोजराज नाग पर ईवीएम मशीन में छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए तत्कालीन उम्मीदवार बीरेश ठाकुर ने निर्वाचन रद्द करने की मांग कर चुनाव याचिका पेश की थी। इस पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने कहा कि मशीनों की दोबारा जांच के लिए कोई निर्देश तब तक जारी नहीं किया जा सकता जब तक मौखिक या डॉक्यूमेंट्री सबूत के ज़रिए गड़बड़ी के बारे में कोई सबूत रिकॉर्ड पर न रखा गया हो। याचिका खारिज कर याचिकाकर्ता को डॉक्यूमेंट्री सबूत रिकॉर्ड करने के बाद नई एप्लीकेशन फाइल करने की छूट दी गई है। हाईकोर्ट में यह एप्लीकेशन कांकेर से सांसद पद के उम्मीदवार बिरेश ठाकुर ने डिस्ट्रिक्ट इलेक्शन ऑफिसर ,रिटर्निंग ऑफिसर को 26 अप्रैल 2024 को कांकेर पार्लियामेंट्री सीट के लिए हुए इलेक्शन में इस्तेमाल हुई ईवीएम (बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट, वीवीपेट यूनिट) की चेकिग और वेरिफिकेशन करने की इजाजत देने के लिए एक ऑर्डर जारी करने के लिए फाइल की है।

- याचिकाकर्ता को डॉक्यूमेंट्री सबूत रिकॉर्ड कर नई एप्लीकेशन फाइल करने छूट

कई तरह की गड़बड़ियां और गलत काम

इस इलेक्शन पिटीशन में पिटीशनर ने आरोप लगाया है कि,इलेक्शन प्रोसेस रिटर्निंग ऑफिसर ने गलत इरादे से किया था और इसमें कई तरह की गड़बड़ियां और गलत काम किए, जिससे इलेक्शन के नतीजे पर काफी असर पड़ा। पिटीशनर ने आरोप लगाया है कि दूसरी रैंडमाइजेशन रिपोर्ट में मशीन नंबर वीवीपेट यूनिट और अलग-अलग असेंबली सीटों गुंडरदेही नंबर 61, सिहावा नंबर 56, संजरीबालोड नंबर 59, डोंडी लोहारा (एसटी) नंबर 60, और केशकाल नंबर 82 के पोलिग स्टेशनों के फॉर्म 17 सी में मशीन नंबर में कुछ अंतर हैं।

महिला सशक्तिकरण पर विशेष सामान्य सभा, नेता प्रतिपक्ष ने 6 विषय सुझाए

रायपुर। महिला सशक्तिकरण को लेकर रायपुर नगर निगम की विशेष सामान्य सभा 27 अप्रैल को महात्मा गांधी सदन के सामान्य सभागार में प्रातः 11 बजे से आयोजित है। सभापति सूर्यकांत राठौर ने महिला अल्पकालीन सशक्तिकरण के जन जागरूकता अभियान के आयोजन और समन्वय पर चर्चा के लिए विशेष सामान्य सभा बुलाई है। नगर निगम के नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने महिला सशक्तिकरण के लिए विशेष सामान्य सभा बुलाकर चर्चा कराने के प्रस्तव का स्वागत किया है, पर इसके साथ ही जन हित से जुड़े 6 अहम विषयों पर विशेष सामान्य में चर्चा कराने की मांग निगम सभापति सूर्यकांत राठौर से की है।

इन विषयों पर विशेष सामान्य सभा बुलाने की बताई जरूरत

0 शहर के तात्यापारा शारदा चौक सड़क चौड़ीकरण का मुद्दा

0 शहर में व्याप्त जल संकट संबंधी अहम विषय

0 बारिश में जलभराव और ड्रेनेज सिस्टम के लिए स्वीकृत हुए 220 करोड़ की राशि नहीं मिल पाने का मुद्दा

0 पेंशन के लिए 6 माह से भटक रहे बुजुर्गो की समस्या, विधवा पेंशन की समस्या

0 महतारी वंदन योजना से वंचित महिलाओं की समस्या

0 महिलाओं के नाम से संपत्ति कर में छूट की घोषणा का मुद्दा

सवारी बैठाने के नाम पर एयरपोर्ट पर दो ऑटो चालकों के बीच मारपीट

हरिभूमि न्यूज:रायपुर

एक ऑटो चालक ने दूसरे ऑटो चालक का बोतल से सिर फोड़ा

स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर सवारी बैठाने को लेकर ऑटो चालकों के बीच खूनी संघर्ष रुकने का नाम नहीं ले रहा। एक ऐसी ही घटना में एक ऑटो चालक ने दूसरे ऑटो चालक के सिर पर बोतल से हमला कर सिर फोड़ दिया। बताया जा रहा है, सवारी बैठाने को लेकर दोनों ऑटो चालकों के बीच विवाद हुआ। इसके बाद एक ऑटो चालक ने दूसरे ऑटो चालक के साथ झगड़ा करते हुए सिर फोड़ दिया। माना पुलिस ने बोतल से हमला करने वाले ऑटो चालक को गिरफ्तार कर लिया है।

परमानंद धृतलहरे की शिकायत पर पुलिस ने जुबेर खान के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। परमानंद और जुबेर एयरपोर्ट के बाहर ऑटो चलाते हैं। शुक्रवार रात सवारी को लेकर दोनों के बीच कहासुनी हुई, इस बीच दोनों के बीच हाथापाई हुई। हाथापाई के दौरान जुबेर ने पास में पड़ी कांच की बोतल उठाकर परमानंद के सिर पर वार कर दिया। बोतल लगने से परमानंद लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ा। आसपास मौजूद लोगों ने परमानंद को तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज जारी है। बोतल के हमला से परमानंद के सिर पर गंभीर जख्म आया है। पुलिस ने जुबेर के खिलाफ हत्या की कोशिश सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है। गिरफ्तारी के बाद जुबेर को पुलिस ने कोर्ट में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

सवारी बैठाने के नाम पर आए दिन विवाद

स्वामी विवेकानंद एयरपोर्ट पर सवारी बैठाने के नाम पर आए दिन विवाद की स्थिति निर्मित होती है। ऑटो, टैक्सी चालक एक दूसरे के साथ विवाद कर मारपीट, यहां तक कि चाकूबाजी की घटना को अंजाम दे चुके हैं। ऑटो, टैक्सी चालकों द्वारा एक दूसरे के साथ विवाद करने के साथ यात्री तथा उनके परिजनों के साथ बदसलूकी तक करते हैं। एयरपोर्ट पार्किंग स्टाफ ने विवाद करने वाले ऑटो, टैक्सी चालकों की शिकायत कई बार पुलिस से की है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई की जाएगी।

गेंगरेप के आरोपियों के विरुद्ध सख्त न्यायिक कार्रवाई की ज़रूरत- हाईकोर्ट

बिलासपुर। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा एवं जस्टिस रविन्द्र कुमार अग्रवाल की डीबी ने गेंग रेप के आरोपियों की अपील खारिज करते हुए कहा कि कोर्ट इस अपराध की गंभीरता और जघन्य प्रकृति को भी ध्यान में रखता है। आरोपियों द्वारा किया गया काम सिर्फ़ एक व्यक्ति के खिलाफ़ अपराध नहीं है, बल्कि एक महिला की गरिमा और शारीरिक अखंडता का अपमान है।

जिस तरह से अपराध किया गया है, वह इंसानी गरिमा और सामाजिक नियमों की पूरी तरह से अनदेखी दिखाता है। इस तरह के अपराधों के लिए सख्त न्यायिक कार्रवाई की ज़रूरत होती है ताकि कानून का शासन बना रहे और यह साफ़ संदेश जाए कि ऐसे काम बर्दाश्त नहीं किए जाएँगे। कोर्ट ने कहा कि धारा 366 और 376 डी के तहत अपील करने वालों को दोषी ठहराने वाला ट्रायल कोर्ट का फ़ैसला और सज़ा का आदेश सही है, और इसमें किसी दखल की ज़रूरत नहीं है। प्रकरण के मुताबिक पीड़ित महिला 13 मई 2023 को घर के बाहर टहल रही थी। आरोपी युवराज साहू और सहआरोपी रविन्द्र बरेठ, रवींद्र कुमार बरेठ, विक्की सागर उसे बहलाकर साथ ले गए। तालाब किनारे युवती के साथ बालात्कार किया गया। मामले में पुलिस ने अपराध दर्ज कर न्यायालय में चालान पेश किया। विचारण न्यायालय ने तीनों आरोपियों को आईपीसी की धारा 366 के तहत 03 साल की कठोर कैद और एक हजार का जुर्माना, जुर्माना न देने पर 06 महीने की अतिरिक्त सजा और आईपीसी की धारा 376 डी के तहत 20 साल की कठोर कैद और 10 हजार रुपए जुर्माने की सजा सुनाई थी। इसके खिलाफ आरोपियों ने अपील पेश की थी। रिकॉर्ड में मौजूद सबूत, खासकर पीड़िता की लगातार और भरोसेमंद गवाही, जिसकी मेडिकल सबूत और फोरेंसिक साइंस लैबोरेटरी ने रिपोर्ट की पुष्टि की। कोर्ट ने माना कि आरोपियों ने युवती का अपहरण कर दुष्कर्म किया।

सेंट्रलाइज्ड एसी, डबल बेसमेंट में पार्किंग की मिलेगी सुविधा, 200 सीटर आडिटोरियम भी बनेगा

पंडरी में 6 मंजिला पीएम एकता मॉल का चल रहा निर्माण 25 फीसदी काम पूरा, 150 करोड़ का प्रोजेक्ट

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

पंडरी हाट बाजार में गुजरात तर्ज पर छह मंजिला पीएम एकता मॉल बन रहा है, जिसमें ग्राउंड फ्लोर निर्माण के बाद माइनस वन निर्माण का काम तेजी से चल रहा है। अनुबंधित एजेंसी ने निर्माण कार्य का 25 फीसदी काम पूरा कर लिया है। सेंट्रलाइज्ड एसी के साथ इस मॉल में डबल बेसमेंट पार्किंग की सुविधा लोगों को मिलेगी। रायपुर विकास प्राधिकरण ने पीएम एकता मॉल निर्माण के लिए रायपुर की एजेंसी को वर्कआर्डर दिया है। एकता मॉल में देशभर के 28 राज्यों के हस्तशिल्प उत्पाद एक ही छत के नीचे उपलब्ध होंगे। इसके साथ ही पीएम एकता मॉल में 200 सीटर क्षमता वाला आडिटोरियम भी बनेगा। यह आडिटोरियम कार्यक्रम, सम्मेलन के लिए उपलब्ध कराया जाएगा।

दरअसल, केंद्र सरकार की योजना के तहत राजधानी के देवेंद्र नगर पंडरी स्थित हाट बाजार वाली जमीन पर सर्वसुविधा युक्त पीएम एकता मॉल का निर्माण कराया जा रहा है। 150 करोड़ की लागत वाले इस प्रोजेक्ट के सुपरविजन का जिम्मा रायपुर विकास प्राधिकरण को दिया गया है। प्राधिकरण को इसके एवज में 15 फीसदी राशि सुपरविजन शुल्क के रूप में मिलेगी। मॉल में अलग-अलग राज्यों के उत्कृष्ट हस्तशिल्प कलाकृति के स्टॉल रहेंगे। मॉल का सुपर बिल्टअप एरिया 4,73,392 वर्गफीट रखा गया है। पूरा परिसर हाईटेक सीसीटीवी कैमरे से लैस रहेगा।

एक जिला एक उत्पाद की तर्ज पर स्टॉल

प्रोजेक्ट से जुड़े अधिकारियों के मुताबिक एकता मॉल में एक जिला एक उत्पाद की तर्ज पर छत्तीसगढ़ के प्रत्येक जिले के चुनिंदा उत्पाद उपलब्ध रहेंगे। साथ ही देश के प्रमुख राज्य जम्मू कश्मीर, पंजाब, उत्तरप्रदेश, राजस्थान, मध्यप्रदेश, बिहार, झारखंड, ओडिसा, महाराष्ट्र, तेलंगाना, तमिलनाडु, बंगाल सहित 28 राज्यों के बेस्ट प्रोडक्ट उपलब्ध रहेंगे। योजना का मकसद स्थानीय शिल्प को संरक्षित कर पारंपरिक कला को बढ़ावा देना है।

मई के पहले सप्ताह से मिलेंगे टिकट, 2000 से होगी शुरू, 8 को पहुंचेगी आसीबी टीम,14 को लौटेगी

रायपुर। राजधानी में 10 और 13 मई को होने वाले आईपीएल मैचों को लेकर क्रिकेट प्रेमियों में भारी उत्साह है। फैंस को अब बेसब्री से टिकटों का इंतजार है। जानकारी के अनुसार टिकटों की बिक्री मई के पहले सप्ताह से शुरू हो सकती है। अभी तक आरसीबी ने 8 दिन पहले अपने होमग्राउंड के टिकट बेचे हैं, इसलिए रायपुर का टिकट 1 मई के बाद ही मिलेगा। वहीं, इन शानदार मुकाबलों के लिए रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम 8 मई को रायपुर पहुंच सकती है। टीम यहां 6 दिनों तक डेरा डालेगी। मैदान पर अभ्यास भी करेगी। मुंबई इंडियंस की टीम के भी 8 मई के बाद राजधानी पहुंचने की संभावना है। मैच के लिए स्टेडियम तैयार हो रहा है। यहां कुछ बदलाव भी किए गए हैं।

इस बार मैचों के लिए टिकटों की दरें लगभग तय कर ली गई हैं। आम दर्शकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए शुरुआती टिकट की कीमत 2000 रुपए रखी गई है, ताकि ज्यादा से ज्यादा लोग स्टेडियम में बैठकर मैच का लुत्फ उठा सकें। इसके अलावा अलग-अलग स्टैंड्स के लिए 2500, 3500, 5000 और 8000 रुपए तक की श्रेणियां हो सकती हैं। दर्शकों को टिकट आरसीबी की आधिकारिक वेबसाइट से ऑनलाइन खरीदना होगा। टिकट बुकिंग को लेकर 28 अप्रैल से 1 मई के बीच आधिकारिक अपडेट आने की पूरी संभावना है।

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

टंकिया खाली, योजना अधूरी, ठेकेदार गायब, कैसे बुझे गांव वालों की प्यास !

छत्तीसगढ़ में अब भी हजारों गांवों तक जल जीवन मिशन के तहत गामीण घरों में नल से जल नहीं पहुंचा है। अधिकारिक आंकड़े ही कहते हैं कि सिर्फ पांच फीसदी तक नल कनेक्शन वाले गांवों की संख्या 8 सौ से ज्यादा है। जबकि डेढ़ हजार गांवों में आधा काम हुआ है। मैदानी इलाकों मे अच्छा काम होने का दावा किया जाता है। योजना गांवों तक पहुंची तो है, लेकिन कसर रह गई है।

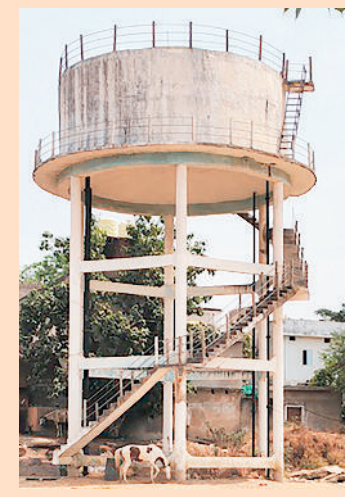

निर्माण एजेंसी ने छोड़ा काम, तीन साल बाद भी नहीं मिला घर-घर पानी

अनिल सुथार ⏭ कुसुमकसा (बालोद)

हरिभूमि लगातार

केंद्र सरकार की महत्वपूर्ण योजना जल जीवन मिशन यानी हर घर जल की योजना का आदिवासी विकासखंड डोंडी में बुरा हाल है। यहां के शिकारीटोला व करियाटोला में तीन साल पहले प्रशासकीय स्वीकृति मिली थी, तबसे नल से जल का इंतजार है। अब तक पानी टंकी ही बनकर तैयार नहीं हुई है। ग्राम पंचायत धुरवाटोला के ये दोनों आश्रित गांव राष्ट्रीय ⏭शेष पेज 6 पर

गिधौरी में शोपीस बनी पानी टंकी, दो वर्ष बाद भी घरों में पानी सप्लाई नहीं

मदन खांडेकर ⏭ गिधौरी

बलौदाबाजार-भाटापारा जिले के करीब हजार गांवों में से 5 सौ गांवों को अब भी जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल योजना के प्रभावी क्रियान्वयन का इंतजार है। गांव-गांव में योजना अधूरी पड़ी है। वैसे भी इस योजना में जिले का प्रदर्शन निचले क्रम में है। जिले के जनपद पंचायत कसडोल के गिधौरी ग्राम पंचायत में 2 साल से पानी टंकी शो पीस बनी हुई है। घर-घर कनेक्शन देने के लिए किए गए गड्ढे भी वैसे ही पड़े हैं। यह अकेले गिधौरी की बात नहीं है, कसडोल जनपद पंचायत के ज्यादातर गांवों की यही स्थिति है। ⏭शेष पेज 6 पर

inh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

बेंगलुरु में बनाई जाएगी स्वदेशी बुलेट ट्रेन

बेंगलुरू। स्वदेशी बुलेट ट्रेन बी-28 का उत्पादन बंगलुरु में किया जाएगा। इन ट्रेनों का निर्माण सवारी डिब्बा कारखाना, चेन्नई और भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड मिलकर करेंगे। इन ट्रेनों के निर्माण के लिए 'आदित्य' विशेष परिसर तैयार किया गया है। बीइएमएल के तिप्पासांद्रा कैंपस के दौरे के दौरान केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने उच्च गति रेल के निर्माण के लिए समर्पित इस विशेष परिसर का उद्घाटन किया।

आलाकमान के हर फैसले का पालन करेंगे : शिवकुमार

बेंगलुरु। कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने रविवार को कहा कि वह और मुख्यमंत्री

सिद्धरमैया राज्य में नेतृत्व के मुद्दे पर कांग्रेस आलाकमान के हर फैसले का पालन करेंगे। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष शिवकुमार ने दिल्ली से लौटने के बाद पत्रकारों से बातचीत में कहा कि उन्हें पार्टी नेतृत्व पर पूरा भरोसा है और वह उचित समय पर उचित निर्णय लेगा।

यौन शोषण : मल्टीनेशल कंपनी का सिद्दीकी गिरफ्तार

मुंबई। महाराष्ट्र के नासिक में कथित धर्मांतरण और यौन शोषण, फिर अमरावती में सेक्स स्कैंडल के खुलासे के बाद मुंबई से नया मामला सामने आया है। आरोप है कि एक अशरफ नाम का युवक कथित तौर पर कंपनी में साथ काम करने वाली हिंदू लड़कियों को टारगेट करता था। आरोपों के बाद मुंबई पुलिस ने युवक को गिरफ्तार कर लिया है। एक लड़की ने आरोप लगाया कि आरोपी उसके साथ अश्लील बात करता था।

डिजिटल अरेस्ट, 2.07 करोड़ रुपये गंवाए

मंगलुरु (कर्नाटक)। साइबर ठगों ने मंगलुरु के 61 वर्षीय एक व्यक्ति को डिजिटल गिरफ्त में लेकर

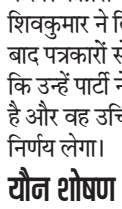

कथित तौर पर उसके साथ 2.07 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि इन अपराधियों ने खुद को सीबीआई अधिकारियों के तौर पर पेश किया।

बुलंदशहर : तीन युवकों की गोली मारकर हत्या

बुलंदशहर (उप्र)। बुलंदशहर जिले के खुर्जा नगर थाना क्षेत्र में कहासुनी के दौरान तीन युवकों की कथित तौर पर गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। उसने बताया कि इस मामले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) अंतरिक्ष जैन ने बताया कि शनिवार देर रात खुर्जा नगर क्षेत्र के सुभाष रोड पर एक स्कूल के पास आपसी कहासुनी में तीन लोगों को गोली मार दी गई।

अपने बागी सांसदों को लेकर केजरीवाल ने दिखाया सख्त रुख

चड्ढा सहित 7 सांसदों का होगा टर्मिनेशन! आप ने उपराष्ट्रपति को भेजी याचिका

- पार्टी छोड़ना दलबदल विरोधी कानून का बताया स्पष्ट उल्लंघन
- संविधान की दसवीं अनुसूची का दिया हवाला

राघव चड्ढा सहित आम आदमी पार्टी के 7 सांसदों ने भाजपा जॉइन कर ली है। आप ने इस बड़े सियासी भूचाल के बाद उन 7 सांसदों के खिलाफ एक्शन लेने का मन बना लिया है। अरविंद केजरीवाल की पार्टी ने राज्यसभा के सभापति और उपराष्ट्रपति को याचिका भेजकर सांसदों की सदस्यता खत्म करने की मांग की है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

आप सांसद संजय सिंह ने रविवार को उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन को याचिका सौंपकर भाजपा में शामिल हुए 7 सांसदों को अयोग्य घोषित करने की मांग की है। सिंह ने कहा कि इन सदस्यों का पार्टी छोड़ना दलबदल विरोधी कानून का स्पष्ट उल्लंघन है। बता दें, आप के 10 राज्यसभा सांसदों में से राघव चड्ढा, अशोक मित्तल और संदीप पाठक, हरभजन सिंह, विक्रमजीत सिंह साहनी, स्वाति मालीवाल, राजेंदर गुप्ता ने शुक्रवार को भाजपा जॉइन कर ली थी।

कानूनी लड़ाई लड़ने का किया ऐलान

संजय सिंह कहा राज्यसभा के सभापति और भारत के उपराष्ट्रपति को एक याचिका भेजी गई है। इसमें

हमने अनुरोध किया है कि संविधान की दसवीं अनुसूची के अनुसार इन सात सदस्यों की सदस्यता पूरी तरह से समाप्त कर दी जाए। मैंने उपराष्ट्रपति और सभापति से यह भी अनुरोध किया है कि वे इस मामले की सुनवाई जल्द से जल्द करें और इस पर एक निष्पक्ष फैसला दें। इस मामले पर सुप्रीम कोर्ट के कई फैसले मौजूद हैं। हम यह कानूनी लड़ाई लड़ेंगे।

चड्ढा ने मुझे भी 'फुसलाया' था : सीचेवाल

आप पार्टी न छोड़ने वाले सांसद संत सीचेवाल ने कहा कि राघव चड्ढा ने आजाद ग्रुप बनाने की बात कहकर मुझे 16, 17 और 18 अप्रैल को चाय पर बुलाया था लेकिन मैं वहां नहीं गया। मैंने उन्हें किसी तरह का आजाद ग्रुप बनाने या उसमें शामिल होने से मना कर दिया। इसी बीच आप छोड़ने वाले दूसरे राज्यसभा सांसद विक्रमजीत साहनी ने दावा किया कि आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल ने उनसे इस्तीफा मांगा था। मेरा मन भी बन गया था लेकिन फिर सलाहकारों ने रोक दिया। साहनी ने कहा कि पंजाब इस वक्त आईसीयू में है।

अन्ना हजारे बोले- सख्त कानून बने

आप की मौजूदा बगावत पर समाजसेवी अन्ना हजारे ने मांग की कि दल-बदल के खिलाफ सख्त से सख्त कानून बनाया जाए, जिससे जनता के साथ धोखा न हो। हजारे ने कहा, 'लोग अपने हितों को ध्यान में रखते हुए एक पार्टी से दूसरी पार्टी में चले जाते हैं, और जहां भी उन्हें अपने लिए लाभ दिखता है, वहां चले जाते हैं।'

आप ने छीनी सिक्योरिटी तो केंद्र ने लगाई सीआरपीएफ

पंजाब की आप सरकार ने पूर्व क्रिकेटर व पार्टी छोड़ने वाले राज्यसभा सांसद हरभजन सिंह भज्जी की वाय कैटेगरी सिक्योरिटी हटा ली है। उनके जालंधर स्थित घर पर तैनात पंजाब पुलिस के जवानों को तुरंत वापस बुला लिया गया है। इसके तुरंत बाद ही केंद्र सरकार ने भज्जी को सीआरपीएफ की सिक्योरिटी दे दी।

डीएमएफ घोटाले में आरोपी आईएएस टुटेजा का जमानत आवेदन रद्द

हरिभूमि न्यूज ⏭ बिलासपुर

जस्टिस नरेन्द्र कुमार व्यास ने कोरबा जिले के डिस्ट्रिक्ट मिनरल फंड से जुड़े फंड के इस्तेमाल में भ्रष्टाचार के संबंध में मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जेल में बंद पूर्व आईएएस अनिल टुटेजा की तुरंत जमानत दिए जाने पेश याचिका खारिज कर दी है। कोर्ट ने कहा है कि जुर्म की गंभीरता, आवेदक की भूमिका और गवाहों को प्रभावित करने में आवेदक की स्थिति पर जमानत देना उचित नहीं है। कोर्ट ने कहा है कि आर्थिक अपराध जानबूझकर और सोच-समझकर किया जाता है, जिसमें निजी फ़ायदे को ध्यान में रखा जाता है, चाहे समुदाय पर इसका कोई भी नतीजा हो, जिससे समुदाय का भरोसा और आस्था खत्म हो जाती है और राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था और राष्ट्रीय हित को नुकसान होता है।

कालाबाजारी पर सख्त एक्शन

ईओडब्ल्यू एवं एसीबी ने कोरबा जिले में डीएमएफ फंड घोटाला मामले में तत्कालीन इंडस्ट्रियल डिपोर्टमेंट के एडिशनल सिक्रेटरी अनिल टुटेजा को 23 फरवरी 2026 को गिरफ्तार कर न्यायालय के आदेश पर जेल दाखिल किया है। जेल में बंद अधिकारी ने हाईकोर्ट में स्थाई जमानत दिए जाने आवेदन दिया था। आवेदन में सह आरोपियों को सुप्रीम कोर्ट से जमानत दिए जाने, मामले की सुनवाई में विलंब के आधार पर जमानत दिए जाने की मांग की गई थी। आवेदन पर जस्टिस नरेन्द्र कुमार व्यास की कोर्ट में सुनवाई हुई। हाईकोर्ट ने सभी पक्षों को सुनने के बाद आरोपी अधिकारी के आवेदन को खारिज किया है।

अमेरिका-ईरान वार्ता

ईरानी विदेश मंत्री अरागची फिर पहुंचे इस्लामाबाद

एजेंसी ⏭ तेहरान

पाकिस्तान के राजनीतिक और सैन्य नेतृत्व द्वारा तेहरान और वाशिंगटन के बीच युद्धविराम वार्ता को फिर से शुरू करने के प्रयासों के बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची रविवार को फिर से इस्लामाबाद पहुंचे। ईरान के सरकारी मीडिया के मुताबिक, अरागची शनिवार देर रात पाकिस्तान की राजधानी से रवाना हो गए थे। इससे दूसरे दौर की संभावित वार्ता को लेकर भ्रम की स्थिति पैदा हो गई थी। हालांकि, वह मॉस्को जाने से पहले इस्लामाबाद लौट आए। अरागची ओमान गए थे। ओमान होर्मुज जलमार्ग के दूसरी ओर स्थित है। पाकिस्तानी अधिकारियों ने यह नहीं बताया कि अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल इस महीने की शुरुआत में हुई आमने-सामने की वार्ता को आगे बढ़ाने के लिए क्षेत्र में कब लौट सकता है।

होर्मुज नाकाबंदी और गहरी

होर्मुज जलमार्ग के बंद रहने के कारण युद्ध को खत्म करने का दबाव तेज हो गया है। ईरान के शक्तिशाली रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने कहा कि उनका नाकाबंदी हटाने का कोई इरादा नहीं है। इसकी वजह से काफी उथल-पुथल मची हुई है। गार्ड्स ने अपने आधिकारिक टेलीग्राम चैनल पर कहा, 'होर्मुज जलमार्ग को नियंत्रित करना और क्षेत्र में अमेरिका व व्हाइट हाउस के समर्थकों पर इसके प्रभावों की छाया बनाए रखना इस्लामी ईरान की निर्णायक रणनीति है।'

कोलंबिया में आतंकी हमला

बस में विस्फोट 13 लोगों की हुई मौत, 38 घायल

एजेंसी ⏭ बोगोटा (कोलंबिया)

दक्षिण-पश्चिमी कोलंबिया में शनिवार को एक बस में सफर कर रहे लोगों को निशाना बनाकर किए गए विस्फोट में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि कम से कम 38 लोग घायल हो गए। देश के सेना प्रमुख ने इसे 'आतंकी हमला' बताया है। इस क्षेत्र में मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़ी हिंसा लगातार बढ़ रही है। काउका क्षेत्र के गवर्नर ऑक्टावियो गुजमान ने ⏭शेष पेज 6 पर

दो दिन में 26 हिंसक घटनाएं

कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो ने हमले की निंदा करते हुए कहा कि कई आदिवासी लोगों समेत निर्दोष नागरिकों को मारने वाले लोग आतंकवादी, फासीवादी और मादक पदार्थ के तस्कर हैं।

कांग्रेस कार्यकर्ता की हत्या, ममता पर भड़के राहुल

कोलकाता। कांग्रेस की पश्चिम बंगाल इकाई के प्रमुख शुभंकर सरकार ने आसनसोल में पार्टी के एक कार्यकर्ता की हत्या को रविवार को 'राजनीतिक हत्या' करार दिया। आसनसोल में 23 अप्रैल को मतदान हुआ था। दिल्ली में, कांग्रेस ने इस हत्या को चुनाव के बाद की हिंसा

करार देते हुए कहा कि पीड़ित देबदीप चटर्जी आसनसोल उत्तर विधानसभा सीट से पार्टी के उम्मीदवार प्रसेनजीत पुइतांडी के करीबी सहयोगी थे। पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी ने कहा, ममता सरकार के राज में टीएमसी के गुंडों ने पूरे बंगाल पर आतंक फैला रखा है।

कांग्रेस कर रही मामले का राजनीतिकरण : टीएमसी

हालांकि, पार्षद दास ने इस आरोप से इनकार करते हुए कहा कि हमले में शामिल कोई भी व्यक्ति तृणमूल से जुड़ा हुआ नहीं था। पार्षद ने कहा, 'मैं अभी उस इलाके में नहीं हूं। लौटने पर मैं मृतक के परिवार से मिलूंगा। कांग्रेस इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना का राजनीतिकरण कर रही है।

RAMKRISHNA CARE HOSPITALS

किसी भी मेडिकल इमरजेंसी एवं ट्रॉमा में हमेशा आपके साथ

- विशेषज्ञ टीम 24x7 उपलब्ध
- 2 मिनट में आकलन

- अत्याधुनिक मशीनों द्वारा चेकअप एवं इलाज
- अत्याधुनिक मेडिकल एवं सर्जिकल ICU
- 125 बिस्तरों वाली आधुनिक सुविधायुक्त ICU (ECMO, CRRT)
- 24x7 विशेष प्रशिक्षित क्रिटिकल केयर ICU डॉक्टर एवं नर्सिंग स्टाफ
- 24x7 ट्रॉमा एवं स्ट्रोक टीम
- 24x7 कार्डियक केयर

24x7 आपातकालीन हेल्पलाइन
0771 6165656

श्रेष्ठ एवं विश्वसनीय
रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल
पचपेड़ी नाका, धमतरी रोड, रायपुर

MAHESHWARI

पीएम मोदी ने कहा, यह सिर्फ सरकारी काम नहीं

जनगणना में अपनी सुविधा के अनुसार भरिए जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों से जनगणना 2027 को मिलकर सफल बनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि देश की जनगणना सिर्फ सरकारी काम नहीं है। यह हम सब की जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को 'मन की बात' कार्यक्रम में कहा, 'इस बार जनगणना में आपकी भागीदारी भी आसान बनाई गई है। आप खुद भी अपनी जानकारी दर्ज कर सकते हैं। कर्मचारी के आने से 15 दिन पहले आपके लिए सुविधा शुरू होगी। आप अपने समय के अनुसार जानकारी भर सकते हैं।'

- मन की बात में बोले, जनगणना में भागीदारी हुई आसान
- 1 करोड़ 20 लाख परिवारों का मकान सूचीकरण का कार्य पूरा

इस बार का अनुभव रहेगा अलग

मोदी ने कहा, ये जनगणना का अभियान है। जो साथी पहले से इस तरह की प्रक्रिया से गुजरे हैं, इस बार जनगणना का उनका अनुभव अलग होने वाला है। जनगणना 2027 को डिजिटल बनाया गया है। सारी जानकारी सीधे डिजिटल माध्यम में दर्ज हो रही है। घर-घर जाने वाले कर्मचारियों के पास मोबाइल ऐप है। वे आपसे बात करके उसी में जानकारी दर्ज करेंगे। 'जब आप प्रक्रिया पूरी करते हैं, तो आपको एक विशेष आईडी मिलती है। ये आईडी आपके मोबाइल या ईमेल पर आती है।

1 करोड़ घरों की हुई लिस्टिंग

पीएम मोदी ने जानकारी दी कि जिन राज्यों में स्व-गणना का काम पूरा हो गया है, वहां गणना कर्मचारी की ओर से घरों के सूचीकरण का कार्य भी शुरू कर दिया गया है। अब तक लगभग 1 करोड़ 20 लाख परिवारों का मकान सूचीकरण का कार्य पूरा भी हो चुका है। उन्होंने कहा, 'देश की जनगणना सिर्फ सरकारी काम नहीं है। यह हम सब की जिम्मेदारी है।' उन्होंने अपील करते हुए कहा, 'आपकी दी गई जानकारी पूरी तरह सुरक्षित रहती है। यह गोपनीय रखी जाती है। डिजिटल सुरक्षा के साथ इसे सुरक्षित किया जाता है। आइए, हम सब मिलकर इस प्रक्रिया में भाग लें।'

चिंतन

दुनिया को भारी पड़ रही दबाव की राजनीति

अमेरिका-ईरान वार्ता में अब दोनों देश दबाव की राजनीति पर उतर आए हैं। अमेरिका जहां होर्मुज जलडमरूमध्य की नाकाबंदी कर दबाव बनाना चाहता है, वहीं ईरान होर्मुज को रोककर दुनिया पर दबाव बना रहा है। इससे तेल और गैस के दाम बढ़ रहे हैं। यही बढ़ोतरी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को दबाव में लाती है। यह बात ईरान भी समझ गया है कि इससे खाड़ी में अमेरिका के सहयोगी देशों पर भी दबाव पड़ता है, जिसका असर ट्रंप पर भी दिखाई देता है। दोनों देश यह खेल अपनी-अपनी मांगों को पूरा करवाने के लिए खेल रहे हैं। इसलिए यहां कूटनीति के बजाय दबाव की राजनीति हावी होती दिख रही है। संवाद की जगह रणनीतिक दबाव ने ले ली है। नतीजा यह है कि तनाव केवल दो देशों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरी दुनिया इसकी कीमत चुका रही है। ईरान अमेरिका की शर्तों को पहले ही नकार चुका है। उसने शनिवार को पाकिस्तान में उसके प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ को अपनी नई मांगों का लंबा- चौड़ा पर्चा थमा दिया। इसके बाद अमेरिकी प्रतिनिधिमंडल का पाक दौरा रद्द हो गया और वार्ता का यह दौर शुरू होने से पहले ही खत्म हो गया। ईरान यह बात पूरी तरह से समझ गया है कि ट्रंप अब खाड़ी युद्ध से निकलने का बहाना ढूंढ रहे हैं। इसमें ईरान से ऐसा आश्वासन चाहते हैं कि वह कह सकें कि वे जीत गए हैं। ईरान भी कुछ इस तरह का ही आश्वासन चाहता कि वह भी कह सके कि हम भी जीत गए हैं। अमेरिका की रणनीति भी कम आक्रामक नहीं है। वह दबाव बनाकर 'अनुकूल समझौता' चाहता है, ऐसा समझौता जिसे घरेलू राजनीति में जीत के तौर पर पेश किया जा सके, लेकिन यही वह बिंदु है, जहां कूटनीति कमजोर पड़ जाती है। जब वार्ता का उद्देश्य समाधान के बजाय 'जीत का नैरेटिव' बन जाता है तो समझौते की संभावनाएं स्वतः सीमित हो जाती हैं। असल समस्या यह है कि दोनों पक्ष "झुकने" को कमजोरी मान रहे हैं, जबकि कूटनीति में यही झुकाव समाधान का रास्ता खोलता है। इतिहास गवाह है कि बड़े से बड़े संकट भी तब सुलझे हैं, जब पक्षों ने अपने अहंकार को पीछे छोड़कर व्यावहारिकता को अपनाया है। मौजूदा हालात में न तो अमेरिका पीछे हटने को तैयार दिखता है और न ही ईरान। यह गतिरोध केवल क्षेत्रीय संकट नहीं है। इसका प्रभाव वैश्विक स्तर पर महसूस किया जा रहा है। अगर यह टकराव और बढ़ता है तो इसके परिणाम और गंभीर हो सकते हैं। एक क्षेत्रीय विवाद वैश्विक संकट में तब्दील हो सकता है, जिसकी कीमत पूरी दुनिया को चुकानी पड़ेगी। सबसे चिंताजनक पहलू यह है कि संवाद के रास्ते बंद होते जा रहे हैं। जब वार्ता शुरू होने से पहले ही रद्द हो जाए, तो यह संकेत है कि विश्वास का संकट गहरा चुका है। ऐसे माहौल में छोटी-सी चिंगारी भी बड़े टकराव का रूप ले सकती है। ऐसे में यह गतिरोध कब टूटेगा, यह कहना बेहद मुश्किल है, लेकिन यह स्पष्ट है कि अमेरिका समेत दुनिया के लोग इस अहम के टकराव का नतीजा भुगत रहे हैं। दबाव की राजनीति अल्पकालिक जीत तो दिला सकती है, लेकिन स्थायी शांति नहीं। अमेरिका और ईरान दोनों को यह समझना होगा कि शक्ति प्रदर्शन से ज्यादा प्रभावी है संतुलित और सम्मानजनक संवाद। दुनिया आज जिस अस्थिरता से गुजर रही है, उसमें टकराव नहीं, बल्कि समाधान की जरूरत है। अगर समय रहते यह समझ नहीं आई, तो यह 'दबाव का खेल' पूरी दुनिया पर भारी पड़ता रहेगा।

विश्लेषण

राज कुमार सिंह

ज्यादा मतदान होने के किंतु-परंतु

बेशक पश्चिम बंगाल में मतदान का दूसरा चरण शेष है, जिसमें 142 विधानसभा सीटों पर वोट डाले जाएंगे, लेकिन उसमें भी उच्च मतदान प्रतिशत को लेकर संशय का कोई कारण नजर नहीं आता। हाई वोल्टेज चुनाव प्रचार और अभूतपूर्व सुरक्षा प्रबंधों वाले पश्चिम बंगाल में पहले चरण में 16 जिलों की 152 सीटों के लिए 92 प्रतिशत से भी ज्यादा मतदान हुआ है, जो चुनाव आयोग के मुताबिक राष्ट्रीय रिकॉर्ड है। दशकों बाद बंगाल में व्यापक हिंसा के बिना मतदान एक सुखद आश्चर्य भी है। वैसे जिन चार राज्यों- असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और एक केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में चुनाव प्रक्रिया जारी है, उन सभी में मतदान का उच्च प्रतिशत सामने आया है।

अक्सर कम मतदान प्रतिशत पर चिंता जतायी जाती है, लेकिन इस बार असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में उच्च मतदान प्रतिशत ने राजनीतिक दलों- उम्मीदवारों की धुकधुकी और चुनावी पंडितों का काम बढ़ा दिया है। बेशक पश्चिम बंगाल में मतदान का दूसरा चरण शेष है, जिसमें 142 विधानसभा सीटों पर वोट डाले जाएंगे, लेकिन उसमें भी उच्च मतदान प्रतिशत को लेकर संशय का कोई कारण नजर नहीं आता। हाई वोल्टेज चुनाव प्रचार और अभूतपूर्व सुरक्षा प्रबंधों वाले पश्चिम बंगाल में पहले चरण में 16 जिलों की 152 सीटों के लिए 92 प्रतिशत से भी ज्यादा मतदान हुआ है, जो चुनाव आयोग के मुताबिक राष्ट्रीय रिकॉर्ड है। दशकों बाद बंगाल में व्यापक हिंसा के बिना मतदान एक सुखद आश्चर्य भी है। वैसे जिन चार राज्यों- असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और एक केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी में चुनाव प्रक्रिया जारी है, उन सभी में मतदान का उच्च प्रतिशत सामने आया है।

मसलन, 23 अप्रैल को ही तमिलनाडु में सभी 234 सीटों के लिए हुए मतदान का प्रतिशत 85 से भी ज्यादा रहा। नौ अप्रैल को असम में हुए मतदान का प्रतिशत 85 से भी ज्यादा रहा तो पुडुचेरी में 89 प्रतिशत से भी ज्यादा ऐतिहासिक मतदान हुआ। केरल ने भी 78 प्रतिशत से ज्यादा मतदान से 39 साल का रिकॉर्ड तोड़ दिया। निश्चय ही उच्च मतदान प्रतिशत लोकतंत्र के लिए सकारात्मक है, लेकिन राजनीतिक दलों के लिए इसके परिणाम विरोधाभासी रहे हैं। चुनावी राजनीति में अंतिम क्षणों तक हार नहीं मानी जाती। सो, सत्ता के सभी दावेदार उच्च मतदान प्रतिशत की मन मुताबिक व्याख्या करते हुए उसे अपने अनुकूल बता रहे हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री एवं भाजपा के मुख्य चुनावी रणनीतिकार अमित शाह ने तो परिवर्तन की लहर बताते हुए 152 में से ही 110 सीटें जीतने की भविष्यवाणी भी कर दी है। दरअसल मतदान प्रतिशत की परंपरागत सरल व्याख्या यही की जाती रही है कि कम मतदान का अर्थ है कि मतदाता उदासीन हैं। यह भी कि वे वर्तमान सरकार के कामकाज से संतुष्ट हैं या उन्हें किसी से बेहतरी की उम्मीद नहीं, इसलिए किसी बदलाव की व्याकुलता उनमें नहीं है। इसी सोच से ज्यादा मतदान प्रतिशत का अर्थ यह निकाल लिया जाता है कि सत्ता विरोधी भावना तीव्र है और वर्तमान सरकार से असंतुष्ट मतदाता बदलाव के लिए व्याकुल हैं। बेशक मतदान प्रतिशत की यह व्याख्या मानवीय स्वभाव का सहज-सरल विश्लेषण करती है, लेकिन तमाम चुनावों में मतदान प्रतिशत में कमी या वृद्धि के बाद आये परिणाम इसकी पूर्णतः पुष्टि नहीं करते। आम तौर पर मान लिया जाता है कि मतदान में तीन से चार प्रतिशत की वृद्धि से सरकार बदल जाती है, लेकिन फिलहाल देश-दुनिया की निगाहों का केंद्र बने पश्चिम बंगाल में भी कम-ज्यादा मतदान के मिश्रित परिणाम सामने आते रहे हैं। मसलन, आपातकाल के विरुद्ध राष्ट्रव्यापी आक्रोश के बावजूद 1977 में पश्चिम बंगाल में मतदान का प्रतिशत 52 ही रहा, पर कांग्रेस सत्ता से विदा हो गई।

वाम मोर्चा ने लगभग साढ़े तीन दशक तक बंगाल पर निष्कंटक राज किया, पर 2011 के विधानसभा चुनाव में जब ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस ने उससे सत्ता

छीनी, तब मतदान का प्रतिशत 84 के पार चला गया। ममता के दो मुख्यमंत्रित्व काल के बाद जब 2021 के चुनाव में मतदान प्रतिशत 82 रहा तो चुनावी पंडितों ने उसे सत्ता विरोधी भावना का संकेत माना, लेकिन 200 सीटें जीतने का दावा करने वाली भाजपा 77 पर ही अटक गई। नीतीश कुमार के जद यू ने भाजपा का साथ छोड़ कर 2015 का बिहार विधानसभा चुनाव लालू यादव के राजद और कांग्रेस के साथ महागठबंधन में लड़ा था, लेकिन मात्र 57 प्रतिशत मतदान के बावजूद जबर्दस्त जीत हासिल की।

एसआईआर विवाद के बीच हुए 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में मतदान का प्रतिशत 67 तक पहुंच गया, लेकिन पाला बदल कर फिर राजग में आ चुके नीतीश की सत्ता बरकरार रही। हां, पिछली बार सबसे बड़ा दल बना राजद आश्चर्यजनक रूप से 25 सीटों पर सिमट गया। पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश में 2017 के विधानसभा चुनाव में 61 प्रतिशत रिकॉर्ड मतदान हुआ तो सपा को सत्ता से बेदखल कर अरसे बाद प्रचंड बहुमत से भाजपा ने सत्ता में वापसी की। इसी तरह 2018 के विधानसभा चुनाव में जब त्रिपुरा में मतदान का प्रतिशत 89 पार पहुंचा तो वाम सत्ता को उखाड़ कर भाजपा सत्तासीन हो गई। कम-ज्यादा मतदान प्रतिशत के चुनावी परिणामों के मामले में अन्य राज्यों के अनुभव भी मिले-जुले रहे हैं। इसलिए मतदान प्रतिशत के आधार पर कोई एक धारण बना लेना तर्कसम्मत नजर नहीं आता, क्योंकि उसमें कई कारक प्रभावी रहते हैं। इसीलिए चुनाव आयोग से अपेक्षा रहती है कि वह मतदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए मतदान की तारीखें तय करे और सुरक्षा के पर्याप्त प्रबंध भी करे। बेशक पश्चिम बंगाल में उच्च मतदान प्रतिशत में अभूतपूर्व सुरक्षा प्रबंधों की भी भूमिका रही होगी।

लगातार तीन कार्यकाल के बाद सत्ता विरोधी भावना को भी पूरी तरह नकारा नहीं जा सकता, लेकिन अन्य कारणों को नजरअंदाज करना भी समझदारी नहीं होगी। बिहार से शुरू एसआईआर विवाद से बड़ी संख्या में लोगों को मताधिकार ही नहीं, अपनी नागरिकता पर भी तलवार लटकी नजर आ रही है। रोजी-रोटी की तलाश में पलायन को मजबूर प्रवासी इसीलिए बड़ी संख्या में जैसे-तैसे इस बार मतदान के लिए अपनी घर वापसी की कवायद करते दिखे। नागरिकता पर संकट तो जीवन के लिए ही महासंकट है। मताधिकार से वंचित और मतदान में अनुपस्थित होने पर, तमाम राज्य सरकारों द्वारा जन कल्याण के नाम पर शुरू नकदी तथा मुफ्त योजनाओं के लाभार्थियों की सूची से भी नाम कट जाने का खतरा है। इनमें भी महिला केंद्रित योजनाएं ज्यादा हैं, जिनका परिणाम महिलाओं की मतदान में लगातार बढ़ती हिस्सेदारी के रूप में सामने आ रहा है।

जब प्रवासी महिलाएं मतदान के लिए अपने घर लौटती हैं तो परिवार के पुरुष सदस्य भी लौटेंगे ही और जब लौटेंगे तो मतदान भी करेंगे। वैसे मतदान के प्रतिशत में उछाल का एक और तार्किक कारण एसआईआर में बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम कट जाना भी हो सकता है। काटे गये नामों की संख्या और कारणों पर विवाद सर्वोच्च न्यायालय तक पहुंचे हैं। प्रभावित वर्गों में एसआईआर प्रक्रिया के विरुद्ध गोलबंदी भी उच्च मतदान प्रतिशत का कारण हो सकती है। बेशक नाम कटने से मतदाताओं की संख्या घटी है, पर अगर नाम काटे गए मतदाताओं में से बहुत सारे वास्तव में हैं ही नहीं, तो पिछली बार जितने ही मतदाताओं द्वारा मतदान करने पर भी मतदान का प्रतिशत अपने आप बढ़ जाएगा।

(लेखक राजनीतिक विश्लेषक हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

आर्थिकी

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

भारत से खाद्यान्न निर्यात होने का नया परिदृश्य

हाल ही में केंद्र सरकार ने गेहूं निर्यात को 25 लाख टन से बढ़ाकर 50 लाख टन किए जाने का निर्णय लिया है। साथ ही 10 लाख टन गेहूं उत्पादों के निर्यात की भी अनुमति दी है। इससे जहां वैश्विक खाद्य संकट के बीच गेहूं की वैश्विक आपूर्ति में मदद मिलेगी, वहीं घरेलू बाजार में स्थिरता बनाए रखने और किसानों को लाभकारी मूल्य मिलना भी सुनिश्चित हो सकेगा। इस परिप्रेक्ष्य में यह बात भी महत्वपूर्ण है कि 24 अप्रैल को केंद्र सरकार ने न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं खरीद के लिए वर्ष 2026-27 का लक्ष्य 15 प्रतिशत बढ़ाकर 3.45 करोड़ टन कर दिया है, जो अब तक का गेहूं खरीद का रिकॉर्ड स्तर है। इससे गेहूं उत्पादक किसान अत्यधिक लाभांवित होंगे। गौरतलब है कि अमेरिका और ईरान के बीच पश्चिम एशिया में संघर्ष से दुनियाभर में खाद्य संकट बढ़ गया है। चूंकि इस युद्ध के कारण उर्वरकों की भारी कमी और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को नुकसान पहुंचा है, उसे ठीक होने में महीनों लग सकते हैं, अतएव दुनिया में खाद्यान्न के दाम ऊंचे बने रहने के साथ खाद्य सुरक्षा के लिए संकट बना रहने का खतरा है। हाल ही में प्रकाशित वर्ल्ड फूड प्रोग्राम (डब्ल्यूएफपी) की रिपोर्ट के मुताबिक इस समय दुनिया में 31.9 करोड़ लोग भूख से पीड़ित है। अब पश्चिम एशिया दुनिया के लाखों अतिरिक्त लोग भूखमरी का शिकार होते हुए दिखाई दे रहे हैं। ऐसी भयावह वैश्विक भूख की चुनौती के बीच भारत खाद्यान्न सुरक्षा के मामले में अनुकूल स्थिति में है और दुनिया को भूख की चुनौती से राहत दिलाने के मद्देनजर खाद्यान्न निर्यात के लिए तत्पर है। यह कोई छोटी बात नही है कि इस समय भारत की मुठ्ठी में 31 मार्च 2026 तक 6.02 करोड़ टन गेहूं और चावल का रिकार्ड सुरक्षित भंडार (बफर स्टॉक) भारत की आर्थिक ताकत बन गया है। इस रिकॉर्ड खाद्यान्न भंडार से भारत एक साल तक की अपनी खाद्यान्न की जरूरत को सरलतापूर्वक पूरा कर सकता है। इस समय देश के 80 करोड़ से अधिक कमजोर वर्ग के लोगों को निःशुल्क खाद्यान्न वितरित किया जा रहा है। वर्ष 2025-26 के लिए मुख्य फसलों के उत्पादन के दूसरे अग्रिम अनुमान के मुताबिक इस बार खाद्यान्न उत्पादन का परिदृश्य ऐतिहासिक स्तर पर है। वर्ष 2025-26 के लिए खरीफ खाद्यान्न उत्पादन 17.41 करोड़ टन और रबी खाद्यान्न उत्पादन 17.45 करोड़ टन रहने का अनुमान है। यह पिछले वर्ष 2024-25 की तुलना में एक बड़ी छलांग है। पिछले वर्ष खरीफ उत्पादन 16.94 करोड़ टन था, जिसमें इस बार लगभग 2.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। वहीं, रबी उत्पादन पिछले वर्ष 16.91 करोड़ टन था, जिसमें इस बार 3.2 प्रतिशत की शानदार वृद्धि देखी गई है। देश की थाली के सबसे अहम हिस्से यानी चावल और गेहूं के मोर्चे पर भी भारत ने अपनी जोरदार बढ़त कायम रखी है। दालों के उत्पादन में भी पिछले वर्ष की तुलना में बढ़त इस बार उभरकर दिखाई दे रही है। स्पष्ट दिखाई दे रहा है कि ईरान-अमेरिका युद्ध विराम के पहले खाद्यान्न की बढ़ती वैश्विक कीमतों के बीच भारत में अनाज का रिकॉर्ड उत्पादन एक 'सुरक्षा कवच' की तरह रहा है। छह साल पहले कोरोना से जंग में देश के खाद्यान्न भंडार देश के लिए हथियार बन गए थे। हाल ही में दुनिया के कृषि विशेषज्ञ और ब्राजील पोटाश के सीईओ मेट सिंपसन ने कहा कि दुनिया में लगातार खाद्य संकट बढ़ता जा रहा है। उर्वरक की कमी के कारण यूरोप और उत्तरी अमेरिका में कृषि उत्पादों की बुआई पर गंभीर प्रभाव पड़ रहा है। ऐसे में कई देशों के लिए खाद्यान्न का बड़े पैमाने पर आयात जरूरी होता जा रहा है। कोरोनाकाल में भारत ने जरूरतमंद देशों को खाद्यान्न का निर्यात भी किया था। अब एक बार फिर जब दुनिया में खाद्यान्न आपूर्ति में व्यवधान है, तब भारत नए खाद्यान्न निर्यात आदेशों की पूर्ति के लिए तत्पर दिखाई दे रहा है। निःसंदेह कृषि भारतीय अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार और देश के दीर्घकालिक विकास का एक महत्वपूर्ण स्तंभ है। खासतौर से विगत कुछ वर्षों में कृषि क्षेत्र व छोटे किसानों की मजबूती के लिए कई प्रभावी कदम उठाए गए हैं। 'पीएम किसान सम्मान निधि' और न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) जैसे कई कार्यक्रमों से देश का कृषि क्षेत्र लगातार मजबूत हुआ है। इस बात पर भी ध्यान देना होगा कि अनाज बर्बाद होने से बचाने के लिए देश में 2028 तक सहकारी क्षेत्र में 700 लाख टन अनाज भंडारण की नई क्षमता विकसित करने की महत्वाकांक्षी योजना को तेजी से कारगर क्रियान्वयन की डगर पर आगे बढ़ाया जाए। उम्मीद करें कि खाद्यान्न संकट की वैश्विक चिंताओं के बीच भारत रिकॉर्ड खाद्यान्न भंडार से देश के आम आदमी की खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए दुनिया में खाद्यान्न निर्यात में अहम योगदान देने वाले प्रमुख कृषि निर्यातक देश के रूप में भी रेखांकित होते हुए दिखाई देगा।

(लेखक ख्यात अर्थशास्त्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

जीवन प्रक्रिया की छानबीन

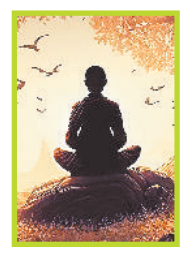

संकलित

दर्शन

योग किसी धर्म-संप्रदाय से नहीं जुड़ा है। योग प्रेम, अहिंसा, करुणा और सबको साथ लेकर चलने की बात करता है। योग धर्म, जाति, वर्ण, क्षेत्र या भाषा के आधार पर जन्मे भेदभाव से परे है, इसलिए इसमें पूरी दुनिया को एक परिवार के तौर पर बांधने की क्षमता है। योग, जीवन-प्रक्रिया की छानबीन है। यह सभी धर्मों से पहले अस्तित्व में आया और इसने मानव के सामने संभावनाओं को खोलने का काम किया, जिससे इंसान प्रकृति द्वारा तय की गई सीमाओं से परे जा सके। आंतरिक व आत्मिक विकास, मानव कल्याण व मुक्ति से जुड़ा यह विज्ञान भावी पीढ़ी के लिए एक महानतम उपहार है। आज योग विज्ञान जितना महत्वपूर्ण है, इससे पहले यह कभी इतना महत्वपूर्ण नहीं रहा। क्योंकि आज हमारे पास विज्ञान और तकनीक के तमाम साधन मौजूद हैं, जो इस दुनिया को बना और मिटा सकते हैं। ऐसे में यह बेहद महत्वपूर्ण हो जाता है कि हमारे भीतर जीवन के प्रति जागरूकता और ऐसा भाव बना रहे कि हम हर दूसरे प्राणी को अपना ही अंश महसूस कर सकें, वरना अपने सुख और भलाई के पीछे की हमारी दौड़ सब कुछ बर्बाद कर देगी। अगर दुनिया की कुछ आबादी भी योग और ध्यान के मार्ग पर चलने लगे तो निश्चित तौर पर दुनिया की गुणवत्ता और स्तर में सुधार आएगा। जीवन के प्रति अपने दृष्टिकोण में विस्तार व व्यापकता लाने में ही मानव-जाति की सभी समस्याओं का समाधान है। उसे निजता से सार्वभौमिकता या समग्रता की ओर चलना होगा।

तुलसीदास जी द्वारा ब्राह्मण को जीवन दान

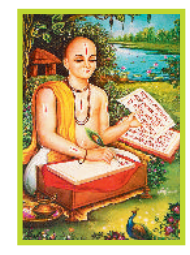

संकलित

प्रेरणा

भक्तमाल में वर्णन है कि एक ब्राह्मण था, परंतु कुछ विद्वान बताते है कि वह ब्राह्मण नहीं, एक भुलई नाम का कलवार था जो भक्ति पथ और गोस्वामी जी की निन्दा किया करता था। उसकी मृत्यु हो गई, उसकी पत्नी उसके साथ सती होने के लिए जा रही थी। गोस्वामी तुलसीदास जी अपनी कुटी के द्वार पर बैठे हुए भजन कर रहे थे। उस ब्राह्मण की स्त्री ने उन्हें दूर से ही देखा तो फिर श्री चरणों में आकर इन्हें प्रणाम किया। तुलसीदास जी ने उसे आशीर्वाद देते हुए कहा कि सौभाग्यवती होओ। उस स्त्री ने कहा कि मेरे पति का देहांत हो गया है और मैं सती होने के लिए श्मशान घाट पर जा रही हूँ। तब इस आशीर्वाद का क्या अर्थ होगा? गोस्वामीजी ने कहा कि अब तो मेरे मुख से आशीर्वाद निकल चूका है, यदि तुम और तुम्हारे परिवार के लोग भगवान श्रीराम का भजन करें तो मै तुम्हारे मृत पति को जीवित कर दूँगा। यदि काल सत्य है, तो मेरे प्रभु काल के भी काल है, यह बात भी तो सत्य है। उस स्त्री ने अपने सभी कुटुम्बियों को बुलाकर कहा कि यदि आप लोग सच्चे हृदय से श्रीराम भक्ति करने की दृढ़ प्रतिज्ञा करे तो मेरे यह मृत पति जीवित हो जायेंगे। सभी ने गोस्वामीजी की बात को स्वीकार करते हुए श्रीराम नाम का संकीर्तन प्रारंभ किया। तब गोस्वामी जी ने उसे सुंदर भक्तिमय जीवन दान दिया। श्री राम की कृपा से उस ब्राह्मण को जीवन दान मिल गया और इससे प्रभावित होकर उसके परिवार के लोग भगवद्भक्त हो गए ।

अंतर्मन

आज की पाती

मतदान प्रतिशत बढ़ने के मायने

लोकतंत्र को मजबूत करने में सबसे बड़ा योगदान होता है मतदाता का। जितना ज्यादा मतदान होगा लोकतंत्र उतना मजबूत होगा और लोकतंत्र की व्याधियां दूर होंगी, लेकिन यह तभी संभव है जब मतदाता राजनीतिक तौर पर जागरूक होकर मतदान करें। हाल ही में बंगाल-तमिलनाडु में बंपर मतदान इस बार के विधानसभा चुनाव में हुआ, और बताया जा रहा है कि वहां आजादी के बाद यह सबसे ज्यादा मतदान का आंकड़ा है। बंगाल में लगभग 92 और तमिलनाडु में लगभग 84 प्रतिशत से ऊपर का मतदान हुआ है। इस भारी मतदान से सभी राजनीतिक दल यह अंदाजा लगा रहे हैं कि यह मतदान हमारे पक्ष में हुआ है, लेकिन लोकतंत्र में हर चुनाव में ऊंट किस करवट बैठ जाए, कोई पता नहीं। परिणाम आना अभी शेष है। *-राजेश पटवा, बिलासपुर*

ट्रेंड

टीएमसी की हार तय

बनगाँव में हुई विशाल रैली से यह स्पष्ट और निर्णायक संकेत मिलता है कि टीएमसी की हार निश्चित है। पश्चिम बंगाल भर में भ्रष्टाचार, कुशासन और टूटे वादों को लेकर लोगों का गुस्सा चरम पर है।

- **नरेंद्र मोदी,** प्रधानमंत्री

रघु राय को श्रद्धांजलि

रघु राय के लेंस ने छह दशकों से अधिक समय तक भारत की आत्मा को अपने कैमरे में कैद किया। उन्होंने सिर्फ तस्वीरें नहीं खींचीं, बल्कि हमारे राष्ट्र की स्मृति को संजोकर रखा। उनके परिवार, सहयोगियों और उनकी कला से प्रभावित अनगिनत प्रशंसकों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदनाएं।

- **राहुल गांधी,** सांसद, कांग्रेस

सामूहिक जिम्मेदारी

भीषण गर्मी का सबसे भयावह असर हमारे श्रमिक भाइयों और बहनों पर पड़ रहा है। यदि आपके घर या आसपास कोई श्रमिक काम कर रहा है, तो उनके लिए पानी और ठंडक की उचित व्यवस्था करें। इनकी सुरक्षा और स्वास्थ्य हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है।

-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

हमारा वास्तविक भविष्य

हमारी फसलों का स्वास्थ्य ही हमारा वास्तविक भविष्य है। यदि फसल सुरक्षित और फलदायी होगी तो किसानों और राष्ट्र का भविष्य भी समृद्ध होगा। क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन के साथ, बेहतर भविष्य की ओर एक कदम।

- **अक्षय कुमार,** बॉलीवुड एक्टर

करंट अफेयर

संरा महासचिव के उम्मीदवारों से कई मुद्दों पर सवाल-जवाब

संयुक्त राष्ट्र का अगला महासचिव बनने की दौड़ में शामिल चार उम्मीदवारों ने इस सप्ताह दुनिया में शांति बहाल करने, बढ़ती गरीबी रोकने और वैश्विक संकटों से निपटने जैसे मुद्दों पर कड़े सवालों का सामना किया। संयुक्त राष्ट्र महासभा की अध्यक्ष एनालेना बेयरबॉक ने इसे नौकरी के लिए दुनिया के सबसे कठिन साक्षात्कारों में से एक बताया। इन उम्मीदवारों में चिली की पूर्व राष्ट्रपति मिशेल बाचेलेत, अर्जेंटीना के राफेल ग्रोसी, कोस्टा रिका की रेबेका ग्रिन्सपैन और सेनेगल के पूर्व राष्ट्रपति मैकी साल शामिल हैं। इसके अलावा, अन्य उम्मीदवार भी बाद में इस दौड़ में शामिल हो सकते हैं। संयुक्त राष्ट्र के वर्तमान महासचिव एंतोनियो गुतारेस का कार्यकाल एक जनवरी को समाप्त होगा। चारों उम्मीदवारों ने कहा कि वे संयुक्त राष्ट्र के तीन मुख्य स्तंभों शांति, विकास और मानवाधिकार को प्राथमिकता देंगे। उन्होंने ईरान, गाजा, यूक्रेन और सूडान जैसे संकटग्रस्त क्षेत्रों में संयुक्त राष्ट्र की सीमित भूमिका पर चिंता जताई और संस्था में सुधार की जरूरत बताई। मिशेल बाचेलेत (74) ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र को संकट आने से पहले उन्हें रोकने की क्षमता विकसित करनी होगी। उन्होंने संवाद, एकजुटता और सक्रिय नेतृत्व पर जोर दिया।

ऑफ बीट

'इंटरवल रनिंग' भी सेहत के लिए बेहद उपयोगी

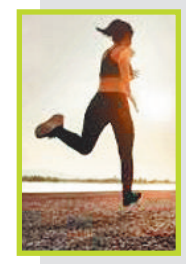

दौड़ना न केवल बीमारियों से बचाव करता है, मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है बल्कि उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को भी धीमा करता है। इंटरवल रनिंग वास्तव में हाई-इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेनिंग (एचआईआईटी) का एक हिस्सा है, जिसमें तीव्र गति से दौड़ने के छोटे सत्रों के बाद विश्राम या धीमी गति से दौड़ने का समय शामिल होता है। यह पद्धति पिछले कुछ वर्षों में टबाटा और क्रॉसफिट जैसे वर्कआउट्स के ज़रिये लोकप्रिय हुई है। कैसे काम करता है इंटरवल रनिंग : एचआईआईटी में, उदाहरण के तौर पर, 30 सेकंड तक तेज़ गति से दौड़ने के बाद 30 सेकंड का आराम किया जाता है। यह प्रक्रिया कई बार दोहराई जाती है। इसी सिद्धांत को दौड़ने में शामिल करते हुए, "10-20-30 विधि" अपनाई जा सकती है, जिसमें पहले 30 सेकंड तक चलना या हल्की दौड़, फिर 20 सेकंड तक मध्यम गति की दौड़ और फिर 10 सेकंड की तेज़ स्प्रिंटिंग यानी तेज गति से दौड़ शामिल होती है। "फार्टलेक" स्वीडिश शब्द है जिसका अर्थ 'स्पीड प्ले'' होता है। व्यायाम के लिए यह विधि भी एक आसान तरीका है जिसमें धीमी दौड़ के बीच-बीच में कुछ सेकंड की तेज़ दौड़ शामिल होती है। इंटरवल रनिंग हृदय संबंधी सेहत, मेटाबॉलिक स्वास्थ्य और शारीरिक संरचना (वसा की मात्रा और वितरण) में बेहतर सुधार लाती है।

हमारा पता

हरिभूमि कार्यालय

रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

आरामबाग की रैली में की खास अपील

पीएम मोदी बोले- दूसरे चरण में तोड़ना है पहले चरण के वोटिंग टर्नआउट का रिकॉर्ड

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को हुगली के आरामबाग में विजय संकल्प सभा को संबोधित किया और वोटर्स से अपील की कि 29 मई को पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण में पहले फेज के वोटिंग टर्नआउट का रिकॉर्ड तोड़ देना है।

बता दें कि पहले फेज में करीब 92 प्रतिशत वोटिंग हुई थी। पीएम मोदी ने अब इस रिकॉर्ड को भी तोड़ देने की अपील की है। मोदी ने ममता बनर्जी पर निशाना साधते हुए कहा कि बंगाल का ये चुनाव अब अंतिम चरण में है, लेकिन आपने एक बात नोटिस की होगी, 15 साल पहले टीएमसी मां, माटी, मानुष की बातें करके सत्ता में आई थी, लेकिन अब इनके मुंह से मां, माटी, मानुष ये शब्द तक नहीं निकलते। आखिर क्यों? इसका कारण है टीएमसी की निर्ममता ने मां को रुला दिया, माटी को सिंडिकेट और घुसपैठियों के हवाले कर दिया और बंगाल के मानुष को पलायन के लिए मजबूर कर दिया।

टीएमसी की सरकार गुंडे और मस्तान चलाते हैं

पीएम मोदी बोले कि टीएमसी की निर्मम सरकार, नबन्ना सचिवालय से नहीं चलती है। इस सरकार को या तो गुंडे और मस्तान चलाते हैं या फिर हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद सरकार हरकत में आती है। पीएम ने कहा, 'टीएमसी सरकार ने यहां अपने कुकर्मों से बंगाल की जनता का भरोसा खो दिया है, इसलिए लोग आए दिन कोर्ट-कचहरी जाने को मजबूर हैं।

टीएमसी के खिलाफ चरम पर है जनता का गुस्सा

पीएम मोदी ने कहा, 'कुछ समय पहले मैं सिंगूर आया था, उसी समय मैंने टीएमसी की निर्मम सरकार के प्रति जनता का गुस्सा साफ-साफ देखा था। आज मैं फिर देख रहा हूं, वो गुस्सा अपने चरम पर पहुंच चुका है, और इस गुस्से में बंगाल का एक ही उद्देश्य है कि टीएमसी सरकार को इस बार बदल देना है।

'भय आउट और भरोसा इन'

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज बंगाल के हर बूथ पर उमड़ता जनसैलाब कह रहा है, भय आउट और भरोसा इन। 15 साल तक टीएमसी ने पश्चिम बंगाल के लोगों को लूटा, लेकिन ये लोग एक चीज भूल गए, जब अत्याचार की हद हो जाती है, तो जनता मां दुर्गा का रूप धर कर अन्याय का विसर्जन कर देती है।

शोर सुनकर बिदके बैल, टीएमसी की रैली में मची अफरा-तफरी

एजेंसी ▶▶| पूर्व बर्दवान

पश्चिम बंगाल के पूर्व बर्दवान जिले से एक अजीबो गरीब मामला सामने आया है। यहां टीएमसी के एक प्रत्याशी की रैली में अचानक अफरा-तफरी का माहौल बन गया। दरअसल, टीएमसी प्रत्याशी श्यामा प्रसन्ना लोहार एक बैलगाड़ी पर बैठ कर अपने समर्थकों के साथ चुनावी रैली निकालने वाले थे। इस दौरान उन्होंने बैलगाड़ी के अलावा ढोल-नगाड़ों की व्यवस्था भी की थी। हालांकि यही गलती भारी पड़ गई। यहां चुनावी रैली में ढोल-नगाड़ों की गूंज से बैल बेकाबू हो गए। इसके बाद वहां समर्थकों के बीच अफरा तफरी का माहौल बन गया। घटना का वीडियो भी सामने आया है। हालांकि, इस घटना में किसी के घायल होने की खबर नहीं है, लेकिन इस घटना ने चुनाव प्रचार अभियान की पूरी रणनीति पर पानी फेर दिया। हालात को देखते हुए उम्मीदवार श्यामा प्रसन्ना लोहार को अंत में अपने समर्थकों के साथ पैदल ही चुनावी प्रचार जारी रखना पड़ा। जहां एक ओर इसे अनोखे प्रचार का असफल प्रयास माना जा रहा है तो वहीं दूसरी ओर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं।

भाजपा ने जानबूझकर सभा बिगाड़ी भाषण छोड़कर निकलीं ममता

पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण के मतदान से पहले राज्य के भवानीपुर में उस समय अजीबोगरीब स्थिति देखने को मिली, जब मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की रैली से 100 मीटर दूर ही भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी की सभा हो रही थी। ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि उनकी रैली में बाधा डालने के लिए भाजपा ने तेज आवाज कर उनकी ओर अपने लाउडस्पीकर कर दिए हैं।

इसके साथ मुख्यमंत्री अपना भाषण बीच में ही छोड़कर वहां मौजूद लोगों से माफी मांगकर चली गईं। इसके बाद आक्रोशित टीएमसी कार्यकर्ता शुभेंदु की रैली की तरफ चल पड़े और विरोध करने लगे। उन्होंने जमकर नारेबाजी भी की। दोनों दलों के कार्यकर्ताओं के बीच झड़प की स्थिति बन गई

थी। हालांकि, वहां मौजूद पुलिस कर्मियों ने भीड़ की तितर-बितर किया। गौरतलब है कि भवानीपुर सीट पर सत्तारूढ़ तृणमूल की मजबूत पकड़ मानी जाती है। खुद ममता बनर्जी 2011 से इस सीट का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं।

राहुल ने कहा देश में दो अलग-अलग सोच के बीच लड़ाई है

'मुझ पर 36 केस मगर ममता पर मेहरबानी क्यों... : राहुल

पश्चिम बंगाल चुनाव के दूसरे चरण से पहले कांग्रेस नेता राहुल गांधी सेरामपुर में एक बड़ी रैली करने पहुंचे। इस रैली में उन्होंने एक बड़ा सवाल उठाया कि मोदी सरकार ने उनके खिलाफ 36 केस किए, ईडी ने 55 घंटे पूछताछ की, लेकिन ममता बनर्जी पर एक भी केस क्यों नहीं? उनका घर छीना गया, लोकसभा की सदस्यता छीनी गई. वो अभी जमानत पर बाहर हैं और हर 10-15 दिन में झारखंड, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, गुजरात, बिहार जैसे राज्यों में केसों के लिए जाना पड़ता है। इसका कारण है कि ममता भाजपा से सीधी लड़ाई नहीं लड़तीं इसलिए उन्हें छोड़ा हुआ है। राहुल ने कहा कि इस देश में दो अलग-अलग सोच के बीच लड़ाई है। कांग्रेस ने कन्याकुमारी से कश्मीर तक 'भारत जोड़ो यात्रा' की जिसका संदेश था

'नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान खोलनी है। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की यात्राओं को 'भारत तोड़ो यात्रा' बताया और कहा कि वो 24 घंटे देश को तोड़ने का काम करते रहते हैं।

27 लाख लोग कसम खाकर जाओ, ममता के समर्थन में वोट मांगो

कोलकाता। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने रविवार को पश्चिम बंगाल में एसआईआर को बीजेपी और केंद्र सरकार पर हमला बोला। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के समर्थन में बेलेघाटा एक सार्वजनिक रैली को संबोधित करते हुए उन्होने कहा, "वोटर लिस्ट बदलने के लिए षडयंत्र किया गया। 27 लाख नाम वोटर लिस्ट से काट दिए। केजरीवाल ने कहा आपके साथ सारे अधिकार छीन लिए. आज कसम खाकर जाओ, जिन 27 लाख लोगों के वोट कटे हैं। वो घर-घर जाकर दीदी के लिए वोट मांगेंगे। बंगाल चुनाव को देश और लोकतंत्र को बचाने का चुनाव है। आप लोगों को जमकर जवाब देना पड़ेगा। आजादी की लड़ाई में सबसे ज्यादा कुर्बानी आपके दादा परदादा ने दी। आप लोग इस

आजादी को बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं। केजरीवाल ने कहा कि भाजपा कल कहेगी कि आपका वोट नहीं, तो आप देश के नागरिक भी नहीं। कल पता नहीं क्या करेंगे आपके साथ।

गरीबी के कारण मां ने 18 माह की बेटी को नाले में फेंका

फरीदाबाद। फरीदाबाद में एक महिला ने 18 महीने की अपनी बेटी को नाले में फेंक दिया, जिससे डूबकर उसकी मौत हो गई। बच्ची महिला की छठी बेटी थी। पुलिस ने बताया कि आरोपी महिला की पहचान बिहार के मधुबनी निवासी नीलम के रूप में हुई है। वह फरीदाबाद में अपने पति संजय के साथ रहती थी, जो एक निजी कंपनी में काम करता है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पूछताछ के दौरान महिला ने कहा कि बच्ची उसकी छह बेटियों में सबसे छोटी थी और गरीबी के कारण उसे यह अपराध करने के लिए मजबूर होना पड़ा। पुलिस ने रविवार को बताया कि यह घटना धीरज नगर के पास 23 अप्रैल को हुई। मामला तब सामने आया, जब दो स्कूली बच्चों ने नाले के किनारे लोहे की जाली में फंसी बच्ची का शव देखा।

अब गैस की चिंता खत्म! भारत 15 देशों से कर रहा स्पॉट खरीदारी

नई दिल्ली। भले ही ईरान और अमेरिका के बीच जंग थम चुकी है, लेकिन होर्मुज को लेकर दोनों देशों के बीच तकरार जारी है। जिसकी वजह से तेल और गैस की सप्लाई की दिक्कत जस की तस बनी हुई है। इस संकट से निपटने के लिए भारत सरकार ने अब स्पॉट मार्केट खरीदारी शुरू कर दी है यानि जहां से भी गैस मिल रही वहां से ले रही है। युद्ध शुरू होने से पहले भारत अपनी एलपीजी जरूरत का लगभग 60% इम्पोर्ट करता था लेकिन एलपीजी संकट के बीच सरकार द्वारा घरेलू प्रोडक्शन बढ़ाने के दिए गए आदेश के चलते उत्पादन में बड़ा इजाफा किया गया है। इससे भारत की निर्भरता भी कम हुई है।

भारत कर स्पॉट मार्केट खरीदारी

एलपीजी प्रोडक्शन के संकट को देखते हुए सरकार ने अब अपनी निर्भरता खाड़ी देशों पर न रखकर अन्य देशों का रूख किया है। साथ ही सरकारी तेल कंपनियों ने स्पॉट मार्केट से खरीदारी भी शुरू कर दी है। ताकि देश किसी तरह की कोई दिक्कत पैदा न हो सके। बता दें कि मिडिल ईस्ट में होर्मुज पर चल रहे तनाव को लेकर गैस सप्लाई अभी भी बाधित चल रही है।

भारत में रोजाना 80,000 टन एलपीजी की जरूरत

मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार भारत में रोजाना करीब 80,000 टन एलपीजी की जरूरत होती है। हाल के समय में घरेलू उत्पादन को लगभग 20 फीसदी बढ़ाकर 46,000 टन प्रतिदिन तक पहुंचाया गया है। सरकार ने यह भी बताया कि करीब आठ लाख टन एलपीजी की सुनिश्चित सप्लाई पहले ही बुक की जा चुकी है और यह भारत की ओर आ रही है।

भीषण गर्मी के बीच खुद को हाइड्रेटेड रखने और ढीले सूती कपड़े पहनने की चेतावनी जारी की गई

आईएमडी का अलर्ट : जान प्यारी है तो 12 से 4 बाहर ना निकलें! 12 राज्यों में सूरज के तेवर बेकाबू

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

उत्तर और मध्य भारत में भीषण लू का कहर जारी है। आईएमडी ने अगले तीन दिनों तक पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और उत्तर प्रदेश में रेड अलर्ट जारी करते हुए दोपहर 12 से 4 बजे के बीच घर से बाहर न निकलने की सलाह दी है। हालांकि, 29 अप्रैल से तापमान में 3-5C की गिरावट से राहत मिलने की उम्मीद है। भीषण गर्मी के बीच खुद को हाइड्रेटेड रखने और ढीले सूती कपड़े पहनने की चेतावनी जारी की गई है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग की ताजा रिपोर्ट के अनुसार उत्तर और मध्य भारत इस समय भीषण लू की चपेट में है। आज और कल के लिए रेड और ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे के बीच लोग सीधे धूप के संपर्क में आने से बचें और बहुत जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलें. हिमाचल प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान जैसे राज्यों में 'गंभीर लू' की स्थिति बनी हुई है, जहां पारा सामान्य से कई डिग्री ऊपर बना हुआ है।

किस राज्य का कैसा रहेगा मौसम

मौसम विभाग ने पश्चिम बंगाल में तूफान और भारी वर्षा की चेतावनी देते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। कर्नाटक में भी तूफान और ओलावृष्टि को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। उत्तर प्रदेश और हरियाणा में लू की चेतावनी के साथ ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, पश्चिम बंगाल में भारी बारिश की संभावना है। जम्मू कश्मीर, उत्तराखंड, बिहार, झारखंड, उड़ीसा, पश्चिम बंगाल, उत्तर पूर्व भारत, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, महाराष्ट्र, कर्नाटक, केरल में आज लू की स्थिति रहने की संभावना है। जम्मू कश्मीर हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, विदर्भ में आज उष्ण और आद्र मौसम रहने का संभावना है।

गर्मी से बचने के लिए सुझाव

लंबे समय तक धूप में रहने या भारी काम करने वाले लोगों में उच्च तापमान और गर्मी से होने वाली बीमारियों की संभावना बढ़ जाती है। इससे बचने के लिए पर्याप्त पानी पिएं। प्यास ना लगने पर भी पानी पीते रहें। सामान्य जनता के लिए मध्यम तापमान और गर्मी सहनीय है, लेकिन शिशुओं, बुजुर्गों और गंभीर बीमारियों से ग्रसित संवेदनशील लोगों के लिए मध्यम स्तर की स्वास्थ्य संबंधी चिंताएं हो सकती है। धूप में निकलने से बचें। हल्के रंग के ढीले सूती कपड़े पहने। कपड़े, टोपी या छाते से अपना सिर ढककर रखें।

कब मिलेगी राहत?

आईएमडी के पूर्वानुमान के मुताबिक, 27 अप्रैल से कुछ राहत के आसार हैं। दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान के कुछ हिस्सों में हल्की बारिश, गरज-चमक के साथ बौछारें और तेज हवाएं (30-40 किमी/घंटा) आ सकती हैं, जो तापमान में 2-4 डिग्री की गिरावट ला सकती हैं। दूसरी तरफ, उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में 28-30 अप्रैल के आसपास बारिश हो सकती है। मध्य प्रदेश और विदर्भ में 27-28 अप्रैल को वर्षा की संभावना है। तो वहीं, पूर्वी और उत्तर-पूर्वी भारत में पहले से ही बारिश और आंधी चल रही है।

यूथ कांग्रेस को अगले माह मिलेंगे नए पदाधिकारी, एनएसयूआई के साथी अब प्रतिद्वंदी

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

प्रदेश यूथ कांग्रेस को जल्द ही नए पदाधिकारी मिलेंगे। मई में सदस्यता अभियान प्रारंभ किए जाने की तैयारी है। अगले माह के प्रथम पखवाड़े में दिल्ली से टीम आएगी। यह कमेटी पद के आधार पर नाम तय करेगी। इसके पूर्व चुनाव लड़ने के इच्छुक उम्मीदवार अपने नाम पेश करेंगे। प्रदेशाध्यक्ष सहित जिन पदों के लिए चुनाव होने हैं, उन सभी पदों के लिए कैंडिडेट्स लिस्ट कमेटी ही घोषित करेगी। चुनाव लड़ने अधिकतम आयु 35 वर्ष निर्धारित किए जाने की चर्चा है। आयु सीमा सहित अन्य नियमों की घोषणा भी दिल्ली से आने वाली कमेटी ही करेगी। इस बार ब्लॉक अध्यक्ष भी वोटिंग के माध्यम से चुने जाने की तैयारी है। अब तक ब्लॉक अध्यक्ष के पद पर मनोनयन की परंपरा रही है। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता अब एनएसयूआई छोड़कर यूथ कांग्रेस प्रवेश की तैयारी में हैं।

2022 में पहली बार हुए थे ऑनलाइन चुनाव

यूथ कांग्रेस का पिछला चुनाव 2022 में हुआ था। यूथ कांग्रेस का चुनाव तीन सालों में कराए जाने का विधान है, लेकिन पिछली बार कोरोना की वजह से तीन के स्थान पर चार साल में चुनाव कराए गए। इस बार भी तीन के स्थान पर चार साल में यूथ कांग्रेस के चुनाव हो रहे हैं। 2022 में हुए चुनाव के दौरान चुनाव प्रक्रिया ऑनलाइन हुई थी। युवा कांग्रेस ने एक ऐप तैयार किया था। यूथ कांग्रेस से जुड़ने ने लिए ऐप डाउनलोड करना अनिवार्य था। यह पहली बार था जब यूथ कांग्रेस के चुनाव ऑनलाइन हुए। एक वोटर ने अलग-अलग पदों के लिए 5 वोट डाले थे। वहीं मेंबरशिप शुल्क के रूप में 50 रुपए प्रति व्यक्ति से लिए गए थे।

ये हैं दावेदार

अंदरुनी खेमों में जिन नामों पर चर्चा चल रही है उनमें प्रदेशाध्यक्ष पद के लिए यूथ कांग्रेस के वर्तमान महासचिव भावेश शुक्ला, एनएसयूआई के राष्ट्रीय सचिव हनी बग्गा, एनएसयूआई जिलाध्यक्ष शांतनु झा, महासमुंद नगरपालिका अध्यक्ष निखिलकांत साहू, मोतीलाल वोरा के पौत्र संदीप वोरा, अमरजीत भगत के पुत्र आदिल भगत के नाम प्रमुख हैं। इनमें से कुछ दावेदार राजनीतिक परिवारों से हैं। इनके अलावा राजनांदगांव से अभिषेक सिंह, आरंग से सकल चंद्राकर, भिलाई से आदित्य सिंह और बलौदाबाजार से शैलेन्द्र के भी विभिन्न पदों के लिए दावेदारी पेश करने के संकेत हैं। इनमें से कई दावेदार ऐसे हैं, जो एनएसयूआई के दौरान एक ही खेमे में थे और सहयोगी माने जाते थे। अब इनके मध्य भी अंदरुनी मतभेद की खबरें सामने आ रही हैं। वहीं वर्तमान प्रदेशाध्यक्ष आकाश शर्मा के कांग्रेस की मुख्य धारा में जाने की तैयारी है। दिल्ली से आने वाली कमेटी का दौरा 7 मई को संभावित है। हालांकि इस संदर्भ में यूथ कांग्रेस द्वारा आधिकारिक घोषणा अब तक नहीं की गई है। यूथ कांग्रेस के मीडिया प्रभारी तुषार गुहा ने कहा, यूथ कांग्रेस चुनाव की तैयारियां चल रही हैं। तिथि को लेकर संशय है। इस लेकर भी स्थिति शीघ्र स्पष्ट कर दी जाएगी।

छत्तीसगढ़ में शराब दुकानों में खुलेंगे अहाते, पहले आओ-पहले पाओ के आधार पर मिलेगा ठेका

हरिभूमि न्यूज : रायपुर

छत्तीसगढ़ आबकारी विभाग ने वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए राज्य की देशी, विदेशी और कम्पोजिट मदिरा दुकानों से संलग्न अहातों के आवंटन के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। शासन के आदेशानुसार, इन अहातों का प्रबंधन पहले आओ, पहले पाओ की नीति के तहत ऑनलाइन निविदा पद्धति से किया जाएगा।

आबकारी आयुक्त कार्यालय द्वारा जारी सूचना के अनुसार, इच्छुक निविदादाता 20 मई से 15 मार्च 2027 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के लिए विभाग की आधिकारिक वेबसाइट उपयोग किया जा सकता है। निविदा जमा करने की सुविधा 24 घंटे उपलब्ध रहेगी। सफल पंजीकरण के बाद आवेदक को उनके मोबाइल नंबर और ईमेल पर वास्तविक पंजीकरण संख्या भेजी जाएगी, जो भविष्य में चयन प्रक्रिया के लिए अनिवार्य होगी।

प्रत्येक अहाते के लिए 5हजार रुपये की नॉन-रिफंडेबल प्रोसेस फीस निर्धारित की गई है। अर्नेस्ट मनी निविदादाता को अपनी निविदा राशि का 5 प्रतिशत हिस्सा अर्नेस्ट मनी के रूप में ऑनलाइन जमा करना होगा। यह राशि चयन के बाद लाइसेंस फीस में समायोजित की जा सकेगी।

आवेदक का भारत का नागरिक होना और 21 वर्ष से अधिक आयु का होना अनिवार्य है। निविदादाता के पास स्थायी खाता संख्या (पैन) होना चाहिए। आवेदक का चरित्र निष्कलंक होना चाहिए और उसके विरुद्ध कोई आपराधिक मामला या आबकारी विभाग का बकाया नहीं होना चाहिए। मदिरा के विनिर्माण, परिवहन या थोक विक्रय से जुड़े व्यक्ति इस निविदा में भाग लेने के पात्र नहीं होंगे। आवंटित लाइसेंस 1 जून 2026 से 31 मार्च 2027 तक की अवधि के लिए वैध होंगे। कोई भी एकल निविदादाता (व्यक्ति, फर्म या कंपनी) किसी एक जिले में दो से अधिक अहातों के समूह का लाइसेंस प्राप्त नहीं कर सकता। लाइसेंस जारी करने के लिए जिले के कलेक्टर को अधिकृत 'अनुज्ञापन प्राधिकारी' नियुक्त किया गया है।

चयन और दस्तावेज सत्यापन

चयनित निविदादाता को सूचना मिलने के दो कार्य दिवस के भीतर अपने मूल दस्तावेजों (जैसे आयु प्रमाण, स्थायी निवास प्रमाण और पैन कार्ड) के साथ अनुज्ञापन प्राधिकारी के समक्ष उपस्थित होना होगा। यदि चयनित आवेदक समय पर वांछित धनराशि जमा करने में विफल रहता है, तो उसका चयन निरस्त कर पुनः निविदा आमंत्रित की जा सकेगी। किसी भी तकनीकी सहायता के लिए विभाग ने रायपुर कार्यालय में हेल्पलाइन नंबर 0771-2512609 भी जारी किया है, जहां कार्यालयीन समय में संपर्क किया जा सकता है।

रायपुर, बिलासपुर, भिलाई, बीरगांव, धमतरी, रिसाली में नए मकान

पीएम आवास शहरी 2.0 एएचपी घटक के लिए सवा 13 हजार से अधिक मकानों की मंजूरी

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

केंद्र ने मंजूरी के साथ राशि भी दी, राज्यांश भी हुआ जारी

छत्तीसगढ़ के नगरीय निकायों में पीए आवास योजना शहरी 2.0 एएचपी घटक के लिए 13 हजार 361 मकानों की मंजूरी मिली है। यह निर्णय भारत सरकार के आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित केन्द्रीय स्वीकृति एवं निगरानी समिति की 6वीं बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुक्रम में लिया गया है। इसके तहत रायपुर, बीरगांव, बिलासपुर, भिलाई, रिसाली और धमतरी नगर निगम क्षेत्र में मकान बनाए जाएंगे। ये मकान कमजोर आय वर्ग के लोगों के लिए और स्लम के पुनर्वास के लिए बनाए जाएंगे। इसके लिए संबंधित निकायों को राशि जारी कर दी गई है।

छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 2.0 के 'भागीदारी में किफायती आवास' (एएछपी) घटक के तहत विभिन्न परियोजनाओं को प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान कर दी है । इस आवंटन के तहत राजधानी रायपुर के नगर निगम को सबसे अधिक आवास का आवंटन किया गया है। इसके बाद के क्रम में बिलासपुर, भिलाई व अन्य निकायों को मंजूरी मिली है। इस योजना के तहत रायपुर के विभिन्न क्षेत्रों जैसे कोटा, सरोना, लाभाण्डी, शंकरनगर, मठपुरैना और कचना में स्लम पुनर्वास और कमजोर आय वर्ग के लिए हजारों आवासों का निर्माण किया जाएगा। इसी प्रकार अन्य निकायों के मकान उनके क्षेत्र में अलग-अलग हिस्सों में बनाए जाएंगे।

केंद्र-राज्य के अनुदान के बाद हितग्राही देंगे 1.45 लाख

प्रत्येक आवास की कुल लागत लगभग 5.75 लाख रुपये आंकी गई है। इसमें केंद्र सरकार का अंशदान 1.50 लाख रुपये, राज्य सरकार का 2.80 लाख रुपये और हितग्राही का अंशदान 1.45 लाख रुपये निर्धारित किया गया है। शर्त है कि स्वीकृत परियोजनाओं को स्वीकृति की तिथि से अधिकतम 36 माह के भीतर पूरा करना अनिवार्य होगा । निर्माण कार्य के लिए निविदा आमंत्रित करने से पहले कम से कम 50 प्रतिशत लाभार्थियों का चयन कर उनका विवरण भारत सरकार के पोर्टल पर दर्ज करना आवश्यक है। आवासों के आवंटन में पारदर्शिता बरती जाएगी और दिव्यांगजनों तथा वरिष्ठ नागरिकों को प्राथमिकता के आधार पर भूतल या निचले तलों पर आवास आवंटित किए जाएंगे । इस परियोजना के लिए नगर निगम को रेरा के तहत पंजीकरण कराना और अन्य सभी वैधानिक स्वीकृतियां प्राप्त करना अनिवार्य होगा। साथ ही, हितग्राहियों को उनके अंशदान की पूर्ति के लिए बैंकों से रियायती दरों पर होम लोन दिलाने में भी सहायता की जाएगी।

साहित्यकार सुरेंद्र और तेजपाल शब्दाक्षर सम्मान से सम्मानित

वृंदावन सभागार में हुआ सम्मान समारोह और कवि सम्मेलन

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

शब्दाक्षर छत्तीसगढ़ प्रदेश समिति द्वारा सिविल लाइंस स्थित वृंदावन सभागार में रविवार को सम्मान समारोह और कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष कुमार जगदली 'सुनील' ने सभी मंचासीन अतिथियों को अंगवस्त्र, पुष्पहार और स्मृति चिह्न भेंट किया। इसके बाद दोनों राज्य मंत्रियों ने साहित्यकारों सुरेंद्र रावल को 'शब्दाक्षर व्यंग्यश्री सम्मान' एवं तेजपाल सोनी को 'शब्दाक्षर छत्तीसगढ़ी भाषा सेवा सम्मान' से सम्मनित किया। इस मौके पर समिति के अध्यक्ष ने संस्था के संबंध में बताते हुए संस्थापक व राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि प्रताप सिंह के संस्था के प्रति अथक योगदानों की चर्चा की। साथ ही संस्था के राष्ट्रीय सरंक्षक डॉ.बुद्धिनाथ मिश्र के 'शब्दाक्षर' के प्रति अगाध स्नेह को अतुलनीय बताया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि छग निशक्तजन वित्त विकास निगम के अध्यक्ष लोकेश कावड़िया, छग राजभाषा आयोग के अध्यक्ष प्रभात मिश्रा, डा. सीमा श्रीवास्तव, अधिवक्ता राममूरत शुक्ल, यशवंत चतुर्वेदी, प्रदेश अर्थमंत्री नीलिमा मिश्रा एवं प्रदीप साहू ने कार्यक्रम संपादन में सक्रिय भूमिका निभाई।

रचनाकारों ने किया काव्य पाठ

द्वितीय सत्र में 35 रचनाकारों ने काव्य पाठ कर उपस्थित श्रोताओं को भाव मुग्ध कर दिया। काव्य पाठ करने वालों में राजेंद्र रायपुरी, नर्मदा प्रसाद तृण, संजीव ठाकुर, यशवंत चतुर्वेदी, यशवंत यदु, मन्ना लाल यदु, सुषमा पटेल, आशा पाठक, कल्याणी तिवारी, मोहम्मद हुसैन, रूनाली चक्रवर्ती, चन्द्रकला त्रिपाठी, प्रज्ञा त्रिवेदी गोपाल सोलंकी, रीना अधिकारी, देवाशीष अधिकारी, डॉ. मीनाक्षी वाजपेयी आशाराम देवांगन आदि शामिल रहे।

जितेंद्र अध्यक्ष, निरंजन बने प्रगतिशील यादव महासंघ के महासचिव

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रगतिशील यादव महासंघ का चुनाव रविवार को शहीद स्मारक स्थित महासंघ के कार्यालय में हुआ। चुनाव अधिकारी डा. नरसिंह यादव ने पदाधिकारी के नाम की घोषणा की। इसमें अध्यक्ष जितेंद्र बहादुर यादव, उपाध्यक्ष शोभा यादव, राजेश यादव, शशिकांत यादव और महासचिव निरंजन सिंह यादव को बनाया गया। साथ ही अन्य पदाधिकारियों में उप महासचिव रविंद्र सिंह यादव, सहायक महासचिव अरुण श्रीकांत यादव, कोषाध्यक्ष रामलाल यादव, संगठन सचिव सोमेंद्र यादव, प्रमुख सचिव सुजीत सिंह, कार्यकारिणी सदस्य राजेंद्र प्रसाद यादव, वीरेंद्र कुमार यादव, उपेंद्र सिंह यादव, राहुल यादव, सांस्कृतिक सचिव बेबी यादव, प्रमुख सलाहकार सत्येंद्र यादव, जनसंपर्क अधिकारी अशोक यादव एवं मीडिया प्रभारी राकेश यदु चुने गए। नवनिर्वाचित महासचिव निरंजन सिंह यादव ने बताया कि निर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण समारोह अतिशीघ्र किया जाएगा।

राशिफल

मेष कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। मानसिक शान्ति रहेगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार की स्थिति सन्तोषजनक रहेगी।

वृष कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। माता के स्वास्थ्य में सुधार होगा। धन आगमन की स्थितियां बनी रहेंगी।

मिथुन आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। अति उत्साही होने से बचें। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ेगी, लेकिन स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। वाणी के प्रभाव में वृद्धि होगी।

कर्क अनियोजित खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

सिंह कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद की स्थिति बन सकती है। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है।

कन्या कुटुम्ब-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। आय की स्थिति में सुधार होगा। संयत रहें। क्रोध के क्रोध से परेशान रहेंगे। भागदौड़ अधिक रहेगी।

तुला दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। वस्त्रों के प्रति रुझान बढ़ेगा। आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। नौकरी में तरक्की मिल सकती है।

वृश्चिक आय में वृद्धि होगी। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। मन में नकारात्मकता के प्रभाव से बचें। संतान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

धनु कारोबार पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती हैं। भागदौड़ अधिक रहेगी। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। पठन-पाठन में रुचि रहेगी।

मकर वाणी में सौम्यता रहेगी। नकारात्मक विचारों के प्रभाव से बचें। कारोबार में वृद्धि होगी। लाभ के अवसर मिलेंगे। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

कुंभ स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। नौकरी में अफसरों से मतभेद हो सकते हैं। मन प्रसन्न रहेगा। संयत रहें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार में सुधार होगा।

मीन शैक्षिक कार्यों के लिए वदिश यात्रा पर जाना हो सकता है। मानसिक शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। कारोबार की स्थिति में सुधार होगा।

अब सर्विस सेक्टर को भी मिलेगी औद्योगिक जमीन, हजार मीटर से 25 हेक्टेयर तक

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

छत्तीसगढ़ में अब सर्विस सेक्टर से संबंधित इकाइयों को भी राज्य के औद्योगिक क्षेत्र में जमीन मिल सकेगी। सबसे छोटे यानी सूक्ष्म उद्योगों को एक हजार मीटर और वृहद उद्योगों के लिए 25 हेक्टेयर तक जमीन देने का रास्ता सरकार ने खोल दिया है। यह व्यवस्था लागू करने के लिए राज्य सरकार ने छत्तीसगढ़ औद्योगिक भूमि एवं भवन प्रबंधन नियम, 2015 में व्यापक संशोधन किया है।

संशोधित नियमों के तहत सेवा क्षेत्र की वैसी इकाइयां, जिनकी स्थापना भूमि उपयोग नियमों के अनुरूप स्वीकृत है, अब औद्योगिक क्षेत्रों में स्थान पा सकेंगी। इसके लिए प्रीमियम की दरें लघु विनिर्माण उद्योग के लिए निर्धारित दरों की न्यूनतम चार गुना या नीलामी दर (जो भी अधिक हो) के आधार पर तय की गई हैं। उद्योगों के लिए कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए सरकार ने एक महत्वपूर्ण प्रावधान जोड़ा है। यदि आवंटित भू-खण्ड या निजी औद्योगिक भूमि का सार्वजनिक मार्ग से सीधा संपर्क नहीं है, तो आवंटन प्राधिकारी एप्रोच रोड के लिए आवश्यक न्यूनतम भूमि को पृथक पट्टे पर आवंटित कर सकेंगे।

संशोधन में उद्यमों की श्रेणी के आधार पर अधिकतम भूमि आवंटन की सीमा भी स्पष्ट की गई है। सूक्ष्म उद्यमः 1,000 वर्गमीटर तक । लघु उद्यमः अधिकतम 1 हेक्टेयर तक । मध्यम उद्यम- अधिकतम 5 हेक्टेयर तक । वृहद उद्यम- अधिकतम 25 हेक्टेयर तक । 100 करोड़ से अधिक निवेश वाले उद्यम- 25 हेक्टेयर से अधिक भूमि की पात्रता रख सकेंगे। नियमों में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि निर्धारित अवधि में भूमि का पूर्ण उपयोग नहीं होता है, तो 10 प्रतिशत अतिरिक्त प्रीमियम देकर 6 माह का समय लिया जा सकता है, अन्यथा अतिशेष भूमि का समर्पण करना होगा। व्यापारियों को राहत देते हुए संगठन के स्वरूप में परिवर्तन (जैसे एकल स्वामित्व से कंपनी बनाना) को अब 'हस्तांतरण' की श्रेणी में नहीं माना जाएगा, बशर्ते मूल आवंटियों का हिस्सा 51 प्रतिशत या उससे अधिक बना रहे । इसके अलावा, बीमार या बंद इकाइयों के लिए सरफेसी एक्ट या एनसीएलटी के माध्यम से होने वाली नीलामी में नवीन आवंटियों को केवल 10 प्रतिशत हस्तांतरण शुल्क देना होगा।

पीपीपी परियोजनाओं के लिए नए अधिकार

राज्य सरकार ने सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) परियोजनाओं के लिए छत्तीसगढ़ स्टेट इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के संचालक मंडल को विशेष अधिकार दिए हैं। अब सीएसआईडीसी राज्य शासन के पूर्वानुमोदन से ऐसी परियोजनाओं के प्रबंधन और संचालन हेतु पृथक नियम और मानक संचालन प्रक्रिया निर्धारित कर सकेगा।

इन इकाइयों के लिए खुला जमीन का रास्ता

छत्तीसगढ़ की नई औद्योगिक विकास नीति 2024-30 में 'सेवा क्षेत्र' को विशेष प्राथमिकता दी गई है। ताजा संशोधनों के बाद, अब इन क्षेत्रों से जुड़ी इकाइयों को औद्योगिक पार्कों में भूमि आवंटन और अन्य रियायतों का लाभ मिल सकेगा। सर्विस सेक्टर में आने वाली इकाईयां इस प्रकार हैं। आईटी और सूचना प्रौद्योगिकी,सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट और आईटी परामर्श सेवाएं।बीपीओ , केपीओ और डेटा सेंटर। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और रोबोटिक्स आधारित सेवाएं। लॉजिस्टिक्स और वेयरहाउसिंग, कोल्ड स्टोरेज, वेयरहाउस,. पर्यटन और आतिथ्य होटल, रिसॉर्ट और कन्वेंशन सेंटर। एडवेंचर टूरिज्म और सांस्कृतिक विरासत केंद्र। मनोरंजन पार्क और इको-टूरिज्म परियोजनाएं।अस्पताल, डायग्नोस्टिक सेंटर और विशेष चिकित्सा केंद्र। स्किल डेवलपमेंट सेंटर (कौशल विकास केंद्र) और तकनीकी प्रशिक्षण संस्थान। तकनीकी और अनुसंधान सेवाएं,इंजीनियरिंग सेवाएं- मशीनरी मरम्मत, रखरखाव और तकनीकी परामर्श। डिजिटल पेमेंट सेवाएं- वित्तीय तकनीक से जुड़े केंद्र। कृषि उपकरणों का किराया और मृदा परीक्षण केंद्र।

दर्जनभर एरिया में नई व पुरानी लाइन से जल आपूर्ति, फिर भी जल संकट

हरिभूमि न्यूज : रायपुर।

नगर निगम के 10 जोन के 70 वार्ड में जल विभाग 43 पानी टंकियों के माध्यम से आमतौर पर 240 एमएलडी पानी की आपूर्ति करता है, पर गर्मी के सीजन में फिल्टर प्लांट से इसकी मात्रा बढ़कर प्रतिदिन 300 एमएलडी पानी की खपत तक जा पहुंची है। यानी सामान्य दिनों की तुलना में 60 एमएलडी ज्यादा पानी की आपूर्ति हो रही है। इसके बाद भी जलसंकट कम होने का नाम नहीं ले रहा है। आमासिवनी, कचना, सड्डू, लभांडी, दलदलसिवनी, खम्हारडीह, भनपुरी, चंगोराभाठा सहित अन्य रहवासी इलाके ऐसे हैं, जहां पेयजल संकट दूर करने नगर निगम विभागीय टैंकर के अलावा किराए के पानी टैंकर भेज रहा है। जल बोर्ड और नगर निगम के जल विभाग ने हाल ही में पेयजल संकट की धरातल पर स्थिति जानने संयुक्त रूप से सर्वे किया, जिसमें यह पता चला कि दस जोन में से 3 जोन ऐसे हैं, जहां के वार्डों में नई व पुरानी पाइप लाइन दोनों से जल आपूर्ति की जा रही है। जोन 4, जोन 5 और जोन 6 में ऐसे वार्ड हैं, जहां अमृत मिशन और रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के 24 घंटे जल आपूर्ति योजना के तहत करोड़ों रुपए खर्च कर नई पाइप लाइन बिछाई गई है, पर विडंबना ये है कि पुरानी पाइप लाइन से लोगों को भरपूर पानी मिल रहा है, जबकि नई पाइप लाइन से नलों में प्रेशर कम आने, अंतिम छोर तक पानी नहीं पहुंचने की शिकायत आ रही है। जल वितरण में व्याप्त इस खामी को दूर करने की जरूरत है। जल बोर्ड के सदस्य और जल विभाग के कार्यपालन अभियंता नरसिंग फरेंद्र का कहना है, हमने डयूल लाइन वाले एरिया को चिन्हांकित कर लिया है, गर्मी सीजन के बाद इस पर काम किया जाएगा।

चिन्हांकित एरिया इस तरह

नगर निगम जोन 4 - ब्राम्हणपारा, पुरानी बस्ती वाला क्षेत्र, धोबी गली, लिली चौक, पुरानी बस्ती थाना के पास कंकाली पारा एरिया, अवधिया पारा एरिया।

जोन 5 - रामकी जानकी मंदिर के पास ढीमरपारा।

जोन 6 - टैगोर नगर, आरएमएस कालोनी मोतीबाग पानी टंकी वाला कमांड क्षेत्र है, जहां दो लाइन में पानी जा रहा है।

जल संकट की वजह ये भी

0 पानी टंकी कैचमेंट का दायरा आमतौर पर 2 किलोमीटर क्षेत्र निर्धारित है, पर बसाहट बढ़ने से कैचमेंट एरिया से 4 किलोमीटर दूरी तक पाइप लाइन बिछाकर घनी बसाहट में पानी आपूर्ति की जा रही है।

0 वाल्व के साथ छेड़छाड़ भी रहवासी इलाकों में पानी की किल्लत एक बड़ा कारण है। अमृत मिशन में ब्राम्हणपारा, पुरानी बस्ती, लिली चौक, कुकरीपारा, महापौर निवास के पास नई पाइप लाइन बिछाई गई, जहां पुरानी पाइप लाइन से पहले से पानी आपूर्ति हो रही है। उस पुरानी पाइप लाइन को डिसकनेक्ट करना था, पर अभी भी पुरानी लाइन चालू है।

0 जेएनआरयूएम में राइजिंग लाइन कैपिसिटी 500 एमएम डाया का है, जिसका एक्टेंशन सड्डू तक है। इस क्षेत्र तक फिल्टर प्लांट से भरपूर पानी की आपूर्ति का सिस्टम बना हुआ है, पर अमृत मिशन मेंआमासिवनी और कचना में नई टंकी को इसमें अतिरिक्त जोड़ा है। इसके साथ ही परसुलीडीह की हाउसिंग बोर्ड कालोनी, दलदल सिवनी बीएसयूपी आवासीय परिसर, लभांडी का आवासीय परिसर इसमें अतिरिक्त रूप से जोड़ा गया है। यही वजह है कि आमासिवनी और कचना की पानी टंकी को क्षमता अनुरूप नहीं भरा जा रहा है।

शब्द पहेली - 6208

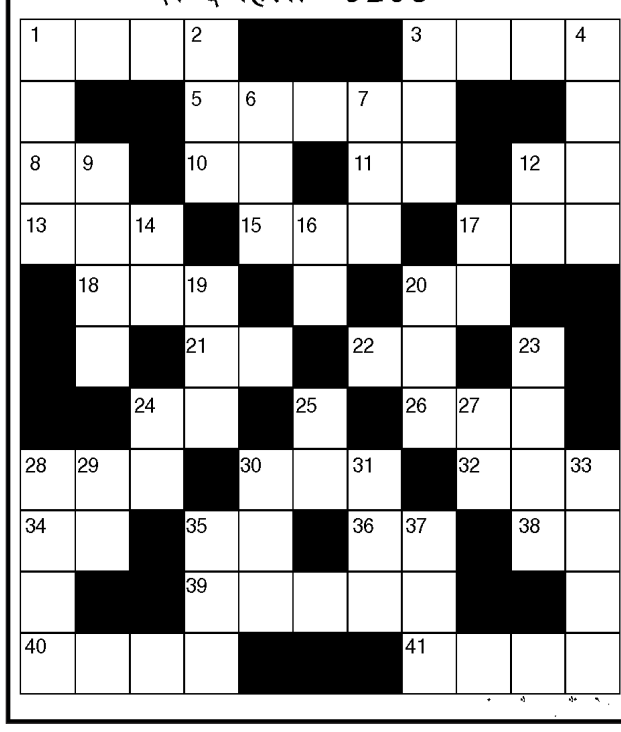

बाएँ से दाए-

1. पक्षियों का शोर-4
3. मुठभेड़,भिड़ंत-4
5. क्रोधित होवा-5
8. लाश,पार्थिव देह-2
10. नवीन-2
11. सरिता-2
12. संजय दत्त, मंदाकिनी अभिनीत फिल्म-2
13. दोजख,नर्क-3
15. नमकीन लवण-3
17. बेकार-3
18. आंचल-3
20. फायदा,लाभ-2
21. चिट्ठी,पत्र-2
22. जी,चित-2
24. संपूर्ण-2
26. कुचलना,दबाना-3
28. दाड़म,एक फल-3
30. सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
32. खिचड़ी,पुलाव-3
34. मां,आई-2
35. भाग्य (अंग्रेजी-2)
36. सौतन-2
38. लीन-2
39. चमकीला-5
40. नसीब,किस्मत-4
41. चुनौती-4

ऊपर से नीचे

1. दलाली-4
2. स्वदेश,जन्मभूमि-3
3. दौंडी पीटना-3
4. बेमिसाल-4
6. इसमें तलवार रखते हैं-3
7. मापदंड,आदर्श-3
9. इच्छित वस्तु-4
12. जीरक,कणिका-2
14. थोड़ा,जरा-2
16. आनंद-2
17. क्रोधित,रुष्ट-2
19. अदा-3
20. पति की बहन-3
23. मन को हरने वाला-4
24. निष्कर्ष-2
25. उम्मीद-2
27. वोट,अभिमत-2
28. धरोहर,थाती-4
29. रिश्ता-2
30. नकद राशि,रोकड़-3
31. संधिपत्र,मसविदा-3
33. रीति अनुसार-4
35. अदृढ,तर्कहीन-3
37. द्रव पदार्थ-3

शब्द पहेली -6207 का हल

सूडोकु नवताल - 6218

कठिनतम

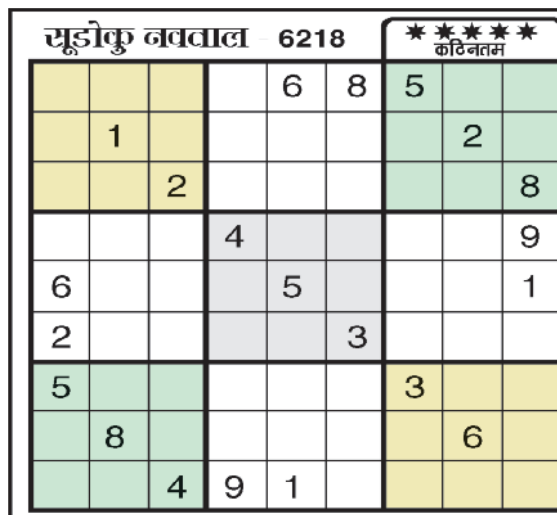

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6217 का हल

2	4	6	7	9	3	5	8	1
3	1	5	2	8	6	4	7	9
7	8	6	1	5	4	2	3	6
6	5	7	9	3	8	1	4	2
9	3	1	4	7	2	8	6	5
4	2	8	6	1	5	7	9	3
1	9	2	3	4	7	6	5	8
5	7	3	8	6	1	9	2	4
8	6	4	5	2	9	3	1	7

खबर संक्षेप

चंद्रबाबू को 'बिजनेस रिफॉर्मर ऑफ द ईयर' पुरस्कार

अमरावती। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू को एक मीडिया घराने ने 'बिजनेस रिफॉर्मर ऑफ द ईयर' पुरस्कार दिया है। पुरस्कार स्वीकार करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सम्मान दर्शाता है कि आंध्र प्रदेश में शासन सुधारों और नीतिगत पहलों के चलते राज्य निवेश और नवाचार के प्रमुख केंद्र के रूप में उभर रहा है। नायडू ने शनिवार देर रात 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''मैं 'बिजनेस रिफॉर्मर ऑफ द ईयर' पुरस्कार को विनम्रतापूर्वक स्वीकार करता हूं। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से इसे प्राप्त करना सम्मान और सौभाग्य की बात है।

मांग निकलने से बीते सप्ताह अधिकांश तेलों में रहा सुधार

नई दिल्ली। मंडियों में उपलब्धता कम रहने और उपभोक्ताओं की मांग निकलने के कारण देश के तेल-तिलहन बाजारों में बीते सप्ताह सरसों एवं सोयाबीन तेल-तिलहन, कच्चा पामतेल (सीपीओ) एवं पामोलीन तथा बिनौला तेल जैसे अधिकांश तेल-तिलहनों के दाम लाभ के साथ बंद हुए। ऊंचे दाम पर मांग कमजोर रहने की वजह से मूंगफली तेल-तिलहन कीमतों में गिरावट रही।

बाजार पूंजीकरण में टीसीएस और रिलायंस को नुकसान

नई दिल्ली। शेयर बाजार में गिरावट के रुख के बीच देश की शीर्ष-10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में से सात के कुल बाजार पूंजीकरण में पिछले सप्ताह दो लाख करोड़ रुपये से अधिक की गिरावट आई। इस दौरान टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और रिलायंस इंडस्ट्रीज को सबसे ज्यादा नुकसान हुआ।
समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई सेंसेक्स 1,829.33 अंक यानी 2.33 प्रतिशत गिरा।

जियोस्टार का राजस्व 36,248 करोड़ रहा

नई दिल्ली। मीडिया और मनोरंजन मंच जियोस्टार ने कहा कि मार्च तिमाही के दौरान उससे 9,784 करोड़ रुपये का सकल राजस्व और 419 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया। रिलायंस के मीडिया व्यवसाय और वैश्विक मीडिया दिग्गज वॉल्ट डिज्नी के भारतीय व्यवसाय के विलय के बाद बने संयुक्त उद्यम जियोस्टार का वित्त वर्ष 2025-26 के लिए वार्षिक सकल राजस्व 36,248 करोड़ रुपये रहा।

खरीफ मांग को पूरा करने पर्याप्त उर्वरक भंडार

नई दिल्ली। वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की उर्वरक सुरक्षा 'मजबूत, स्थिर एवं सुव्यवस्थित' बनी हुई है और जून से शुरू होने वाले आगामी खरीफ बुवाई सत्र के लिए आपूर्ति को और मजबूत करने हेतु अतिरिक्त 25 लाख टन यूरिया आयात किया जा रहा है।
उर्वरक विभाग ने शुक्रवार को बयान में बाजार में कमी के हालिया 'दावों' को खारिज करते हुए कहा कि देशभर में भंडार की स्थिति 'संतोषजनक' बनी है।

इंडसइंड बैंक को 594 करोड़ रुपए का शुद्ध मुनाफा

मुंबई। निजी क्षेत्र के इंडसइंड बैंक का वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ 594 करोड़ रुपये रहा। बैंक को वित्त वर्ष 2024-25 की समान तिमाही में 2,329 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। इंडसइंड बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) राजीव आनंद ने कहा कि पिछले समय में डेरिवेटिव कारोबार में हुए नुकसान और अन्य समस्याओं को अब दूर कर लिया गया है। अब बैंक आगे बढ़ने और कारोबार को मजबूत करने पर ध्यान दे रहा है।

अमेरिका ने सोलर कंपनियों को दिया झटका, लगाई 123 प्रतिशत की ड्यूटी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

वारी एनर्जीज समेत कई सोलर कंपनियों के शेयर शुक्रवार को 5 प्रतिशत से ज्यादा तक लुढ़क गए। अमेरिकी कॉमर्स डिपार्टमेंट ने भारत, इंडोनेशिया और लाओस से आयात किए जाने वाले सोलर सेल्स और पैनल्स पर प्रीलिमनेरी एंटी-डंपिंग ड्यूटीज की घोषणा की है। अमेरिका में कई घरेलू फैक्ट्री मालिकों ने आरोप लगाया था कि इन 3 देशों की कंपनियां अमेरिकी मार्केट में सस्ते सामान की डंपिंग कर रही हैं, इसके बाद यूएस कॉमर्स डिपार्टमेंट ने यह घोषणा की है। यह बात की एक रिपोर्ट में कही गई है।

- सोलर कंपनियों के शेयर हुए धड़ाम, पांच फीसदी से अधिक लुढ़के
- भारत, इंडोनेशिया और लाओस से आयातित सोलर सेल्स व पैनल पर लगाया

भारत से होने वाले आयात पर 123.04 फीसदी ड्यूटी

रॉयटर्स कैलकुलेशंस के मुताबिक, हालिया बढ़तावों के बाद भारत से होने वाले आयात के लिए प्रीलिमनेरी ड्यूटी रेट्स, जिन्हें डंपिंग मार्जिन्स के नाम से जाना जाता है, बढ़कर 123.04 प्रतिशत पहुंच गए हैं। वहीं, इंडोनेशिया से होने वाले इंपोर्ट के लिए ड्यूटी रेट्स 35.17 प्रतिशत और लाओस से होने वाले आयात के लिए ड्यूटी रेट्स 22.46 प्रतिशत पहुंच गए हैं।

इन देशों की बड़ी हिस्सेदारी

अमेरिका से होने वाले टोटल सोलर इंपोर्ट्स में भारत, इंडोनेशिया और लाओस की संयुक्त हिस्सेदारी करीब दो तिहाई है, जो कि करीब 4.5 बिलियन डॉलर के करीब है। पिटीशन दाखिल करने वाले अलायंस फॉर अमेरिकन सोलर मैन्युफैक्चरिंग एंड ट्रेड में टेम्पे, एरिजोना बेस्ड फर्स्ट सोलर, क्यूसेल्स, कोरिया की हैनवा की सोलर डिवीजन और प्राइवेट कंपनियां टैलॉन पीवी और मिशन सोलर शामिल हैं।

अंतिम फैसले की घोषणा 13 जुलाई को

कॉमर्स डिपार्टमेंट ने कहा है कि वह भारत और इंडोनेशिया से आयात होने वाली सोलर सेल्स के लिए 13 जुलाई को या इसके करीब अंतिम फैसले की घोषणा करेगा। वहीं, लाओस से होने वाले इंपोर्ट पर फैसला 9 सितंबर को या उसके करीब आएगा।

वारी एनर्जीज के शेयर हुए धड़ाम

सोलर कंपनी वारी एनर्जीज के शेयर शुक्रवार को धड़ाम हो गए। वारी एनर्जीज के शेयर बीएसई में इंट्राडे के दौरान 5 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ 3240 रुपए पर जा पहुंचे। वारी एनर्जीज के रेवेन्यू में अमेरिकी मार्केट की बड़ी हिस्सेदारी है। एक्मे सोलर होल्डिंग, विक्रम सोलर लिमिटेड और इंडोसोलर लिमिटेड के शेयर शुक्रवार को गिरावट के साथ बंद हुए। वा सोलर लिमिटेड के शेयर शुक्रवार को 6 प्रतिशत से अधिक की गिरावट के साथ 68.25 रुपए पर बंद हुए हैं। प्रीमियर एनर्जीज के शेयर भी शुक्रवार को कारोबार के दौरान 4 प्रतिशत तक लुढ़क गए थे। हालांकि, कारोबार के आखिर में कंपनी के शेयर हरे निशान पर बंद हुए हैं।

वित्त वर्ष 2025-26 का समापन महत्वपूर्ण मोड़ पर किया, कंपनियां वैश्विक दबाव व एआई के बढ़ते प्रभाव से गुजर रही

एआई बदलाव के दौर में भारतीय आईटी क्षेत्र शीर्ष पांच कंपनियों के रहे मिले-जुले नतीजे

एजेंसी : नई दिल्ली

भारत की सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की शीर्ष पांच कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इन्फोसिस, एचसीएलटेक, विप्रो और टेक महिंद्रा ने वित्त वर्ष 2025-26 का समापन एक महत्वपूर्ण मोड़ पर किया है। ये कंपनियां वैश्विक आर्थिक दबाव, पश्चिम एशिया की भू-राजनीतिक स्थिति और कृत्रिम मेधा (एआई) के बढ़ते प्रभाव के बीच बदलाव के दौर से गुजर रही हैं। आंकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि आईटी क्षेत्र तेजी से पारंपरिक कार्य-प्रणाली से आगे बढ़ रहा है। एआई के कारण पुरानी आईटी सेवाओं से होने वाली आय पर दबाव पड़ रहा है, लेकिन इसकी भरपाई नई एआई-आधारित सेवाओं के बढ़ते अवसरों से हो रही है। अब कंपनियां बड़ी परियोजनाओं के बजाय परिणाम-आधारित और छोटे-छोटे हिस्सों में बंटे अनुबंधों पर अधिक ध्यान दे रही हैं। यह बदलाव कंपनियों के भविष्य के अनुमान और कर्मचारियों से जुड़े रुझानों में भी साफ दिख रहा है। जहां टीसीएस और इन्फोसिस को लगता है कि मुश्किल दौर अब कम हो रहा है, वहीं एचसीएलटेक और विप्रो ने आगे भी अनिश्चितता और कमजोर मांग की आशंका जताई है।

एचसीएल का कुछ क्षेत्रों में रहा कमजोर प्रदर्शन

एचसीएलटेक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सी. विजयकुमार ने कहा, ''तिमाही के दौरान कुछ क्षेत्रों में कमजोरी, कम खर्च और फैसलों में देरी के कारण प्रदर्शन उम्मीद से कम रहा। हमारी नई एआई सेवाओं को बाजार में अच्छा प्रतिसाद मिल रहा है और हमारा मुख्य लक्ष्य भविष्य में एआई से मिलने वाले अवसरों का लाभ उठाना है।

एआई के इस्तेमाल से राजस्व में गिरावट नहीं

कंपनी के शीर्ष अधिकारियों ने इस आशंका को खारिज किया कि एआई के तेज इस्तेमाल से राजस्व में गिरावट आ रही है। उनका कहना है कि वे एआई को मध्यम और दीर्घकाल में ग्राहकों के कामकाज को आधुनिक बनाने और नए अवसर पैदा करने वाले एक बड़े साधन के रूप में देखते हैं।

विप्रो वैश्विक व नीतिगत बदलावों से प्रभावित

विप्रो का वित्त वर्ष 2025-26 की चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ 1.89 प्रतिशत घटकर 3,501.8 करोड़ रुपये रह गया, जबकि आय 7.6 प्रतिशत बढ़कर 24,236.3 करोड़ रुपये रही। कंपनी ने वर्तमान आर्थिक स्थिति को एक नई सामान्य स्थिति बताया है, जो वैश्विक और नीतिगत बदलावों से प्रभावित है।

टेक महिंद्रा का लाभ 16 फीसदी बढ़ा

टेक महिंद्रा का समीक्षाधीन तिमाही में शुद्ध लाभ 16 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1,353.8 करोड़ रुपये रहा, जबकि आय 12.6 प्रतिशत बढ़कर 15,076.1 करोड़ रुपये हो गई। पूरे वित्त वर्ष में कंपनी का लाभ 13.15 प्रतिशत बढ़कर 4,810.9 करोड़ रुपये और आय 7.2 प्रतिशत बढ़कर 56,815.4 करोड़ रुपये रही।

टीसीएस को एआई से 2.3 अरब डॉलर की आय

टीसीएस ने वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में 12.22 प्रतिशत बढ़ोतरी के साथ 13,718 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। कंपनी का कहना है कि वह नए वित्त वर्ष में सकारात्मक स्थिति के साथ प्रवेश कर रही है और हाल की अधिकांश चुनौतियां अब पीछे छूट चुकी हैं। एआई सेवाओं से उसकी सालाना आय 2.3 अरब डॉलर से अधिक हो चुकी है, जो कुल आय का छह प्रतिशत से ज्यादा है।

एआई पारंपरिक सेवाओं का प्रभावित कर रहा

इन्फोसिस का वित्त वर्ष 2025-26 की जनवरी-मार्च तिमाही में शुद्ध लाभ 20.8 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 8,501 करोड़ रुपये रहा, जबकि आय 13.4 प्रतिशत बढ़कर 46,402 करोड़ रुपये रही। कंपनी प्रबंधन ने माना कि एआई पारंपरिक सेवाओं को प्रभावित कर रहा है, लेकिन नई एआई सेवाओं की मांग से इसकी भरपाई हो रही है।

सीआईसी ने पीपीएसी के फैसले को सही ठहराया

रूस से तेल आयात की जानकारी गोपनीय

नई दिल्ली। पेट्रोलियम मंत्रालय के तहत काम करने वाली पेट्रोलियम योजना एवं विश्लेषण प्रकोष्ठ (पीपीएसी) ने कहा कि रूस से भारत में आयात किए जाने वाले कच्चे तेल से जुड़ी जानकारी सार्वजनिक नहीं की जा सकती, क्योंकि यह व्यावसायिक और गोपनीय प्रकृति की है। केंद्रीय सूचना आयोग (सीआईसी) ने भी इस रुख का समर्थन करते हुए कहा कि इससे देश के रणनीतिक और आर्थिक हित प्रभावित हो सकते हैं। यह मामला सूचना का अधिकार के तहत दायर एक आवेदन से जुड़ा है, जिसमें जून 2022 से जून 2025 के बीच रूस से भारत में आयातित कच्चे तेल का विवरण मांगा गया था। इसमें इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड, ओएनजीसी विदेश, रिलायंस इंडस्ट्रीज और नायरा एनर्जी जैसी कंपनियों द्वारा आयात की जानकारी भी मांगी गई थी। इस पर केंद्रीय लोक सूचना अधिकारी (सीपीआईओ) ने जानकारी देने से इनकार करते हुए कहा कि देश के आधार पर और कंपनी के आधार पर कच्चे तेल के आयात का विवरण व्यावसायिक और गोपनीय है।

फैसले को सही ठहराया

हालांकि कुल आयात की मात्रा और उसका मूल्य पीपीएसी की वेबसाइट से प्राप्त किया जा सकता है।
प्रथम अपीलीय प्राधिकारी ने भी इस फैसले को सही ठहराया। हाल ही में हुई सुनवाई के दौरान अपीलकर्ता ने कहा कि उसे जानकारी नहीं दी गई और वह यह समझना चाहता है कि इस क्षेत्र में देश किस तरह काम कर रहा है।

कंपनियों के नतीजे व कच्चे तेल की चाल से तय होगी बाजार की दिशा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पश्चिम एशिया की भू-राजनीतिक स्थिति, कंपनियों के चौथी तिमाही के नतीजे और कच्चे तेल की कीमतें आने वाले सप्ताह में शेयर बाजार की दिशा तय करेंगी। इस सप्ताह शुक्रवार को 'महाराष्ट्र दिवस' के कारण शेयर बाजार बंद रहेंगे।

एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोनमुडी आर ने कहा, आगे बाजार काफी हद तक खबरों पर आधारित और उतार-चढ़ाव वाला रह सकता है। निवेशकों की नजर अमेरिका-ईरान वार्ता, कच्चे तेल की कीमतों के रुझान और वैश्विक संकेतकों पर रहेगी। यदि तेल की कीमतों में स्थिरता या गिरावट आती है तो इससे आर्थिक चिंताओं में कमी आ सकती है, जबकि होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव बढ़ने या लंबे समय तक व्यवधान रहने से बाजार में फिर से अस्थिरता और मुनाफावसूली देखी जा सकती है। पोनमुडी ने कहा कि चौथी तिमाही के नतीजे भी शेयर-विशिष्ट गतिविधियों के लिए प्रमुख कारक होंगे, जहां निवेशक कंपनियों के प्रदर्शन, भविष्य के मार्गदर्शन और विभिन्न क्षेत्रों के परिदृश्य पर नजर रखेंगे।

कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी हुई

विश्लेषकों के अनुसार, होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव के कारण कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी हुई हैं, जिससे महंगाई को लेकर चिंताएं बढ़ी हैं। अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर संबंधी फैसले पर भी निवेशकों की नजर रहेगी।

होर्मुज के कारण अनिश्चितता बढ़ी

लाइवलॉन्ग वेल्थ के संस्थापक और शोध विश्लेषक हरिप्रसाद के ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी तनाव, विशेषकर होर्मुज जलडमरूमध्य के आसपास की स्थिति और अमेरिका-ईरान वार्ता में गतिरोध से वैश्विक बाजारों में अनिश्चितता बढ़ी है। इससे कच्चे तेल की कीमतों पर सीधा असर पड़ रहा है और ब्रेंट क्रूड 107 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बना हुआ है।

कोल इंडिया कोयला आयात में 24.3 करोड़ टन करेगी कटौती

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) कोयला आयात में 24.3 करोड़ टन कटौती करने के लि एक व्यापक 10 वर्षीय योजना बना रही है। इसके लिए घरेलू उत्पादन में वृद्धि, कोयले की गुणवत्ता में सुधार और लॉजिस्टिक लागत की समानता पर जोर दिया जाएगा।

एक सूत्र ने बताया कि कोयला आयात में कटौती के लक्ष्य वाले इस प्रस्तावित मसौदे में आयात का विस्तृत 'फोरेंसिक ऑडिट' शामिल होगा, जिसे क्षेत्र-विशिष्ट नीतियों और स्थानीय आपूर्ति को बढ़ावा देने वाली चरणबद्ध बदलाव

रणनीतियों का समर्थन मिलेगा। इसमें कोयले की धुलाई और परिवहन को सुव्यवस्थित करने के लिए 'नेशनल वॉशरी एंड लॉजिस्टिक्स ग्रिड' भी शामिल होगा, जो आपूर्ति श्रृंखला की प्रमुख बाधाओं को दूर करेगा।

कोल इंडिया लिमिटेड घरेलू कोयला उत्पादन में 80 प्रतिशत से अधिक का योगदान देती है। कंपनी इस मसौदे को तैयार करने और गैर-शुल्क बाधाओं से संबंधित उपायों का सुझाव देने के लिए एक सलाहकार की नियुक्ति करने की भी योजना बना रही है। सूत्र ने आगे कहा, ''कोयला क्षेत्र की दिग्गज कंपनी ने घरेलू उत्पादन में वृद्धि, गुणवत्ता संवर्धन और लॉजिस्टिक मूल्य समानता के माध्यम से सभी प्रतिस्थापन योग्य कोयला आयात को पूरी तरह रोकने के लिए एक व्यापक दस वर्षीय मसौदा (2026-2036) तैयार करने और उसे लागू करने की योजना बनाई है।''

2026-27 में 10 गीगावाट-घंटा से अधिक क्षमता चालू करने की उम्मीद

अदाणी ग्रीन बैटरी भंडारण पर 15,000 करोड़ करेगी निवेश

नई दिल्ली। अदाणी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) चालू वित्त वर्ष में 10 गीगावाट-घंटा (जीडब्ल्यूएच) से अधिक की बैटरी ऊर्जा भंडारण क्षमता जोड़ने के लिए लगभग 15,000 करोड़ रुपये निवेश करने की योजना बना रही है।

कंपनी का यह कदम भारत के तेजी से बदलते ऊर्जा परिदृश्य के बीच भरोसेमंद और वितरण योग्य स्वच्छ बिजली की दिशा में एक बड़ा बदलाव है। कंपनी ने अपने वित्तीय नतीजों पर चर्चा के दौरान कहा कि यह प्रस्तावित विस्तार लगभग तीन गीगावाट-घंटा की उस स्थापित भंडारण क्षमता के अतिरिक्त होगा, जिसे कंपनी जल्द ही हासिल करने की उम्मीद कर रही है। इससे पहले वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 1.4 गीगावाट-घंटा क्षमता चालू की गई थी। ये बैटरियां गुजरात के खावड़ा में नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन के साथ विकसित की जा रही हैं, जहां एजीईएल दुनिया का सबसे बड़ा नवीकरणीय ऊर्जा पार्क बना रही है। इन भंडारण प्रणालियों का उद्देश्य शाम के समय मांग के चरम पर होने पर बिजली की आपूर्ति करना है, जब सौर उत्पादन कम हो जाता है। कंपनी के कार्यकारी निदेशक सागर अदाणी ने कहा, ''हम बैटरियों के लिए अपनी क्षमता वृद्धि को बहुत महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाने की प्रक्रिया में हैं। वित्त वर्ष 2026-27 में 10 गीगावाट-घंटा से अधिक क्षमता चालू करने की उम्मीद हैं।'' अदाणी ने आगे कहा, ''वित्त वर्ष 2025-26 में हमने 1.4 गीगावाट-घंटा क्षमता जोड़ी और हमें उम्मीद है कि अगले कुछ दिनों में हम खावड़ा में तीन गीगावाट-घंटा स्थापित क्षमता के आंकड़े तक पहुंच जाएंगे।''

Notice
U/S 63 Of The Indian Partnership Act, 1932

Notice Is Hereby Given To All Concern That "M/S Siyaram Fuels", Having Its Principal Place Of Business At Village Dehjari, Tehsil Kharsia, District Raigarh (C.G.), Has Undergone The Following Changes:-

1. That **Mrs. Greesa Agrawal,** W/O Mr. Aniket Agrawal, Resident Of Mohapali Road, Kharsia, Joined On 01/04/2026 And Become A Partner With Effect From The Date.

II. That **Shri Gulabchand Agrawal,** S/O Mr. Bajrang Lal Agrawal, Resident Of Mohapali Road, Kharsia, Retired On 01/04/2026 And Ceased A Partner With Effect From That Date.

For M/S Siyaram Fuels
(Signature) Partner

भारत में गेहूं की पैदावार चुनौतियों के बावजूद मजबूत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

फसल वर्ष 2025-26 में देश का गेहूं उत्पादन स्थानीय स्तर पर बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि से हुए नुकसान के बावजूद स्थिर और मजबूत बना हुआ है। कृषि मंत्रालय ने रविवार को यह बात कही। हालांकि एक उद्योग संगठन ने सरकार के पहले के अनुमान से कम उत्पादन का आकलन किया था। रोलर फ्लोर मिलर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (आरएफएफआई) ने 24 अप्रैल को अनुमान लगाया था कि 2025-26 (जुलाई-जून) फसल वर्ष में गेहूं उत्पादन 11.06 करोड़ टन रहेगा। यह 2024-25 के 10.96 करोड़ टन से थोड़ा अधिक है। इस अनुमान में हालिया मौसमी नुकसान को भी शामिल किया गया है।

अधिक तापमान के कारण फसल पर गर्मी का दबाव

हालांकि फरवरी में असामान्य रूप से अधिक तापमान के कारण फसल पर गर्मी का दबाव पड़ा, जिससे दाने बनने की अवधि कम हुई और पैदावार पर असर पड़ा। कटाई के समय हुई बेमौसम बारिश और ओलावृष्टि ने भी कुछ क्षेत्रों में गुणवत्ता और उत्पादन को नुकसान पहुंचाया।

छह लाख हेक्टेयर अतिरिक्त क्षेत्र में बुवाई

मंत्रालय ने कहा कि कुछ कारक इन नुकसान की भरपाई कर सकते हैं। इस साल छह लाख हेक्टेयर अतिरिक्त क्षेत्र में बुवाई हुई है, जिससे नुकसान की आंशिक भरपाई होने की संभावना है। समय पर बुवाई से फसल को गर्मी के दबाव से बचाने में मदद मिली है। उच्च गुणवत्ता वाले और जलवायु-प्रतिरोधी बीजों के उपयोग में वृद्धि हुई है, जिससे उत्पादन क्षमता बेहतर हुई है।

कार्यालय नगर पंचायत सरगॉव, जिला-मुंगेली (छ.ग.)

क्रमांक/114/निविदा/न.पं./2026-27 सरगॉव दिनांक 24/04/2026

// प्रथम ई निविदा आमंत्रण सूचना //

नगर पंचायत सरगॉव में सक्षम श्रेणी के पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदा (ई-टेंडर) पद्धति अंतर्गत ई-निविदा आमंत्रित की जाती है।

सं	STN o.	कार्य का विवरण	निविदा प्रारंभ तिथि	निविदा की अंतिम तिथि	निविदा दस्तावेज परीक्षण की तिथि	निविदा खोलने की तिथि	Tendor Form
01	189776	Revamping of Material Recovery Facility (MRF) Including installation of Machinery and construction of Compost Plant in Municipal Areas of SARGAON, Chhattisgarh I (CGPWD Building SOR-01.01.2015, Road SOR 01.01.2025, Elect./PHE SOR 01.06.2020 & NON SOR)1st Call, Rs. 31.57 Lacs (%Rate)	25.04.2026/ 18:00 बजे	16.05.2026/ 17:30 बजे	18.05.2026/ 16:00 बजे	18.05.2026/ 17:00 बजे	'A'
05	189784	वार्ड क्र. 01 खपरी से वार्ड क्र. 02 के रास्ते पुलिया निर्माण कार्य। (CGPWD Road SOR 01.01.2025) 1st Call, Rs. 19.86 Lacs (%Rate)	25.04.2026/ 18:00 बजे	16.05.2026/ 17:30 बजे	18.05.2026/ 16:30 बजे	18.05.2026/ 17:15 बजे	'A'

निविदा में भाग लेने वाले ईच्छुक फर्म/ठेकेदार एवं कार्य से सम्बन्धित अन्य समस्त जानकारी कार्यालयीन अवधि में लोक निर्माण शाखा से प्राप्त की जा सकती है एवं Main Portal : https://eproc.cgstate.gov.in/www.uad.cg.gov.in पर उपलब्ध हैं।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत सरगॉव,
जिला-मुंगेली (छ.ग.)

प्रथम पृष्ठ का शेष

फूड पार्क में...

14 ब्लॉकों में उत्पादन शुरू-

उद्योग विभाग के मुताबिक प्रदेश में अब तक 14 फूड पार्क स्थापित किए जा चुके हैं। इनमें सुकमा में 3, बस्तर में 1, सरगुजा-जशपुर में 2-2, कांकेर, राजनांदगांव, कोरिया, रायपुर, गरियाबंद, सूरजपुर, मुंगेली, धमतरी आदि जिलों में 1-1 फूडपार्क शामिल हैं । 14 ब्लॉकों में फूडपार्क से उत्पादन भी शुरू हो गया है । हालांकि सुकमा और दूसरे जिलों में स्थापित फूड पार्क छोटे हैं और उनमें उत्पादक इकाइयों की संख्या भी कम है ।

किसानों को नहीं...

स्थानों पर पार्क स्थापित करने के लिए प्रशासकीय स्वीकृति भी दे दी गई।

ट्रंप की डिनर...

लेकिन बुलेटप्रूफ जैकेट पहने होने के कारण वह सुरक्षित रहा। हमलावर की पहचान 31 वर्षीय कोल टॉमस एलन के रूप में हुई है, जो कैलिफोर्निया के टॉरेंस का निवासी है।

यह है पूरा घटनाक्रम-

जानकारी के मुताबिक, हमलावर कोल एलन खाने-पीने के सामान के साथ हथियार लेकर पार्टी हॉल तक पहुंचा। उसके पास शॉटगन, पिस्टल और बाकी हथियार मौजूद थे। वहटेबल के पास ही शॉटगन को असेंबल किया और सुरक्षा घेरे को पार करने की कोशिश कर रहा था, तभी सुरक्षाकर्मियों ने उसे रोकने की कोशिश की। इसी दौरान आरोपी और सुरक्षा अधिकारियों के बीच मुठभेड़ हुई और फायरिंग शुरू हो गई। उसने शॉटगन से 7 राउंड फायरिंग की। इस घटना में एक सुरक्षाकर्मी घायल हुआ, लेकिन उसने बुलेटप्रूफ जैकेट पहन रखी थी, जिससे उसकी जान बच गई। गोली चलते ही उसकी कैप में लगी ऑन लाइट जग गई और पूरी सिक्योरिटी एक्टिव हो गई।सुरक्षा एजेंसियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को काबू में कर लिया और बड़ी घटना होने से टल गई।

हमलवार कैसे पहुंचा, कहां हुई सुरक्षा में चूक ?-

बता दें कि हर साल राष्ट्रपति ट्रंप होटल हिल्टन में कॉरेस्पोंडेंट्स डिनर देते हैं। पार्टी के दौरान होटल को पूरी तरह सील नहीं किया जाता। बल्कि इसे आम लोगों के लिए खुला रखा जाता है। सुरक्षा एजेसियों का फोकस सिर्फ बॉलरूम, पार्टी हॉल और वीआईपी एरिया पर रहता है, जिसका फायदा हमलावर ने उठाया। वह हथियार लेकर पार्टी हॉल तक पहुंचा और, हथियार वहीं असेंबल करके ताबड़तोड़ फायरिंग की।

सिक्योरिटी की कमी-

होटल के पब्लिक एरिया में सिक्योरिटी की कमी थी। क्योंकि होटल परिसर में विरोध प्रदर्शन चल रहे थे। कुछ प्रदर्शनकारी रेड कार्पेट तक पहुंचे और विरोध जताया। कहा जा रहा है कि प्रदर्शनकारियों की भीड़ और सिक्योरिटी की कमी का फायदा उठाकर हमलावर पार्टी हॉल तक पहुंचा।

दोपहर में उड़ान...

शेड्यूल में संचालित होने वाली तीनों फ्लाइट में काफी संख्या में यात्री रहते हैं। यात्रियों की डिमांड और दोपहर के शेड्यूल में दोनों शहरों के बीच फ्लाइट संचालित करने की आवश्यकता काफी समय से महसूस की जा रही थी। इसके लिए विमानतल प्रबंधन के साथ ट्रैवल्स एजेंट भी काफी समय से डिमांड कर रहे थे। पिछले दिनों इंडिगो एयरलाइंस ने एक मई से अपनी फ्लाइट संचालित करने की घोषणा की थी, जिसकी टिकटों की बुकिंग शुरू की जा चुकी है। यह फ्लाइट मुंबई से दोपहर साढ़े 12 बजे रवाना होकर 14.25 बजे रायपुर आएगी। इसकी वापसी यहां से दोपहर 2.55 बजे होकर 4.35 बजे मुंबई में पूर्ण होगी। दोपहर में आवाजाही करने वाली इस फ्लाइट का न्यूनतम किराया मुंबई से आने के दौरान 6500 और यहां से जाने के दौरान 7 हजार के आसपास है, जबकि इसी शहर की अन्य फ्लाइट यानी सुबह और शाम के शेड्यूल वाली उड़ानों का किराया 8 से 12 हजार के बीच है।

छत्तीसगढ़ में 200...

फैला बारनवापारा वन्यजीव अभयारण्य आज वन्यजीव संरक्षण की एक महत्वपूर्ण सफलता के रूप में उभरा है। छत्तीसगढ़ में इस उपलब्धि तक पहुंचने की प्रक्रिया लंबी और चुनौतीपूर्ण रही है। 1970 के दशक के बाद अतिक्रमण और प्राकृतिक आवास के नुकसान के कारण काले हिरण इस क्षेत्र से लगभग समाप्त हो गए थे और करीब पांच दशकों तक यहां स्थानीय रूप से विलुप्त रहे।

2018 से काले हिरण को बसाने प्रक्रिया हुई शुरू -

अप्रैल 2018 में आयोजित राज्य वन्यजीव बोर्ड की नौवीं बैठक में पुनर्स्थापन योजना को स्वीकृति मिलने के बाद स्थिति में बदलाव आया। इसके बाद एक सुविचारित योजना के तहत काले हिरणों को फिर से बसाने की प्रक्रिया शुरू की गई। इसी प्रयास के परिणामस्वरूप उनकी संख्या बढ़कर लगभग 200 तक पहुंची और इस सफलता को रविवार को प्रधानमंत्री श्री मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम में भी उल्लेखित किया गया।

निर्माण एजेंसी ने...

राजमार्ग 930 और राज्य मार्ग से लगा है, तब यह स्थिति है तो वनांचल के अंदर के गांवों की क्या स्थिति होगी, समझा जा सकता है।

करियाटोला एवं शिकारीटोला में नलजल योजना के लिए लगभग 90 लाख रुपए स्वीकृत हुए थे। इससे ग्रामीणों में आस जगी थी कि गांव में भी शहरों की तरह घरों में पानी मिलेगा। खासकर महिलाओं में खुशी का ठिकाना नहीं था क्योंकि उन्हें अलसुबह उठकर हैंडपंपों से पानी गुंडी, बाल्टियों में भरकर लाना पड़ता है। धुरवाटोला में जरूर दो साल से घरों में पानी आ रहा है। लेकिन शिकारीटोला में पानी टंकी का निर्माण ही शुरू नहीं हो पाया है, अपितु गांव की गलियों में पानी के लिए पाइप लाइन बिछा दी गई है। ग्रामीणों के घरों में बिछाई गई पाइप लाइन से कनेक्शन देकर स्टैंड पोल लगाकर चबूतरा भी बना दिया गया है। कुछ घरों में चबूतरा व पोल का कार्य अधूरा पड़ा है। इस गांव में लगभग 100 घरों में लगभग 700 महिला पुरुष व बच्चे रहते हैं, जो हैंडपंप से काम चला रहे हैं।

दूसरे गांव करियाटोला में पानी टंकी का निर्माण कार्य लगभग एक वर्ष से अधूरा पड़ा है। अब तो निर्माणाधीन टंकी में टूट-फूट होने लगी है। यहां भी गांव की गलियों में पाइप लाइन बिछा दी गई है। घरों तक कनेक्शन भी पहुंचा दिया गया है। हैंडपंप पर निर्भर गांव के लोग निस्तारी के लिए गांव के बाहर से बहने वाला बारहमासी नाले का प्रयोग करते थे, जो भीषण गर्मी में सूख गया है। ऐसे में निस्तारी व मवेशियों के पानी पीने के लिए लिए एकमात्र तालाब ही सहारा है। ग्राम पंचायत धुरवाटोला की सरपंच अंजू कोसमा ने बताया कि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारी से अनेक मर्तबा कार्य पूर्ण कराने निवेदन किया गया, लेकिन आज तक कुछ नहीं हुआ। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग डोंडी के एसडीओ नितिन ठाकुर ने बताया कि निर्माण एजेंसी ने कार्य बंद कर दिया है, इसलिए कार्य निरस्त करने के लिए उच्चाधिकारियों को पत्र भेजा गया है। इधर ठेकेदार को कुछ राशि भी दी जा चुकी है।

गिधौरी में शोपीस...

अब तो पाइप और नलों में टूट-फूट हेने लगी है।

पीएचई विभाग का कहना है गिधौरी में जल का स्त्रोत बहुत ही कम है। गिधौरी महानदी में बड़ी पानी टंकी का निर्माण हो रहा है, जहां से पानी की सप्लाई सप्लाई होगी। इस सम्बंध ग्राम पंचायत गिधौरी के सरपंच देव प्रसाद केवट ने कहा कि गिधौरी में पानी की कमी है। बोर खनन हुआ था, लेकिन यहां पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं होने के कारण दिक्कत हो रही है। वे कहते हैं कि पीएचई विभाग से चर्चा करके उन्हें इस स्थिति से अवगत कराएंगे। यही हाल ग्राम अमोदी का भी है। ग्राम पंचायत अमोदी में नल जल योजना के अंतर्गत पानी टंकी निर्माण किया गया है, लेकिन आज तक चालू नहीं हुआ है। दो साल पहले ही गांव में पाइप लाइन बिछाने के अलावा घरों तक कनेक्शन भी दे दिया गया है। पंचायत प्रतिनिधियों का कहना है कि गांव की इस समस्या से कलेक्टर को अवगत कराया जा चुका है। जल्द समादान निकलने की उम्मीद है। इधर गांववाले इसके लिए जनप्रतिनिधियों की निष्क्रियता और उपेक्षा को जिम्मेदार ठहरा रहे हैं।

बस में विस्फोट 13...

बताया कि यह विस्फोट काजिबियो नगर पालिका में पैनअमेरिकन हाईवे पर बस के गुजरने के दौरान किया गया। काउका की स्वास्थ्य सचिव कैरोलिना कामार्गो ने बताया कि घायलों में पांच बच्चे भी शामिल हैं। कोलंबिया सशस्त्र बलों के कमांडर जनरल ह्यूगो लोपेज ने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह 'आतंकी कृत्य' है और इसके लिए 'इवान मोर्दिस्को' नामक कुख्यात अपराधी के गिरोह तथा जैमी मार्टिनेज गुट को जिम्मेदार ठहराया। दोनों गुट अब भंग हो चुके कोलंबिया के रिवॉल्यूशनरी आर्म्ड फोर्सेज के असंतुष्ट धड़े हैं, जो अब भी इस क्षेत्र में सक्रिय हैं। इन गुटों ने 2016 में सरकार के साथ हुए शांति समझौते को नहीं माना था।

Skin Care डॉ. नरेन्द्र अग्रवाल
चर्म एवं गुप्त रोग विशेषज्ञ
सुविधाएं • लेजर हेयर रिमूवल • केमिकल पीलिंग • हाइड्रोफेशियल • रेडियोफ्रिक्वेंसी • कार्बन फेशियल • एलर्जी टेस्ट
रविवार अवकाश
क्लीनिक : छत्तीसगढ़ कॉलेज के सामने, सिविल लाईन, बैरनबाजार, रायपुर (छ.ग.) समय : सुबह 10:00 से 2:00 बजे तक
सिटी कोतवाली के पास, छोटापारा रोड, रायपुर (छ.ग.) शाम 5:00 से 8:30 बजे तक, फोन : 0771-2546760, 9300323131

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों एवं महिलाओं का अस्पताल
• प्रसूति • नवजात • शिशु रोग • बांझपन • सोनोग्राफी • आयुष्मान कार्ड • बच्चों एवं बड़ों के आपरेशन • अनुभवी डॉक्टर्स प्रतिदिन
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.), 9826182221 9301744425

डायबिटिज मधुमेह का सर्वोत्तम इलाज - अब दिल्ली, मुंबई, चेन्नई क्यू जाना
मधुमीत डायबिटिज हॉस्पिटल
डॉ राका शिवहरे MBBS, MD FNIC FIPA
भर्ती सुविधा उपलब्ध
Ecg, Echo, Tmt, Doppler, Carotid, Doppler, Insulin, Pump, Cgms, Homa IR
शिव मंदिर चौक, अवंति विहार, रायपुर, फोन : 0771- 4060929, मो. 7389485756

HMS ARSH-RAHAT
आयुर्वेदिक हानिरहित बवासीर का दवा
अर्श-राहत
बवासीर की समस्त समस्याओं से 5 दिनों में छुटकारा दिलाता है व दुबारा होने से भी रोकता है। आपरेशन के खर्च व तकलीफ से बचना चाहते हैं तो अर्श-राहत का इस्तेमाल करें
HMS देखकर खरीदें
94060-21769
JHAIGO झाईगो 5+1 Cream
चेहरे को दागों से मुक्त कर सुंदरता बढ़ाये...
तो फिर क्या.. बस इस बार झाईगो क्रीम उपयोग कर देखें।
क्या आपके... चेहरे पर झाईयां है? आंखो पर काले घेरे है? चेहरे पर मुहाँसे के काले निशान हैं? या जले या चोट के निशान हैं?

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि
Email- hbclassified375@gmail.com

Classified

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

आवश्यकता है

आवश्यकता है- फील्ड कार्य हेतु मैनेजर, पेमेंट रिकवरी, कम्प्यूटर ऑपरेटर, बिजी, जीएसटी, अकाउंट कोटेशन की अनुभव वाले लड़कों/ लड़कियों, एवं मिस्त्री मैकेनिक चाहिए सम्पर्क करें- गोडपारा गुरुद्वारा के बाजू में 96692 11111, 9827175811 (40675)

Required - Teacher Requirement (for coaching class) 11th, 12th Physics, Chemistry, Bio, Maths 9th, 10th Sst, Social Science, Maths, 5th to 8th All Subjects (Only CBSE Maths stream) Note- Atleast 3 years experienced holder Address- Krishna Acadamy, Indu chowk Jarhabhatta Bilaspur 7999848993 (40683)

आवश्यकता है- एलआईसी में केवल महिलाओं के लिये पार्ट टाइम/ फुल टाइम बीमा सखी की भर्ती योग्यता 10वीं, 12वीं, स्नातक, 7000 प्रतिमाह छात्रवृत्ति, असीमित कमीशन आय सम्पर्क- आशीष अग्रवाल (विकास अधिकारी) 98939 61300 (40685)

आवश्यकता है- Shyam Enterprises में काम करने के लिए लड़के/ लड़कियों की आवश्यकता है। समय- सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक वेतन- काम के अनुसार दिया जाएगा। सम्पर्क करें- 9238216900 (40689)

आवश्यकता है- मोबाइल शोरूम में एक साफ सफाई कर्मी, एक एसेसरीज मेंटेनेंस इंचार्ज, एक इंजीनियर, एक गार्ड एवं एक रिसेप्शनिस्ट युवक/ युवती चाहिए सम्पर्क करें- गुप्ता मोबाइल्स मेन रोड, जूना बिलासपुर 86023 90000 (40677)

निर्माण ठेकेदार की आवश्यकता है
अनुभवी निर्माण ठेकेदारों की आवश्यकता है, जो कुशल और अकुशल लेबर (जैसे- कारपेंटर, बार बेंडर, हेल्पर और रिगर) उपलब्ध करा सकें।
न्यूनतम आवश्यकता- 15 लेबर
इच्छुक ठेकेदार सम्पर्क करें
8319071268
9981826868

आवश्यकता है- (1) वेलनेस एवं FMCG प्रोडक्ट्स की फील्ड मार्केटिंग हेतु कम्प्यूटर अनुभवी लड़का योग्यता- फार्मा, MBA, PGDCA (2) वेलनेस, आयुर्वेद प्रोडक्ट्स शॉपी हेतु अनुभवी व्यक्ति चाहिए योग्यता बीफार्मा, BAMS सम्पर्क- 7067124226 (40673)

आवश्यकता है- घरेलू कार्य करने के लिए लड़की की आवश्यकता है। पता- रामा वर्ड न्यू बस स्टैण्ड तिफरा बिलासपुर सम्पर्क करें- 9967299365 (40686)

आवश्यकता है- सैलून में काम करने हेतु एक अच्छे, स्मार्ट, कुशल जेंट्स हेयर ड्रेसर की आवश्यकता है। इंटरव्यू एवं डेमो के लिए बायोडाटा सम्पर्क करें- द हेरिटेज प्राइम सैलून, मिनोचा कॉलोनी के सामने, इंडसलैंड बैंक के पास, उस्लापुर रोड, बिलासपुर 7748859999 (40687)

आवश्यकता है- सिलपहरी स्थित कोल्ड स्टोर में अनुभवी एकाउंटेंट कार्य का जानकार युवक एवं पिकअप, कार चलाने हेतु अनुभवी ड्राइवर चाहिए रहने की सुविधा उपलब्ध है आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- 9827115208 (40676)

आवश्यकता है- डिस्कवरी पब्लिक स्कूल, सिरगिट्टी के लिए 2+ वर्ष अनुभवी मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव की आवश्यकता है। वेतन- 10000 से 15000 तक सम्पर्क करें- 9669 211655 (40664)

आवश्यकता है-राष्ट्रीय स्तर की कम्पनी को अपने ऑफिस विस्तार हेतु अविवाहित युवकों की आवश्यकता है जो शहर से बाहर छत्तीसगढ़ मध्य प्रदेश मे रहकर काम कर सके वेतन 12000 रहना खाना नियुक्ति फ्री ट्रेनिंग के बाद कमाये 20 से 25 हजार महीना सम्पर्क करे 9755577072, 7999114133 (401)

आवश्यकता है- कार वॉशिंग गैराज में कार्य करने हेतु हेल्पर चाहिए। अनुभवी को प्राथमिकता। सैलरी अनुभव के अनुसार। सम्पर्क करें- माँ शारदा कार केयर, संजीवनी हॉस्पिटल के पास, स्मार्ट रोड, बिलासपुर 7879094455 (40672)

आवश्यकता है- फैक्ट्री में लोडिंग, अनलोडिंग हेतु हमाल की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- श्री शारदा इण्डस्ट्रीज, इण्डस्ट्रीयल एरिया, तिफरा बिलासपुर 7869919759 (40678)

आवश्यकता है- ज्वेलरी शॉप में कार्य करने हेतु सेल्स गर्ल्स की आवश्यकता है सम्पर्क करे- छेदी लाल मोती लाल ज्वैलर्स सदर बाजार बिलासपुर 9827181112 (40665)

आवश्यकता है- ग्राफिक डिजाईनर (अनुभवी डिजाईनर को प्राथमिकता) एकाउण्टेन्ट (अनुभवी टेली ऑपरेटर को प्राथमिकता) वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- मॉडर्न ग्राफिक्स सत्यम चौक इमलीपारा रोड बिलासपुर 7987779883, 62646 45649 (40681)

आवश्यकता है- सर्जिकल ऑफिस में सामान छोड़ने, लाने हेतु लड़को (योग्यता 10वी, 12वी, स्वयं की बाइक अनिवार्य) एवं ड्राईवर की आवश्यकता है संपर्क करें- श्री विनायक सेल्स ए/158, अज्ञेय नगर बिलासपुर 9893367787 (40670)

आवश्यकता है- सीए फर्म में कार्य करने हेतु अनुभवी अकाउंटेंट की आवश्यकता है (GST, Tally, IT रिटर्न का अनुभव अनिवार्य) सम्पर्क करें- 9907417917, 98271 02882 (523)

आवश्यकता है- साउथ इंडियन कैफे में अनुभवी कुकिंग शैफ, सर्विंग स्टाफ, हाउस कीपिंग वर्क, बिलिंग करने हेतु चाहिए बॉयोडाटा सहित सम्पर्क- चरण स्पर्श शू मॉल रघुराज सिंह स्टेडिम के सामने बिलासपुर 81095 20393 (525)

आवश्यकता है- बजाज टू व्हीलर ऑटो पार्ट्स शोरूम में टेली एकाउंटिंग हेतु लड़की की आवश्यकता है फ्रैशर/ अनुभवी दोनों को प्राथमिकता सम्पर्क करें- अंकुर ऑटोमोबाइल, FCI चौक व्यापार विहार बिलासपुर 8109485816, 9993800649 (40660)

आवश्यकता है- माल लोडिंग एवं अनलोडिंग करने के लिए मेहनती लड़कों की आवश्यकता है वेतन 9000 सम्पर्क करें- बिलासपुर 8982299622 (40669)

आवश्यकता है- सुरक्षागार्ड-2, रिसेप्शनिस्ट- 2 (m/f), कैशियर- 2 (m/f), किचन सुपरवाइजर- 2, स्टोर कीपर- 1 चाहिए। वेतन योग्यतानुसार, रहने, खाने की सुविधा सम्पर्क- होटल डाउन टाऊन, राजकिशोर नगर बिलासपुर 9144666000, 90399 00022 (40658)

आवश्यकता है- उद्योगिक क्षेत्र रायपुर दुर्ग, बिलासपुर एवं रायगढ़ के लिए सुरक्षा कर्मचारी की आवश्यकता है। 1. सुरक्षा गार्ड 2. सुरक्षा सुपरवाइजर 3. एरिया मार्केटिंग ऑफिसर 4. एरिया रिक्रूटमेंट ऑफिसर वेतन योग्यतानुसार एवं अधिक जानकारी के लिए संपर्कः BISS सिक्यूरिटी 02 बिजनस सेन्टर, भनपुरी रायपुर मो. 9111400666 (07)

आवश्यकता है- Solar Company में कार्य हेतु प्रबंधक, फील्ड ऑफिसर, हेल्फर, टेक्नीशियन, ऑफिस बॉय की आवश्यकता है। वेतन 10000 से 25000+ पेट्रोल+ भत्ता+ मोबाइल+ PF सम्पर्क करें- नारायण प्लाजा , अग्रसेन चौक, बिलासपुर 62692 22002, 9755990933 (1493)

आवश्यकता है- बिलासा फाइनेंशियल सॉल्यूशन प्राइवेट लिमिटेड में कार्य करने हेतु सेल्स मैनेजर की आवश्यकता है योग्यता 12वीं, वेतन योग्यता अनुसार सम्पर्क करें- श्रीराम टॉवर के पास, व्यापार विहार, बिलासपुर 7879923905, 9977229653 (40661)

आवश्यकता है- बिलासपुर स्थित शिक्षण संस्थान में कैटरिंग कार्य संचालन हेतु अनुभवी मैनेजर की आवश्यकता है। खाद्य प्रबंधन एवं स्टाफ संचालन का अनुभव अनिवार्य। इच्छुक उम्मीदवार सम्पर्क करें- 7748008770 (40663)

आवश्यकता है- फर्नीचर शोरूम में काम करने एवं होटल में मिठाई/ नाश्ता, साऊथ इंडियन मिस्त्री, हलवाई, हेल्पर लड़के की आवश्यकता है। आवास सुविधा फी सम्पर्क करें 9300671120 (40671)

आवश्यकता है- होलसेल मेडिकल एजेन्सी में सेल्समैन एवं गोडाउन हेतु अनुभवी व्यक्ति चाहिए। वेतन योग्यता अनुसार। बायोडाटा, आधार कार्ड सहित सम्पर्क करें- नेशनल मेडिकोज, नागरिक सहकारी बैंक के पास, बृहस्पति बाजार 8098797774 (40650)

आवश्यकता है- फैक्ट्री मेस में कार्य करने हेतु खाना मिस्त्री, रोटी मिस्त्री, किचन हेल्पर, काउन्टर में खाना देने, बर्तन धोने के वाले चाहिए। रहने, खाने की सुविधा। सम्पर्क करें- बिलासपुर 8871824812, 9993334937 (40651)

आवश्यकता है- साफ सफाई, अन्य काम हेतु मेहनती पुरुष (परिवार सहित रहने वाला) एवं चलाने हेतु ड्राईवर, स्कूल हेतु पुरुष क्लर्क चाहिए वेतन 10000 आवास फ्री सम्पर्क- राजकिशोर नगर बिलासपुर 9752583075, 8109728526 (40657)

आवश्यकता है- रियल एस्टेट में कार्य करने हेतु शिक्षित अनुशासित स्मार्ट युवक, युवती की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार बायोडाटा सहित सम्पर्क करें- गुलाब नगर, सीपत रोड बिलासपुर 8827625305 (40655)

आवश्यकता है- टायर दुकान में काम करने हेतु युवक की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- सिन्ध ऑटो स्टोर्स गांधी चौक बिलासपुर (40654)

आवश्यकता है- दर्जी (टेलर) की आवश्यकता है जो पर्स चैन कव्हर कुशन कव्हर सिलाई का जानकार हो, सम्पर्क करें- ज्योति डेकोर देवकीनन्दन चौक से पुराना अरपा पुल की तरफ बिलासपुर 8319241410 (40639)

आवश्यकता है- मैनेजर/ सुपरवाइजर 1पद (आयु 30वर्ष से अधिक वेतन 10000) एवं मोबाइल दुकान में काम करने लड़के की तुरन्त आवश्यकता है वेतन योग्यतानुसार सम्पर्क करें- अग्रवाल लॉज गोल बाजार बिलासपुर 982639 0898 (48614)

आवश्यकता है- महिला-कम्प्यूटर ऑपरेटर (XL Word email हिन्दी से इंग्लिश लेटर टाइपिंग), आफिस साफ सफाई चाय, पानी पुरुष- मेडिकल मशीन की मार्केटिंग, सर्विस इंजीनियर, ऑर्थोपेडिक एवं TKR,THR JOINTS की सर्जरी कराने, ड्राइवर Ecco I10 Nexon चलाने वेतन 9000-30000 पता- भारत मेडिकल सिस्टम, MIG-70, नेहरू नगर, बिलासपुर 9326609234 (40653)

आवश्यकता है- नर्सिंग होम में कार्य करने के लिए ट्रेण्ड नर्स व कम्पाउंडर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- जय अम्बे होम रिंग रोड नम्बर-2 महाराणा प्रताप चौक बिलासपुर 99819 70853 (40634)

बेचना है

बेचना है- मौसाजी होंडा के पीछे सीपत रोड सरकंडा में 880 वर्गफिट के दो प्लॉट एवं त्रिपति नगर, बिरकोना रोड में 3000 वर्गफीट का एक प्लाट बेचना है। सम्पर्क करें- 9340649889, 90394 77885 (40688)

बेचना है- सकरी आसमां पेट्रोल पम्प के पीछे मेन रोड के अत्यंत समीप, लगानी, डायवर्टेड प्लाट 4246 वर्गफीट फ्रन्ट 70 (नगर निगम/ डायवर्सन का 2026 तक का टैक्स पटा है) तत्काल बेचना है सम्पर्क- के.एल. साहू 93296 46270 (40684)

बेचना है- 35×90= 3150 वर्गफीट लेआउट पास डायवर्टेड पश्चिम मुखी प्लाट नेचर सिटी फेस-॥ मुंगेली रोड बिलासपुर सम्पर्क करें- 9827090060 (40662)

बेचना है- सरकंडा बिलासपुर में मेन रोड पर 2Bhk के फ्लैट जिसमे 3 लेट बाथ किचन हाल अलग से डायनिंग हाल दोनों तरफ बालकनी शीघ्र बेचना है सम्पर्क करें- 9827199853 (40666)

बेचना है- शानदार लोकेशन बिलासपुर तखतपुर मुख्य मार्ग में गोल्ड फॉर्म 4780 वर्गफुट फार्म हाउस तत्काल बेचना है सम्पर्क करें- 9993568977 (40668)

बेचना है- मेन रोड हाईवे पर स्थित कुम्हारी से 4km दूर (अहीवारा रोड) प्रस्तावित 4-लेन हाईवे पर 8000 स्क्वायर फीट के करीब जमीन/फ्लैट बेचना है। संपर्क- 88892 88003, 8770489005 (152)

बेचना है- महामाया रेसीडेंसी कॉलोनी कोनी में नवनिर्मित 5BHK तीन मंजिल भवन शीघ्र बेचना है। सम्पर्क करें- 7049009079 (530)

बेचना है- 40×75= 3000 फुट पश्चिम मुखी जैन होस्टल वाली गली CMD चौक पास विनोब नगर में हॉस्टल एवं PG बनाने हेतु उपयुक्त शानदार लोकेशन में। कीमत 4500/- फुट सम्पर्क- 9827938236, 8817374543 (526)

बेचना है- बिलासपुर प्राइम लोकेशन महाराणा प्रताप चौक भाटिया पेट्रोल पम्प के सामने में रोड से 100 मीटर दूर, डबल रोड का 2BHK मकान बेचना है प्लॉट साइज 22×45 सम्पर्क- 6265041277, 8361997770 (5343)

किराया

किराया- महाराणा प्रताप चौक के पास प्राइम लोकेशन में आधुनिक सुविधाओं से युक्त दुकानें, शोरूम, ऑफिस स्पेस हेतु किराये पर उपलब्ध हैं। 2माह का किराया बिल्कुल मुफ्त सम्पर्क करें- 88188 81170, 9111011826 (40667)

शैक्षणिक

प्रवेश प्रारम्भ-फेल विद्यार्थी समय बचाए पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी पास करे- BA, B.Com, B.Sc, BCA, MCA, BBA, MA, M.Com, M.Sc, MBA, MSW, B.Lib, M.Lib, DCA, PGDCA, Polytechnic B.Tech अपनी अधूरी पढ़ाई एक साल में पूरी करे सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा सम्पर्क करें- Bharti Education Academy Sector-6 Bhilai 9826196515, 9826896515 (4146)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

MedicareSpecialists
छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक
लिंग को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
8515825081
9083218330

सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

आपके सपनों का आशियाना
जल्द होगा आपका...
पढ़ते रहे हरिभूमि क्लासिफाइड
सब कुछ है यहां

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
पंजाब	7	6	1	13
बेंगलुरु	7	5	2	10
हैदराबाद	8	5	3	10
राजस्थान	8	5	3	10
गुजरात	8	4	4	8
चेन्नई	8	3	5	6
दिल्ली	7	3	4	6
मुंबई	7	2	5	4
लखनऊ	7	2	5	4
कोलकाता	7	1	5	3

ऑरेंज कैप

अभिषेक शर्मा
380 रन
हैदराबाद

पर्पल कैप

अंशुल कंबोज
14 विकेट
चेन्नई

हार से आहत दिल्ली की आरसीबी से टक्कर, होगी असली परीक्षा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

पंजाब किंग्स के खिलाफ 264 रन बनाने के बावजूद हार से आहत दिल्ली कैपिटल्स की टीम को अगर सोमवार को आईपीएल के मैच में मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की संतुलित टीम के खिलाफ वापसी करनी है तो उसे अपने पिछले प्रदर्शन को भुलाकर नए सिरे से शुरुआत करनी होगी। पंजाब किंग्स ने रिकार्ड लक्ष्य हासिल करके 6 विकेट से जीत दर्ज की, जिससे दिल्ली कैपिटल्स की टीम बुरी तरह से हिल गई है। इस मैच में उसके गेंदबाजों की जमकर धुनाई हुई। दिल्ली की टीम अंक तालिका में छठे स्थान पर है और अब उसका मुकाबला आरसीबी जैसी एक और मजबूत टीम से है, जो 7 मैच में 10 अंक लेकर दूसरे स्थान पर है।

आज शाम 7.30 से कोहली और राहुल आमने-समाने

अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतरे डीसी के गेंदबाज

दिल्ली ने अभी तक बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन उसके गेंदबाज अपेक्षाओं पर खरे नहीं उतरे हैं। केएल राहुल की अगुवाई वाले उनके शीर्ष क्रम ने लगातार तेज शुरुआत दी है, जबकि नीतीश राणा और डेविड मिलर जैसे खिलाड़ियों ने बीच ओवरों में लय बनाए रखने में मदद की है। उसके गेंदबाज हालांकि अपने स्कोर का बचाव नहीं कर पा रहे हैं। विशेषकर डेथ ओवरों में उसकी गेंदबाजी अच्छी नहीं रही है। ऐसे में अगर उसको अपना अभियान पटरी पर लाना है तो उसके गेंदबाजों को अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा। तेज गेंदबाज आकिब नबी, कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव और कप्तान अक्षर पटेल को विशेष रूप से महत्वपूर्ण अवसरों पर अच्छा प्रदर्शन करना होगा।

कोहली की अगुवाई में बल्लेबाजी इकाई मजबूत

दूसरी तरफ आरसीबी की टीम काफी संतुलित नजर आ रही है। विराट कोहली की अगुवाई में उनकी बल्लेबाजी इकाई मजबूत नजर आती है। देवदत्त पडिक्कल की शानदार फॉर्म ने उसे और मजबूती प्रदान की है। उसके मध्य क्रम के बल्लेबाजों ने भी मैच का सकारात्मक अंत करने में अधिक स्पष्ट भूमिका निभाई है। लेकिन आरसीबी केवल बल्लेबाजी में ही खतरनाक नहीं है। उसके गेंदबाजों ने भी महत्वपूर्ण अवसरों पर विशेष कर अंतिम ओवरों में अच्छा प्रदर्शन किया है। दिल्ली के बल्लेबाजों को उनसे सतर्क रहने की जरूरत होगी।

दिल्ली के गेंदबाजों पर निगाहें

आरसीबी के गेंदबाजों के खिलाफ दिल्ली के शीर्ष क्रम का प्रदर्शन अहम साबित होगा। इसके अलावा बीच के ओवरों में उसके बल्लेबाजों और आरसीबी के स्पिन गेंदबाजों के बीच मुकाबला मैच के परिणाम का फैसला कर सकता है। आखिरी ओवरों में सारी निगाहें दिल्ली के गेंदबाजों पर टिकी होंगी, जिन पर पंजाब के खिलाफ मिली करारी हार के बाद खुद को साबित करने का दबाव होगा।

आरसीबी करेगी मैच का रुख मोड़ने की कोशिश

वहीं आरसीबी के अनुभवी गेंदबाज मैच का रुख मोड़ने की कोशिश करेंगे। अब टूर्नामेंट निर्णायक दौर में प्रवेश कर चुका है। ऐसे में यह मुकाबला दो अंकों से भी अधिक महत्वपूर्ण हो गया है। यह दिल्ली के धैर्य की परीक्षा है और बेंगलुरु के लिए अपनी श्रेष्ठता साबित करने का अवसर है।
मैच का समय : रात 7:30 बजे

जीटी ने सीएसके को 8 विकेट से हराया, सुदर्शन ने खेली 87 रन की शानदार पारी

158 रन पर चेन्नई अपने घर में ढेर सुदर्शन ने गुजरात को दिलाई चौथी जीत

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

गुजरात टाइटन्स ने गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद सलामी बल्लेबाज साई सुदर्शन (87 रन) के अपने घरेलू मैदान पर लगाए गए अर्धशतक की मदद से रविवार को आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को 8 विकेट से शिकस्त दी। गुजरात टाइटन्स के गेंदबाजों के दबदबे के बावजूद सीएसके के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के नाबाद 74 रन बनाकर फॉर्म में वापसी की, जिससे बल्लेबाजी का न्योता मिलने के बाद टीम 7 विकेट पर 158 रन ही बना सकी। गुजरात टाइटन्स के लिए कागिसो रबाडा ने 25 रन देकर 3 विकेट चटकाए जबकि अरशद खान को 43 रन देकर 2 विकेट मिले। मोहम्मद सिराज और मानव सुथार को एक-एक विकेट मिला। सलामी बल्लेबाज सुदर्शन (46 गेंद, चार चौके, सात छक्के) और जोस बटलर (नाबाद 39 रन) की पारियों से गुजरात टाइटन्स ने 16.4 ओवर में दो विकेट पर 162 रन बनाकर जीत हासिल की। सुदर्शन 17वें ओवर की दूसरी गेंद पर आउट हुए और चौथी गेंद पर बटलर ने छक्का जड़कर टीम को आसान जीत दिलाई।

सैमसन के सबसे तेज 5 हजार रन पूरे रैना, राहुल, धोनी को पीछे छोड़ा

संजू सैमसन अब आईपीएल में सबसे तेज 5 हजार रन बनाने वाले भारतीय बल्लेबाज बन गए हैं। उन्हें इस आंकड़े तक पहुंचने के लिए 3555 गेंदें लगीं। जबकि सुरेश रैना को इसके लिए 3620 गेंद लगी थी, वहीं केएल राहुल को 3688 और महेंद्र सिंह धोनी को 3691 गेंद लगीं। संजू के नाम अब 185 आईपीएल मैचों की 180 पारियों में 5008 रन है। इस दौरान उनका औसत 31.69 का है, जबकि स्ट्राइक रेट 140.59 का। आईपीएल में सबसे तेज 5 हजार रन बनाने वाले बल्लेबाज एबी डिविलियर्स हैं। उन्होंने 3288 गेंदों में यह कारनामा किया था, जबकि डेविड वॉर्नर ने 3554 गेंदों में ऐसा किया था। अगर संजू दो गेंद पहले इस आंकड़े को हासिल करते तो वह आईपीएल में सबसे तेज 5 हजार रनों के आंकड़े तक पहुंचने के मामले में दूसरे स्थान पर आ जाते।

गायकवाड़ के नाम दर्ज हुआ 'अनचाहा रिकॉर्ड'

सीएसके के सलामी बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ ने जीटी के विरुद्ध 60 गेंदों में 74 रन की नाबाद पारी खेली। हालांकि, यह आईपीएल के इतिहास में सीएसके की तरफ से किसी बल्लेबाज की चौथी सबसे धीमी फिफ्टी रही। इस अनचाही फेहरिस्त में पार्थिव पटेल शीर्ष पर हैं, जिन्होंने साल 2010 में पंजाब किंग्स के विरुद्ध 53 गेंदों में पचासा पूरा किया था। साल 2009 में मैथ्यू हेडन ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ 51 गेंदों में यह कारनामा किया था। इस लिस्ट में तीसरे पायदान पर मौजूद मुरली विजय ने साल 2013 में पंजाब किंग्स के खिलाफ 50 गेंदों में अर्धशतक लगाया था। इस सूची में ऋतुराज गायकवाड़ संयुक्त रूप से चौथे स्थान पर पहुंच गए हैं, जिन्होंने 49 गेंदों में यह कारनामा किया। साल 2013 में मुरली विजय ने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 49 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया था।

जीटी की अच्छी शुरुआत

सुदर्शन और कप्तान शुभमन गिल (33 रन, 23 गेंद, एक चौका, तीन छक्के) ने अच्छी शुरूआत की। गिल के आउट होने के बाद सुदर्शन और बटलर (30 गेंद, चार चौके, एक छक्का) ने मिलकर टीम को जीत तक पहुंचाया। पिछले मैच में सुदर्शन के शतक जड़ने के बावजूद गुजरात टाइटन्स को हार का सामना करना पड़ा था। लेकिन अब स्कोर इतना बड़ा नहीं था, जिससे गुजरात टाइटन्स ने लगातार दो हार के बाद जीत दर्ज की। इस जीत से उसके आठ मैच में आठ अंक हो गए हैं, जिससे वह पांचवें स्थान पर पहुंच गई।

स्कोर बोर्ड

चेन्नई सुपर किंग्स	रन	गेंद	4	6
सैमसन का बटलर बो रबाडा	11	15	2	0
गायकवाड़ नाबाद	74	60	6	4
उर्विल का होल्डर बो रबाडा	04	3	1	0
सरफराज का बटलर बो सिराज	00	1	0	0
डेवाल्ड ब्रेविस का गिल बो सुथार	02	9	0	0
शिवम दुबे बो अरशद	22	17	3	1
कार्तिक का होल्डर बो रबाडा	15	9	3	0
ओवरटन का शाहरुख बो अरशद	18	6	3	1
अकील हुसैन नाबाद	00	0	0	0

अतिरिक्त : 12, कुल : 20 ओवर में 7 विकेट पर 158 रन
गेंदबाजी : सिराज 4-0-23-1, रबाडा 4-0-25-3, सुथार 3-0-22-1, होल्डर 4-0-22-0, अरशद 4-0-43-2, राशिद 1-0-21-0,

गुजरात टाइटन्स	रन	गेंद	4	6
सुदर्शन का ब्रेविस बो हुसैन	87	46	4	7
गिल स्टं सैमसन बो नूर	33	1		3
जोस बटलर नाबाद	39	30	4	1
वाशिंगटन सुंदर नाबाद	01	1	0	0

अतिरिक्त : 02, कुल : 16.4 ओवर में 2 विकेट पर 162 रन
गेंदबाजी : अकील हुसैन 3.4-0-46-1 , अंशुल कंबोज 3-0-16-0, जेमी ओवरटन 2-0-28-0, गुरजपनीत 3-0-36-0, नूर अहमद 4-0-29-1, शिवम दुबे 1-0-7-0

कोलकाता ने जीता आईपीएल 2026 का पहला सुपर ओवर

एजेंसी ▶▶| लखनऊ

कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल 2026 के पहले सुपर ओवर मुकाबले में लखनऊ सुपर जायंट्स को हराकर रोमांचक जीत दर्ज की। इकाना स्टेडियम में पहले बल्लेबाजी करते हुए कोलकाता ने 20 ओवर में 7 विकेट पर 155 रन बनाए। जवाब में लखनऊ ने भी 20 ओवर में 8 विकेट पर 155 रन बनाकर मैच टाई कर दिया।

आखिरी गेंद पर मोहम्मद शमी ने छक्का लगाकर मुकाबले को बराबरी पर ला दिया। सुपर ओवर में कोलकाता की ओर से सुनील नरेन ने शानदार गेंदबाजी करते हुए लखनऊ को सिर्फ 1 रन पर रोक दिया और दो विकेट भी झटके। इसके जवाब में कोलकाता से रिंकू सिंह ने चौका लगाकर जीत दिला दी। इस मुकाबले में रिंकू सिंह ने 51 गेंदों पर 83 रन की पारी खेली। उन्होंने फील्डिंग में भी कमाल दिखाया और 5 कैच लपके।

हजारों धावक सड़क पर उतरे क्विजेरा और फ्लोरेंस ने जीती रेस

बेंगलुरु। बुरुंडी के रोड्रिग क्विजेरा ने रविवार को टीसीएस विश्व 10के (10 किमी) बेंगलुरु में रिकॉर्ड तोड़ते हुए अंतरराष्ट्रीय एलीट पुरुषों की रेस जीती जबकि रवांडा की फ्लोरेंस नियोनकुरु ने महिलाओं की स्पर्धा में शीर्ष स्थान हासिल किया। विश्व एथलेटिक्स गोल्ड लेबल रेस के लिए हजारों धावक सड़कों पर उतरे। छब्बीस साल के क्विजेरा ने 27 मिनट 31 सेकंड का समय निकालकर पिछले कोर्स रिकॉर्ड 27:38 को बेहतर बनाया, जो कीनिया के निकोलस किपकोरिर ने 2022 में बनाया था। विश्व 10के बेंगलुरु में यह क्विजेरा का पहला खिताब था।

खबर संक्षेप

अल-अहली ने रखा एलीट का खिताब बरकरार

जेद्दा। सऊदी अरब के क्लब अल-अहली ने पहली बार फाइनल में खेल रहे जापान के क्लब माचिदा जेलविया को 1-0 से हराकर एएफसी चैंपियंस लीग एलीट फुटबॉल टूर्नामेंट में अपने खिताब सफलतापूर्वक बचाव किया। जेद्दा में 60,000 दर्शकों की मौजूदगी में सऊदी अरब के अंतरराष्ट्रीय स्ट्राइकर फिरास अल बुरिकन के अतिरिक्त समय में किए गए गोल से मैच का फैसला हुआ। अल-अहली की टीम लगभग एक घंटे तक 10 खिलाड़ियों के साथ खेली, लेकिन माचिदा इसका फायदा नही उठा पाया। खेल के 68वें मिनट में ही अल-अहली की टीम 10 खिलाड़ियों तक सिमट गई। तब रेफरी ने जकारिया हवसावी को लाल कार्ड दिखाकर बाहर भेज दिया था।

सूर्यवंशी मेरे पसंदीदा बल्लेबाज : कमिंस

जयपुर। वैभव सूर्यवंशी को अपनी शानदार बल्लेबाजी के कारण एक नया प्रशंसक मिल गया है और यह

कोई और नहीं बल्कि ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस हैं, जो इस 15 वर्षीय खिलाड़ी के बल्लेबाजी के तरीके से बेहद प्रभावित हैं। राजस्थान रॉयल्स की तरफ से खेलने वाले युवा बल्लेबाज सूर्यवंशी ने अपने प्रदर्शन से क्रिकेट जगत में तहलका मचा दिया है। ऑस्ट्रेलियाई कप्तान कमिंस ने कहा, ' हां, मुझे लगता है कि वह मेरा नया पसंदीदा खिलाड़ी है। वह गेंद पर जोर से प्रहार करता है। उसे खेलते हुए देखने में मजा आता है।'

उबर कप

उन्नति की रोमांचक जीत तन्वी ने की बढ़त दोगुनी

एजेंसी ▶▶| होर्सेंस

भारतीय महिला टीम ने उबर कप बैडमिंटन टूर्नामेंट के ग्रुप ए के अपने दूसरे मुकाबले में यूरोपीय चैंपियनशिप की कांस्य पदक विजेता यूक्रेन पर 4-1 की शानदार जीत दर्ज करके क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। भारतीय टीम अपने पहले मुकाबले में मेजबान डेनमार्क से 2-3 से हार गई थी। यूक्रेन के खिलाफ भारत की युवा खिलाड़ियों ने अच्छा प्रदर्शन किया। उन्नति हुडा ने पोलिना बुहरोवा पर 21-19, 22-20 की रोमांचक जीत के साथ शुरुआत की, जिसके बाद तन्वी शर्मा ने येवहेनिया कांटेमिर को 21-12, 17-21, 21-10 से हराकर भारत की बढ़त दोगुनी कर दी। पीवी सिंधु को एकल में आराम दिया था, जिससे देविका सिहाग को तीसरे एकल में मौका मिला और इस युवा खिलाड़ी ने मारिया स्टोलियारेन्को को 23-21, 21-13 से हराकर शानदार प्रदर्शन किया।

- यूक्रेन से जीता भारत, क्वार्टर फाइनल में पहुंचने की उम्मीद

सिंधु-तनीषा ने जीता डबल्स मुकाबला

भारत को एकमात्र हार महिला युगल के पहले मुकाबले में मिली। कविप्रिया सेल्वम और सिमरन सिंघी को बुहरोवा और कांटेमिर से 11-21, 17-21 से हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद सिंधु और तनीशा क्रास्टो ने स्टोलियारेन्को और सोफिया लावरोवा पर 21-18, 21-15 से जीत हासिल की। भारत अब सोमवार को अपने अंतिम ग्रुप मैच में चीन से भिड़ेगा। क्वार्टर फाइनल में पहुंचने के लिए उसे इस मैच में जीत हासिल करनी होगी।

एसए महिला ओपन: संयुक्त 26वें स्थान पर दीक्षा डागर

एजेंसी ▶▶| केपटाउन

भारतीय गोल्फर दीक्षा डागर तीसरे दौर में एक बर्डी और चार बोगी के बाद इनवेस्टेक एसए महिला ओपन टूर्नामेंट में संयुक्त 26वें स्थान पर खिसक गईं। दीक्षा ने तीसरे दौर में तीन ओवर का स्कोर बनाया। इस लेडीज यूरोपीय टूर प्रतियोगिता में अब सिर्फ एक दौर का खेल बाकी है। भारत की प्रणवी उर्स (74) और अवनि प्रशांत (75) ओवर पार के स्कोर के बावजूद आगे बढ़ने में सफल रही। प्रणवी संयुक्त 43वें से संयुक्त 35वें जबकि अवनि संयुक्त 53वें से संयुक्त 47वें स्थान पर हैं। तीन अन्य भारतीय त्वेसा मलिक, वाणी कपूर और हिताशी बक्शी कट हासिल करने में नाकाम रहीं। स्लोवेनिया की पिया बाब्निक (74) और इंग्लैंड की एस्मे हैमिल्टन कुल 13 अंडर के स्कोर से संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं।

कोर्ट में बिगड़ी इगा की तबीयत अब नहीं खेलेंगी मैड्रिड ओपन

एजेंसी ▶▶| मैड्रिड

इगा स्वियातेक अमेरिकी खिलाड़ी एनली के खिलाफ एक अज्ञात बीमारी के कारण मैच के बीच से हटने से मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट से बाहर हो गई। विश्व की चौथे नंबर की खिलाड़ी स्वियातेक ने जब मैच से हटने का फैसला किया तब ली 7-6 (4), 2-6, 3-0 से आगे चल रही थी। मैड्रिड में 2024 की चैंपियन स्वियातेक ने निर्णायक सेट में 2-0 से पिछड़ने के बाद मेडिकल टाइमआउट लिया। वह कोर्ट पर लौटीं, लेकिन ली ने अपनी सर्विस बरकरार रखी, जिसके बाद उन्होंने आगे नहीं खेलने का फैसला किया। पोलैंड की स्टार खिलाड़ी ने गुरुवार को अपने दूसरे दौर के पहले मैच में डारिया स्निगुर को सीधे सेटों में हराया था। इस तरह से विश्व में 34वीं रैंकिंग की खिलाड़ी ली ने शीर्ष 10 खिलाड़ियों में शामिल किसी खिलाड़ी के खिलाफ अपने कॅरियर की दूसरी जीत दर्ज की। उनका अगला मुकाबला लेयला फर्नांडीज से होगा।

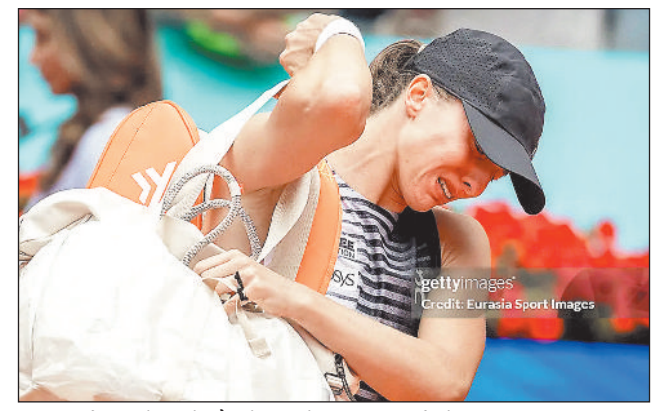

प्रीमियर लीग में फिर से शीर्ष पर पहुंचने में सफल आर्सेनल

एफए कप: रिकॉर्ड चौथी बार फाइनल में मैनचेस्टर सिटी

एजेंसी ▶▶| लंदन

मैनचेस्टर सिटी एक बार फिर एफए कप फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच गया है जबकि आर्सेनल प्रीमियर लीग में फिर से शीर्ष पर पहुंचने में सफल रहा। सिटी ने वेम्बली में खेले गए मैच में साउथेम्प्टन को 2-1 से हराकर रिकॉर्ड चौथी बार एफए कप के फाइनल में जगह बनाई। दूसरे हाफ में एक गोल से पिछड़ने के बाद निको गोंजालेज के 87वें मिनट में किए गए गोल से सिटी ने जीत दर्ज की। इस जीत ने सिटी की घरेलू स्तर पर तीन खिताब जीतने की

उम्मीदों को बरकरार रखा है। वह पहले ही इंग्लिश लीग कप जीत चुका है और प्रीमियर लीग खिताब के लिए आर्सेनल के सामने कड़ी चुनौती पेश कर रहा है। प्रीमियर लीग में आर्सेनल ने एबेरेची एज़े के गोल की मदद से न्यूकैसल के खिलाफ 1-0 से जीत हासिल करके सिटी पर तीन अंक की बढ़त बना ली है। आर्सेनल के 34 मैच में 73 और सिटी के 33 मैच में 70 अंक हैं। इस बीच लिवरपूल की टीम क्रिस्टल पैलेस को 3-1 से हराकर गोल अंतर के आधार पर चौथे स्थान पर पहुंच गई।

ला लीगा: दूसरी बार खिताब के करीब पहुंचा बार्सिलोना

बार्सिलोना। बार्सिलोना को गेटाफे पर मिली 2-0 की जीत से स्पेनिश फुटबाल लीग ला लीगा में लगातार दूसरी बार खिताब जीतने के करीब पहुंच गया है, जबकि एटलेटिको मैड्रिड चैंपियंस लीग सेमीफाइनल में आर्सेनल का सामना करने से पहले आत्मविश्वास भरी जीत हासिल करने में सफल रहा। बार्सिलोना की तरफ से पहला गोल फर्मिन लोपेज ने 45वें मिनट में किया। उन्होंने अपना यह गोल चोटिल लामिन यामल को समर्पित किया। बार्सिलोना की तरफ से इस प्रतियोगिता में सर्वाधिक गोल करने वाले यामल मांसपेशियों में खिंचाव होने के कारण इस सत्र से बाहर हो गए हैं। मार्कस रैशफोर्ड स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में मैदान पर उतरे और उन्होंने 74वें मिनट में गोल करके बार्सिलोना की 2-0 से जीत सुनिश्चित की। यह बार्सिलोना की गेटाफे में छह सत्र में पहली जीत है। इस जीत से बार्सिलोना ने दूसरे स्थान पर काबिज रियाल मैड्रिड पर अपनी बढ़त 11 अंक कर दी है जबकि अब केवल पांच दौर के मैच खेले जाने बाकी हैं।

राज दफन

क्या आज भी कैद हैं निकोला टेस्ला के राज?

बिना तार के बिजली पहुंचाने का था प्लान पर सरकार ने जब्त कर लिए सारे रिसर्च!

जरा सोचिए एक ऐसी दुनिया जहां बिजली मोबाइल सिग्नल की तरह हवा में तैरती हो और आपको अपने गैजेट्स चार्ज करने के लिए किसी प्लग या चार्जर की जरूरत ही न पड़े।

न्यूययार्क। यह किसी फिल्म की कहानी नहीं, बल्कि सदी के सबसे महान और रहस्यमयी वैज्ञानिक निकोला टेस्ला का सपना था। लेकिन, 7 जनवरी 1943 की रात को जब न्यूयॉर्क के एक होटल के कमरे में टेस्ला की खामोश मौत हुई, तो उनके साथ ही दफन हो गए विज्ञान के वो राज जिन्होंने पूरी दुनिया का हुलिया ही बदल दिया होता।

7 जनवरी 1943 की रात, न्यूयॉर्क के होटल न्यू यॉर्कर के कमरा नंबर 3327 में सबसे महान वैज्ञानिकों में से एक, निकोला टेस्ला ने अंतिम सांस ली। 86 साल की उम्र में हुई उनकी मृत्यु न सिर्फ एक युग का अंत हुआ, बल्कि एक ऐसे रहस्य की शुरुआत थी जो आज भी विज्ञान और साजिश की कहानियों के बीच फंसा रहा है।

डेथ रे का खौफ

अपने आखिरी दिनों में टेस्ला बहुत ही अकेले हो गए थे। इसलिए वे अपना ज्यादातर समय कबूतरों को दाना खिलाने और होटल के कमरों में रिसर्च करने में बिताते थे। उस समय द्वितीय विश्व युद्ध चल रहा था और टेस्ला अक्सर टेलीफोर्स नाम के एक शक्तिशाली बीम हथियार की चर्चा करते थे, जिसे मीडिया ने डेथ रे यानी मौत का किरण नाम दिया था। इससे सरकार को चिंता थी कि अगर टेस्ला के पास वास्तव में ऐसा कोई हथियार बनाने की टेक्नोलॉजी है, तो वह दुश्मन देशों के हाथ नहीं लगनी हीं चाहिए।

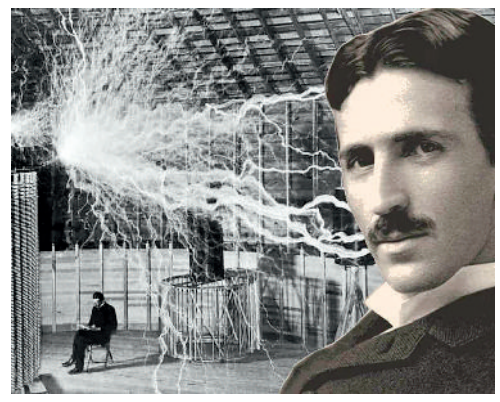

किसने जब्त किए थे टेस्ला के दस्तावेज?

टेस्ला की मौत के तुरंत बाद, अमेरिकी सरकार के ऑफिस ऑफ एलियन प्रॉपर्टी कस्टोडियन ने उनके सभी सामान, ट्रंक और रिसर्च पेपर को अपने कब्जे में ले लिया। अक्सर लोग समझते हैं कि यह काम एफबीआई ने किया था, लेकिन दस्तावेजों के अनुसार एफबीआई की इसमें कोई डायरेक्ट भूमिका नहीं थी। इन कागजातों की जांच की जिम्मेदारी एमआईटी के मशहूर इंजीनियर जॉन जी. ट्रम्प को दी गई थी।

सरकारी जांच में क्या निकला?

जॉन जी. ट्रम्प ने टेस्ला की फाइलों पर रिसर्च करने के बाद यह निष्कर्ष निकाला कि टेस्ला के विचार सिर्फ काल्पनिक थे। उन्होंने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि ऐसा कोई ठोस सबूत नहीं मिला जिससे कार्यशील हथियार या नई टेक्नोलॉजी बनाई जा सके। हालांकि, आज भी कई लोग मानते हैं कि टेस्ला ने वायरलेस बिजली और फ्री एनर्जी से क्रांतिकारी आविष्कार कर लिए थे, जिन्हें आर्थिक हितों के कारण दबा दिया गया।

गायब फाइलों का रहस्य

टेस्ला की कई फाइलों को बाद में उनके फैमिली को दे दी गई और अब वे बेलग्रेड के म्यूजिम में रखी है। लेकिन, विवाद तब पैदा होता है जब कई रिसर्चर्स दावा करते हैं कि जब्त किए गए सामान की लिस्ट और लौटाए गए सामान की में काफी अंतर था। क्या कुछ बक्से आज भी सरकार के पास गुप्त ठिकानों में दफन हैं? यह सवाल आज भी बरकरार है।

अधूरी विरासत और आधुनिक युग

भले ही टेस्ला के डेथ रे पर विवाद हो, लेकिन उन्होंने अल्टरनेटिंग करंट यानी एसी, इलेक्ट्रिक मोटर और ट्रांसफॉर्मर ने ही आज की दुनिया को रोशन किया है। एलन मस्क की कंपनी टेस्ला से लेकर आज के वायरलेस चार्जिंग सिस्टम तक, निकोला टेस्ला के विचार आज भी विज्ञान को मदद कर रहे हैं।

यहां कब्रिस्तान में रहते हैं लोग, कब्रों के बगल में लगाते हैं बिस्तर, वहीं बैठकर खाते हैं खाना!

मनीला। दुनिया में रहने के लिए लोग अलग-अलग तरह की जगहों का चुनाव करते हैं, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि कोई कब्रिस्तान में भी रह सकता है? यह जगह मनीला नॉर्थ सेमेट्री के नाम से जानी जाती है। यहां करीब 6 हजार से ज्यादा लोग रहते हैं, जिन्होंने कब्रों के बीच ही अपना आशियाना बना लिया है। ये लोग कब्रों के ऊपर या उनके आसपास छोटे-छोटे घर बनाकर रहते हैं। यही नहीं, ये लोग वहीं खाना बनाते हैं, खाते हैं और अपनी रोजमर्रा की जिंदगी बिताते हैं।

इस अनोखी बस्ती की सबसे खास बात यह है कि यहां रहने वाले कई लोग अपने प्रियजनों की कब्रों के पास ही घर बनाते हैं। उनका मानना है कि इससे वे अपने परिवार के दिवंगत सदस्यों के करीब रहते हैं। हालांकि, इसके पीछे एक बड़ी वजह आर्थिक मजबूरी भी है। फिलीपींस में बढ़ती आबादी और गरीबी के कारण कई लोगों के पास रहने के लिए पर्याप्त जगह नहीं है। ऐसे में वे सस्ते या मुफ्त में रहने की जगह ढूंढते हैं, और कब्रिस्तान उन्हें एक विकल्प के रूप में दिखाई देता है। धीरे-धीरे यह जगह एक पूरी बस्ती में बदल गई, जहां बच्चे खेलते हैं, लोग काम पर जाते हैं और सामान्य जीवन जीने की कोशिश करते हैं।

डायबिटीज
के मरीजों के घावों की प्लास्टिक सर्जरी (स्कीन ग्राफिटंग) की विशेष सुविधा.

कालड़ा प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी एवं बर्न सेंटर
आर.के.सी. के सामने, जी.ई. रोड, चौबे कालोनी एवं गंगा डायग्नोस्टिक्स के उपर, कलर्स माल के पास, पचपेड़ी नाका, रायपुर (छ.ग.)
Mobile 9827143060
Ajay Advt.

SHREE NARAYANA HOSPITAL
Quality Health Care for All..
NABH ACCREDITED

किडनी रोग विभाग
- किडनी प्रत्यारोपण (Kidney Transplantation)
- स्टेट ऑफ आर्ट डायलिसिस यूनिट
- डेडिकेटेड क्रिटिकल केयर यूनिट
- किडनी बायोप्सी
- एवी फिश्चुला, परमाकैथ, ग्राफ्ट

आयुष्मान स्वास्थ्य योजना, सी.जी.एच.एस., सभी कोरपोरेट संस्थाओं एवं सभी इंश्योरेंस कंपनियों से ईलाज की सुविधा उपलब्ध
डॉ. कृष्णा सोमानी
M.D., D.M.
(नेफ्रोलॉजिस्ट एवं किडनी ट्रांसप्लांट फिजिशियन)
देवेन्द्र नगर, रायपुर (छ.ग.)
www.snh.org.in
9300373737

लंबी जिंदगी का सबसे 'तीखा' राज!

जिसे आप समझते थे जहर वही निकली लंबी उम्र की दवा

वॉशिंगटन। अगर आप भी उन लोगो में से हैं जो बिना हरी मिर्च या लाल मिर्च के चटकारे लिए खाना खान हीं पाते हैं, तो आपके लिए अच्छी खबर है! अक्सर ज्यादा मिर्च-मसाले को सेहत के लिए खतरनाक बताया जाता है, लेकिन वैज्ञानिकों ने अब इसके पीछे का एक ऐसा हेल्थ सीक्रेट खोजा है जिसे जानकर आप खुश हो जाएंगे। हाल ही में हुए एक रिसर्च में खुलासा हुआ है कि तीखा खाने का शौक न सिर्फ आपकी जुबान को अलग स्वाद देता है, बल्कि आपको लंबी उम्र भी दे सकता है। दुनिया भर में हुई कई रिसर्च इस तरफ इशारा करती हैं कि हर दिन लाल मिर्च का सेवन करने वालों में मृत्यु दर का खतरा कम होता है।

दिल की बीमारियों और कैंसर का खतरा कम

सिर्फ साल 2017 में ही नहीं, बल्कि 2020 में अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के सत्र में पेश किए गए एक विश्लेषण में भी इसी तरह के नतीजे सामने आए थे। अमेरिका, इटली, चीन और ईरान के लगभग 5.7 लाख लोगों पर किए गए चार बड़े रिसर्च पर यह पाया गया कि नियमित रूप से मिर्च खाने वालों में-
हार्ट की बीमारी से मौत का खतरा 26% कम था।
कैंसर से मौत का खतरा 23% कम था।
कुल मृत्यु दर में 25% की कमी देखी गई.
क्लीवलैंड क्लिनिक के कार्डिओलॉजिस्ट डॉ. बो जू के मुताबिक, मिर्च का सेवन शरीर में सूजन को कम करने और एंटीऑक्सीडेंट के रूप में काम करने में मद्दगार हो सकता है।

चीन की स्टडी क्या कहती है

चीन में साल 2024 में प्रकाशित एक दूसरी रिपोर्ट में 4.8 लाख से ज्यादा चीनी लोगों का 12 सालों तक रिसर्च किया गया। जिसमें पाया गया कि जो लोग सप्ताह में कम से कम एक बार तीखा खाना खाते हैं, उनमें हार्ट की बीमारी का खतरा काफी कम होता है। वहीं, इस स्टडी में स्ट्रोक और तीखे खाने के बीच कोई सीधा संबंध नहीं मिला।

गर्मी को इंसानी शरीर के झेलने की भी है एक सीमा

नई दिल्ली। देशभर में इन दिनों सूरज की तपिश अब सिर्फ पसीना नहीं छुड़ा रही, बल्कि लोगों की हालत भी खराब कर रही है। आसमान से बरसती आग और 40 डिग्री पार करते पारे ने आम जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। लू के थपेड़ों के बीच अब एक ही सवाल हर किसी के जेहन में है, हर दिन बढ़ता पारा क्या खतरनाक हो सकता है, आखिर हमारा शरीर अधिकतम कितना तापमान बर्दाश्त कर सकता है? हमारा शरीर सिर्फ बाहरी तापमान से प्रभावित नहीं होता है, बल्कि हवा में मौजूद नमी के मेल पर भी प्रतिक्रिया देता है, इसे वेट बल्क टेंपरेचर कहते हैं। पहले यह माना जाता था कि इंसान अधिकतम 35 डिग्री सेल्सियस वेट बल्ब तापमान तक सुरक्षित रह सकता है। हालांकि, पेंसिल्वेनिया स्टेट यूनिवर्सिटी की नई स्टडी ने इस दावे को चुनौती दे है। नए रिसर्च के अनुसार, शरीर की सहनशीलता की वास्तविक सीमा लगभग 30 डिग्री से 31 डिग्री सेल्सियस के बीच है। इस स्तर के पार पहुंचते ही शरीर अपनी प्राकृतिक कूलिंग प्रणाली को प्रभावी तरीके से बनाए नहीं रख पाता, जिससे हेल्थ पर बड़ा असर पड़ सकता है।

- आखिर कितने तापमान पर जवाब देने लगते हैं हमारे अंग?

शरीर को कब होता है गर्मी से खतरा?

विज्ञान के मुताबिक, इंसान ज्यादा से ज्यादा तापमान 42.3 डिग्री सेल्सियस में आसानी से सह सकता है, इससे ज्यादा टेंपरेचर होने पर परेशानी बढ़ने लगती है। लेकिन, जब शरीर का टेंपरेचर 40 डिग्री सेल्सियस को पार कर जाता है तो हीट स्ट्रीक का खतरा काफी ज्यादा बढ़ जाता है। इससे शरीर का कूलिंग सिस्टम काम नहीं कर पाता है, जिससे चक्कर आना, ठीक से दिखाई न देना और बेहोशी जैसी समस्या होने लगती है। वहीं अगर समय पर सही इलाज न मिले तो कुछ ही घंटे में जान भी जा सकती है।

HONDA
The Power of Dreams
How we move you.
CREATE ▸ TRANSCEND, AUGMENT

नए रिश्तों की
Shine 100 DX

एक्स-शोरूम (छत्तीसगढ़)
₹70196

डिजिटल मीटर
एवरेज माइलेज इंडिकेटर / लाइव माइलेज इंडिकेटर / रेंज इंडिकेटर

5-स्टेप एडजस्टेबल रियर सस्पेन्शन | ट्यूबलेस टायर्स | स्टाइलिश क्रोम प्लेटिंग | वाइड फ्यूल टैंक

कम डाउन पेमेंट ₹7499* | इंस्टेंट कैशबैक ₹5000# | न्यूनतम ब्याज दर @6.99%* | बिना हाइपोथिकेशन*

अधिक जानकारी के लिए 7230032200 पर मिस्ड कॉल दें

Terms and Conditions applied. #5% Instant Cashback up to Rs. 5000 is available on all HMSI models for EMI transactions made using HDFC Bank credit cards with a minimum transaction value of Rs. 40000 (Tenure 6 months & above). #Instant Cashback of up to Rs. 4000 is available on selected HMSI models for EMI transactions using IDFC Bank credit cards with a minimum transaction value of Rs. 40000 (Tenure 9 months & above). #The offer is valid on credit card transactions processed through Pine Labs machines only and is applicable for one transaction per card/order during the offer period. #The Instant Cashback offer is valid until 30th April 2026. *Approval of the loan is at the sole discretion of the financiers, and additional documentation may be required. *The interest rates, loan amount, down payment, tenure options and EMI are based on the financier's assessment of the applicant's credit profile. *Some of the mentioned components of the scheme cannot be clubbed together. *The offers/features may be modified or withdrawn at any time without prior intimation. *Offer valid until 30th April 2026. The feature shown in the creative may not be available in all variants. Product shown in the picture may vary from actual product available in the market. Accessories shown in the picture are not part of standard equipment.

डीलर विवरण के लिए QR कोड स्कैन करें

Honda Motorcycle & Scooter India Pvt. Ltd., Registered Office: Plot No. 1 , Sector - 03, IMT Manesar, Distt. Gurugram, (Haryana) - 122052, India; Website: www.honda2wheelersindia.com; Customer Care: customercare@honda.hmsi.in

Honda Exclusive Authorized Dealerships: BILASPUR: Dream Honda - 9926802408; Maosaji Honda - 7024149881; AKALTARA: Bhagwati Honda - 9827527016; AMBIKAPUR: Mahamaya Honda - 7489027000; Jaswani Honda - 8358065000; BAIKUNTHPUR: Pramila Honda - 7000405012; BARADWAR: Ganpati Honda - 7974875687; BILHA: Sai Honda - 9179256022; KAWARDHA: Pratha Honda - 7400550099; DHARAMJAIGARH: Harsh Honda - 9424180180; DIPKA: Kamal Honda - 9111144667; JANJGIR CHAMPA: Gattani Honda - 7694011206; Shubh Honda (Baloda) - 8574921111; JASHPUR: Deo Narayan Honda - 94252251702; KHARSIA: Balaji Honda - 8269515770; KORBA: Vishal Honda - 9479025937; Krishna Korba Honda - 7747015377; JP Honda (Hardi Bazar) - 9826129114; Ashwini Honda (Urga) - 6232103023; Bharat Honda (Gevra Basti) - 09301001739; KOTA: Prakash Honda - 9826417995; KUNKURI: Mansharam Honda - 8103798783; LAILUNGA: Atul Honda - 9424188280; LORMI: Mansi Honda - 9685010000; MANENDRAGARH: Harsh Honda - 9993883343; MASTURI: Rahul Honda - 9098619245; PALI: Mahamaya Honda - 8770804342; PAMGARH: Gautam Honda - 8962109746; PANDARIYA: Shri Balaji Honda - 7399330099; PATHALGAON: Dinesh Honda - 9993199987; PENDRA ROAD: Dev Honda - 9752998221; RAHOD: Shri Balaji Honda - 9977311242; RAIGARH: Sharda Honda - 8103664400; Shanti Auto Honda - 9343609280; RAJPUR: Maa Mahamaya Honda - 9424259688; RAMANUJGANJ: Vikas Honda - 9926158656; RATANPUR: Sunil Honda - 9893354893; SAKTI: Maa Durga Honda - 9685927215; SARAIPALI: Pukhraj Honda - 8889798000; SARANGARH: Shanti Honda- 9201826679; SARSIVA: Kanisk Honda - 9575533947; SHEORINARAYAN: Arav Honda - 9713022700; SITAPUR: Akash Honda - 9617378301; PRATAPUR: Shri Banbhori Honda - 8120806101; SURAJPUR: Maa Mahamaya Honda - 8223999666; TAKHATPUR: Dream Honda - 9303005917; TAPKARA: Jindal Honda - 9406384666; WADRUFNAGAR: KP Auto - 9826881578; BILASPUR SAKRI: Dream Honda Branch - 9516661444; BILASPUR DAYALBANDH: Maosaji Honda Branch - 9109690484; GAURELLA: Shyam Honda - 7024806222; AHIWARA: Kabiram Honda - 8319225193; Shree Sairam Honda (Risali) - 8823050333; DANTEWADA: Ansh Honda - 7000396031; NEHRU NAGAR: Aan Honda - 8518020999; MUNGELI: S. Mansi Honda - 9685010000; BATAULI: Ankan Honda - 9203617070: CHOWKI: Manraj Honda - 9424153947.
For Bulk/Institutional enquiries, please write us at: institutionalsales@honda.hmsi.in

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com